THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 344 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन शु.8 2081 शुक्रवार, 7 मार्च-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

पीएम ने मुखवा में गंगा पूजा की

कहा-राज्य में किसी सीजन में टूरिज्म बंद नहीं होगा, ठंड में घाम तापो पर्यटन के लिए आएं

उत्तरकाशी, 6 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड दौरे पर हैं। पीएम सबसे पहले उत्तरकाशी के मुखवा पहुंचे। मुखवा को मां गंगा का मायका कहा जाता है। यहां उन्होंने मां गंगा के मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद बाइक रैली को रवाना किया। पीएम ने यहां व्यू पॉइंट से हर्षिल घाटी देखी।

जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि ठंड में जब देश के बड़े हिस्से में कोहरा होता है, सूर्य के दर्शन नहीं होते, तब पहाड़ों पर धूप होती है। ऐसे में कई लोग यहां धूप सेंकने आ सकते हैं। इसके लिए घाम तापो (धूप सेंको) पर्यटन हो सकता है। मैं कंपनियों से कहना चाहता हूं कि वे अपने बड़े-बड़े सेमिनार, कॉन्फ्रेंस के लिए उत्तराखंड आएं। पीएम बनने के

तीसरे कार्यकाल में मोदी का यह उत्तराखंड का दूसरा दौरा है। इससे पहले वे 28 जनवरी को 38वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करने उत्तराखंड आए थे। उत्तराखंड सरकार ने इस साल शीतकालीन पर्यटन शुरू किया है। सीएम पुष्पेंद्र धामी ने कहा- इस दौरे से अर्थव्यवस्था, होमस्टे टूरिज्म, बॉर्डर एरिया के गांव के डेवलपमेंट को गति मिलने की उम्मीद है।

मोदी के संबोधन की बड़ी बातें...

> अब किसी भी सीजन में उत्तराखंड का टूरिज्म ऑफ नहीं, ऑन रहेगा। धार्मिक यात्रा के लिए उत्तराखंड में सर्दियों का मौसम सबसे बेस्ट है।

> उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने के लिए डबल इंजन सरकार तेज गति से काम कर रही है।

> उत्तराखंड के विकास के लिए 2 रोपवे प्रोजेक्ट को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है।

> 1962 में चीन ने उत्तराखंड के जादुंगांव और माणा गांव को खाली करा दिया गया था। 60-70 साल तक उस गांव को किसी ने नहीं ध्यान दिया, लेकिन हमने उसको फिर से बसाने का काम किया।

> 2014 से पहले 4 धाम यात्रा पर औसतन 18 लाख यात्री आते थे, अब 50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आते हैं।

> पहले सीमावर्ती गांवों को आखिरी गांव कहा जाता था, लेकिन हमने प्रथम गांव का दर्जा दिया।

> जब सर्दियों में देश के बड़े हिस्से में कोहरा होता है, धूप नहीं निकलती, तब पहाड़ों पर धूप का आनंद मिलता है। इसे गढ़वाली में घाम तापो पर्यटन कहेंगे।

> मैं नौजवान साथियों से कहूंगा कि विंटर टूरिज्म और डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखंड आएं।

> कंटेन्ट क्रीएटर्स भी देवभूमि उत्तराखंड की सेवा कर सकते हैं।

यूएई में दो भारतीयों को दी गई फांसी की सजा

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में दो भारतीयों को फांसी की सजा दी गई है। दोनों भारत के केरल के निवासी थे और हत्याओं के मामले में जेल में बंद थे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। विदेश मंत्रालय ने दोनों की पहचान मोहम्मद रिनाश और मुरलीधरन वलप्पिल के रूप में की है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात की सर्वोच्च अदालत ने भी दोनों की फांसी की सजा पर मुहर लगाई थी, जिसके बाद दोनों को फांसी दे दी गई। मोहम्मद रिनाश को अमीरात के एक व्यक्ति की हत्या का दोषी पाया गया था। वहीं मुरलीधरन को एक भारतीय की हत्या का दोषी पाया गया था। संयुक्त अरब अमीरात की सरकार ने 28 फरवरी को दोनों के बारे में भारतीय दूतावास को जानकारी दे दी थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दूतावास की तरफ से दोनों को सभी जरूरी कानूनी मदद दी गई थी। जिसमें दया याचिका भी शामिल है।

तेलंगाना एमएलसी चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन से पीएम मोदी गदगद

कार्यकर्ताओं के प्रयासों को सराहा

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को तेलंगाना एमएलसी चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने एमएलसी चुनावों में भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन देने के लिए तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने जनता जनार्दन के बीच कड़ी मेहनत करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं की भी सराहना की।

तेलंगाना में भाजपा ने विधान परिषद (एमएलसी) की तीन में से दो सीटें जीती हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एमएलसी चुनावों में तेलंगाना भाजपा को इस तरह के अभूतपूर्व समर्थन के लिए मैं तेलंगाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। हमारे नवनिर्वाचित उम्मीदवारों को बधाई। उन्होंने कहा कि मुझे हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर बहुत गर्व है, जो लोगों के बीच कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इससे पहले तेलंगाना विधान परिषद के शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा समर्थित उम्मीदवार ने जीत हासिल की थी। एक अन्य शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुआ था। भाजपा समर्थित मलका कोमरैया ने मेदक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की और निर्दलीय उम्मीदवार श्रीपाल रेड्डी पिंगिली ने वारंगल-खम्मम-नलगोंडा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की थी। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश में स्नातक एमएलसी चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों की जीत की सराहना की। प्रधानमंत्री ने चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों की जीत पर मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू की ओर से किए गए एक पोस्ट का जवाब देते हुए कहा, विजेता उम्मीदवारों को बधाई। केंद्र और आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार राज्य के लोगों की सेवा करती रहेंगी और राज्य की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

रक्षा खरीद नीति बदलेगी, सुधार के लिए कमेटी गठित

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। देश के सैन्य बलों का आधुनिकीकरण तेज करने के लिए रक्षा खरीद नीति में बड़े बदलाव की तैयारी है। अब से सैन्य सामान की खरीद फास्ट ट्रैक की जाएगी। रक्षा खरीद नीति (डीपीपी) में सुधार के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कमेटी का गठन किया है।

अभी हथियार व सैन्य प्लेटफॉर्म की खरीद में 8 चरण होते हैं। सबसे पहले आकलन करते हैं कि हथियार बाहर से क्यों खरीदना है। फिर खरीद के लिए सूचना आमंत्रित करना, प्रस्ताव मंगाना, टेक्निकल ट्रायल, फील्ड ट्रायल, कॉमर्शियल दावे मंगाना, सबसे कम दाम वाला वेंडर चुनना जैसी प्रक्रियाएं हैं।

इस पूरे काम में कम से कम 8 साल लग जाते हैं। कमेटी देखेगी कि यह प्रक्रिया एक-दो साल में कैसे पूरी हो सकती है। डीपीपी में परिवर्तन की मांग इसलिए जोर पकड़ रही है, क्योंकि सेना, नौसेना और वायु सेना को समय पर साजो-सामान नहीं मिल रहे।

केटीआर ने सुरंग दुर्घटना की न्यायिक जांच की मांग दोहराई

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के ढहने पर सफाई देने की मांग की। उन्होंने दोहराया कि तथ्यों को उजागर करने के लिए केवल उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश की जांच पर ही भरोसा किया जा सकता है।

वह एक अंग्रेजी अखबार में छपी खबर पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें खुलासा किया गया था कि जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड द्वारा कमीशन की गई टनल सिस्मिक प्रेडिक्शन- 303 प्लस नामक रिपोर्ट, जिस कंपनी को 2005 में एसएलबीसी सुरंग का ठेका दिया गया था, ने सुरंग में संभावित फॉल्ट जोन के बारे में चेतावनी दी थी, जहां ढहने की संभावना अधिक है। रिपोर्ट में इस खंड में चट्टान की ताकत में भी कमी पाई गई और इस बात पर प्रकाश डाला गया कि यह खंड जल-असर वाला क्षेत्र है। समाचार रिपोर्ट में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के पूर्व महानिदेशक मंडपल्ली राजू और जयप्रकाश एसोसिएट के भूविज्ञानी ऋतुराज देशमुख

के एक अन्य शोध पत्र का भी हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि सुरंग निर्माण का कार्य खराब भूमिगत अन्वेषण के साथ शुरू हुआ था। जाहिर है, तत्कालीन बीआरएस सरकार ने एसएलबीसी सुरंग की दीवारों में रिसाव पाए जाने के तुरंत बाद सुरंग निर्माण को अनिश्चित काल के लिए रोक दिया था। लेकिन मौजूदा कांग्रेस सरकार ने कथित तौर पर संरचनात्मक ताकत पर कोई पूर्व अध्ययन किए बिना काम फिर से शुरू कर दिया। समाचार रिपोर्ट का हवाला देते हुए, रामा राव ने एसएलबीसी परियोजना में श्रमिकों और सार्वजनिक धन की सुरक्षा के लिए कांग्रेस सरकार की घोर उपेक्षा पर अपना आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक नहीं बल्कि दो रिपोर्टों ने सुरक्षा मुद्दे को उजागर किया और यहां तक कि दुर्घटना के ठीक उसी स्थान को 'रेड ज़ोन' के रूप में चिह्नित किया। दुर्घटना से कुछ दिन पहले ही एक रिपोर्ट में यही कहा गया था और फिर भी सरकार ने सुरंग निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने का फैसला किया? बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि आठ परिवार टूट चुके हैं और बर्बाद हो चुके हैं, जबकि हजारों करोड़ रुपये जनता का पैसा बर्बाद हो चुका है।

तेलंगाना टनल हादसा, 13 दिन से फंसे 8 मजदूर

5 साल पहले ही हादसे की चेतावनी दी गई थी, कोई एक्शन नहीं लिया गया

नागर कर्नूल, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नागर कर्नूल में 22 फरवरी को श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल की छत गिर गई थी। हादसे में 8 मजदूर पिछले 13 दिन से फंसे हुए हैं। मजदूरों के बचने की उम्मीद कम है, हालांकि तलाशी अभियान अभी भी चलाया जा रहा है।

6 मार्च को बचाव टीम के आवाज लगाने का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वे कह रहे हैं- 'मनोज..., श्रीनिवास..., दिवेदी..., श्रीनिवास...'। जब कोई जवाब नहीं मिला, तो वे चुप हो गए। हादसे को लेकर एक चौंकाने वाल बात सामने आई है। दरअसल 5 साल पहले 2020 में एमबर्ग टेक एजी नाम की कंपनी ने एक सर्वे किया था। रिपोर्ट में टनल के कुछ फॉल्ट जोन और कमजोर चट्टानों के खतरे को लेकर जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड को अलर्ट जारी किया था। रिपोर्ट के हवाले से बताया- करीब 14 किलोमीटर लंबे इस टनल के 13.88 किलोमीटर से 13.91 किलोमीटर के हिस्से में चट्टान कमजोर थे। इस हिस्से में पानी भी भरा हुआ था। यहां जमीन खिसकने का भी खतरा था। रिपोर्ट कंपनी को दी गई थी। हालांकि राज्य सरकार के सिंचाई विभाग को इसकी जानकारी थी या नहीं, यह साफ नहीं है।

दूसरे रिपोर्ट में भी टनल में खामियां बताई गईं :

2020 में एक अन्य स्टडी में सुरंग में खामियों की बात सामने आई थी। स्टडी में कहा गया कि टनल की खुदाई बिना पुख्ता भू-तकनीकी जांच के की गई थी। यह इलाका टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट में आता है, इसलिए जमीन की खुदाई कर जांच करने की इजाजत नहीं मिली थी। जब जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड से संपर्क किया गया तो उन्होंने रिपोर्ट की पुष्टि की। लेकिन डिटेल जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे पर कोई कमेंट नहीं कर सकते हैं।

रान्या 14 दिन की रिमांड पर

आंख के नीचे डार्क सर्किल दिखे, डीआरआई बोला

एक साल में 27 बार दुबई गईं

बेंगलुरू, 6 मार्च (एजेंसियां)। कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को 3 मार्च को 14.2 किलो सोने के साथ बेंगलुरू इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद उनकी तस्वीर सामने आई है। तस्वीर में उनकी आंखों के नीचे डार्क सर्किल नजर आ रहे हैं। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने कहा- रान्या एक साल में 27 बार दुबई गईं। रान्या के खिलाफ गोल्ड स्मगलिंग का केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को रान्या के लावेल रोड स्थित आलीशान अपार्टमेंट की तलाशी ली। यहां से 2.1 करोड़ रुपये की ज्वेलरी और 2.7 करोड़ रुपये नकद भी बरामद किए।रान्या कर्नाटक पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के डीजीपी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। 3 मार्च की रात दुबई से बेंगलुरू लौटने के दौरान डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने उसे कैंपागौड़ा एयरपोर्ट पर 14.2 किलो सोने के साथ गिरफ्तार किया था। रान्या ने इसे अपने बेल्ट में छिपाकर लाई थी।

डीजीपी रामचंद्र राव ने कहा-मेरा रान्या से कोई वास्ता नहीं है। मेरे करियर पर कोई काला धब्बा नहीं है। किसी भी अन्य पिता की तरह जब मीडिया के जरिए यह बात मुझे पता चली तो मैं हैरान हो गया। मुझे इनमें से किसी भी बात की जानकारी नहीं थी। मैं इससे अधिक कुछ नहीं कहना चाहता। रान्या अब हमारे साथ नहीं रह रही हैं। वे अपने पति के साथ अलग रह रही हैं। गिरफ्तारी के बाद रान्या राव को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। रान्या कन्नड़ फिल्म माणिक्य और पाटकी में काम कर चुकी हैं। रान्या ने अपनी बॉडी, जांघों और कमर पर टेप लगाकर सोना छिपाया था।

चंद्रबाबू ने भी की जनसंख्या बढ़ाने की वकालत?

अमरावती, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जनसंख्या के मामले में भारत चीन को भी पछाड़कर दुनिया का सबसे बड़ा देश बन चुका है, जिस पर जनगणना से बस मुहर लगनी बाकी है। सरकारों से लेकर तमाम सामाजिक संगठनों तक जोर एक से दो बच्चों पर ही है। जनसंख्या नियंत्रण की बातें कही जाती हैं लेकिन ऐसे माहौल के बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने जनसंख्या बढ़ाने की वकालत की है। खासकर दक्षिण भारत के राज्यों में जनसंख्या वृद्धि की जोरदार हिमायत की है। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग होती आबादी और निम्न प्रजनन दर की वजह से दक्षिणी राज्यों को उत्तर भारत की तुलना में नुकसान होता है। उन्होंने बड़े परिवारों के लिए सरकार की तरफ से रियायत दिए जाने की भी मांग की।

नायुडू ने जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देने वाली अपनी स्कीम का भी जिक्र किया जिसके तहत 3 या उससे ज्यादा बच्चे वाले परिवारों को हर साल 15000 रुपये दिए जाते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने बुधवार को कहा कि भारत की आबादी बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे दूसरे देशों के मुकाबले भारत को फायदा मिलेगा। हमारे देश के युवाओं की संख्या ज्यादा होगी तो देश तरक्की करेगा। नायुडू ने कहा कि दुनिया के कई देशों में बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है। दक्षिण भारत के राज्यों में जन्मदर कम है और बुजुर्गों की संख्या ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इससे दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो रहा है। उत्तर भारत में सिर्फ उत्तर प्रदेश और बिहार में ही आबादी बढ़ रही है।

नायुडू ने कहा, हम भारत सरकार से अनुरोध करते हैं कि जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा दें और बढ़ती उम्र की आबादी वाले राज्यों को दंडित न करें। बड़े परिवारों के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाना चाहिए। आंध्र प्रदेश सरकार तीन बच्चों वाले परिवारों को हर साल 15,000 रुपये अतिरिक्त दे रही है। नायुडू ने इसे 'डेमोग्राफिक मैनेजमेंट' बताया। उन्होंने कहा, जितनी जल्दी हम इसे ठीक करना शुरू करेंगे, उतना ही अच्छा होगा।

परिसीमन पर समय आने पर बात करेंगे :

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चिंता जताई है कि परिसीमन से दक्षिणी राज्यों को नुकसान होगा। लेकिन नायुडू ने कहा कि वे इस मुद्दे पर सही समय पर बात करेंगे। परिसीमन हर 25 साल में होता है। नायुडू जी ने दिल्ली में मीडिया से कहा, परिसीमन एक सतत प्रक्रिया है, जो हर 25 साल में होती है। हम अनुमान नहीं लगा सकते, हम समय आने पर इसके बारे में बात करेंगे।

समीर वानखेड़े को बड़ी राहत

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) ने आयकर अधिकारी समीर वानखेड़े का मुंबई से चेन्नई ट्रांसफर रद्द कर दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि राजस्व विभाग ने अपनी ही गाइडलाइनों का स्पष्ट उल्लंघन किया है।

समीर वानखेड़े (जो 2008 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी हैं) 2021 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई में अपनी तैनाती के दौरान चर्चा में आए थे। उन पर बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के परिवार से 25 करोड़ रुपये की घूस मांगने का आरोप था, ताकि उनके बेटे आर्यन खान को ड्रग्स मामले में फंसाने की धमकी दी जा सके।सीएटी की पीठ ने पाया कि ट्रांसफर निर्णय में कई प्रक्रिया संबंधी त्रुटियां थीं और इसमें पक्षपात की संभावना भी दिखी।

किसी की आजादी के मामलों में लंबी तारीख देने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के एक जमानत याचिका की सुनवाई को दो महीने बाद की तारीख देने पर टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि अदालतों से आजादी से जुड़े मामलों को लंबे अंतराल के बाद रखने की उम्मीद नहीं है। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की ओर मेडिकल आधार पर अस्थायी जमानत की याचिका पर सुनवाई दो महीने बाद के लिए टालने पर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने यह टिप्पणी की।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपनी दो साल की बेटी की तत्काल सर्जरी को लेकर अस्थायी जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने 21 फरवरी को पारित अपने आदेश में मामले की सुनवाई 22 अप्रैल के लिए टाल दी थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट में पीठ ने कहा कि आजादी के मामलों में अदालतों से मामले को इतनी लंबी तारीख तक रखने की उम्मीद नहीं की जाती है। पीठ ने याचिकाकर्ता को पहले सुनवाई के लिए हाईकोर्ट जाने की अनुमति दी। पीठ ने हाईकोर्ट से कहा कि वह तारीख पहले करे और याचिकाकर्ता की बेटी के ऑपरेशन के मेडिकल आधार पर अस्थायी जमानत देने के मामले में सुनवाई करे।

इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उन्होंने पहले ही उच्च न्यायालय में नवाई को आगे बढ़ाने के लिए एक आवेदन दायर किया था, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया था। इसके बाद न्यायमूर्ति गवई ने पूछा कि अब भी आपको लगता है कि उच्च न्यायालय इसे खारिज कर देगा? अभी हम अगर याचिका पर नोटिस जारी करेंगे, तो प्रतिवादी इसका जवाब देने के लिए समय मांगेगा और मामले में देरी हो सकती है।

नई शिक्षा नीति में तीन भाषा का फॉर्मूला पूरे देश के लिए अच्छा, राजनीति कर रहे कुछ लोग : रिजिजू

तिरुवनंतपुरम, 6 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) में तीन भाषाओं का फॉर्मूला पूरे देश के लिए अच्छा है। एनईपी में तीन-भाषा की नीति पर गंभीर बहस जारी है, खासकर दक्षिणी राज्यों में। इसके बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कुछ गलतफहमियां हैं या कुछ लोग जानबूझकर राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। यहां पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तीन भाषा का फॉर्मूला पूरे देश के लिए अच्छा है। रिजिजू तिरुवनंतपुरम में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक और प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेने के लिए आए थे। रिजिजू ने कहा, आज नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन हिंदी उनकी मातृभाषा नहीं है, उनकी मातृभाषा गुजराती है। हमारे गृह मंत्री अमित शाह की मातृभाषा भी गुजराती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की मातृभाषा उड़िया है और मेरी मातृभाषा अरुणाचली है। लेकिन हम अपने देश के हित में एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें धर्म या भाषा के आधार पर देश को बांटना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, हम सभी भारतीय हैं। आइए मिलकर काम करें और प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार कहा है कि भारत में हर क्षेत्र, हर समुदाय और हर व्यक्ति समान है और सभी को समान सुरक्षा और प्राथमिकता दी जाएगी। इसलिए हमें जाति, पंथ, धर्म, समुदाय या राज्य या क्षेत्र के आधार पर देश को नहीं बांटना चाहिए। उनका बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब तमिलनाडु सरकार ने नई शिक्षा नीति-2020 के तहत तीन-भाषा के फॉर्मूले पर चिंता जताई है और केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह हिंदी को थोपने का प्रयास कर रही है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के स्टालिन ने अपनी स्थिति को दोहराते हुए कहा कि वह एनईपी को लागू नहीं करेंगे, भले ही केंद्र 10 हजार करोड़ रुपये की फंडिंग की पेशकश करे। इसके विपरीत आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने केंद्र के लिए मजबूत समर्थन जताया है और तीन नहीं बल्कि कई भाषाओं को सीखने की पैरवी की।

चीन का डिफेंस बजट भारत से 3 गुना ज्यादा

बीजिंग, 6 मार्च (एजेंसियां)। चीन ने बुधवार को अपने सालाना रक्षा बजट में 7.27 की बढ़त की है। इस साल यह 249 अरब डॉलर (1.78 ट्रिलियन युआन) हो गया। यह भारत के 79 अरब डॉलर के सैन्य बजट के मुकाबले करीब 3 गुना ज्यादा है।

टीओआई के मुताबिक एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि चीन का वास्तविक डिफेंस खर्च उसकी तरफ से बताए गए खर्च से 40-50 प्रतिशत ज्यादा है। चीन अपने सैन्य खर्च को कम दिखाने के लिए अलग-अलग सेक्टर के तहत धन आवंटित करता है। चीन अमेरिका के बाद सेना पर सबसे ज्यादा खर्च करता है। अमेरिका का रक्षा बजट 950 अरब डॉलर के करीब है। जो चीन के बजट से 4 गुना से भी ज्यादा है। चीन वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल के बीच इंडो-पैसेफिक और उसके आस पास के इलाकों में विरोधियों से निपटने के लिए आर्मी, नेवी, एयरफोर्स, न्यूक्लियर, स्पेस और साइबर क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को बढ़ा रहा है। चीन अपनी 20 लाख की संख्या वाली पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएएल) के लगातार आधुनिकीकरण करने के लिए कदम उठा रहा है। उसका मकसद ताइवान में किसी भी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप रोकना और साउथ-ईस्ट चीनी सागर में अपनी ताकत का प्रदर्शन करना है। फिलहाल भारत का डिफेंस बजट जीडीपी का 1.9 प्रतिशत है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि चीन और पाकिस्तान दोनों को एक साथ काउंटर करने के लिए इसे जीडीपी का कम से कम 2.5 प्रतिशत होना चाहिए। भारत अपनी 14 लाख की सेना की सैलरी और पेंशन पर अपने डिफेंस बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा खर्च करता है, जिससे उसके पास सैन्य आधुनिकीकरण के लिए सिर्फ 25 प्रतिशत ही बचता है। भारतीय वायुसेना को विमानों की 42 स्क्वॉड्रन की जरूरत है। इसके बजाय वायुसेना के पास सिर्फ 31 स्क्वॉड्रन हैं। इसमें भी सक्रिय स्क्वॉड्रन की संख्या 29 ही हैं। मिग 29 बाइसन की 2 स्क्वॉड्रन इसी साल रिटायर हो जाएंगी।

महामंडलेश्वर और बीजेपी नेता पर केस दर्ज

उज्जैन, 6 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन की महाकाल थाना पुलिस ने महामंडलेश्वर और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सहित चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी करने और अमानत में खयानत करने के साथ-साथ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। अभी इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि इंदौर के रहने वाले सोहिल पटेल पिता घनश्याम पटेल की ओर से की गई शिकायत के बाद महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद महाराज, बीजेपी नेता अशोक प्रजापत, महावीर प्रसाद निवासी मक्सी और ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी चार धाम मंदिर के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत करने का मुकदमा दर्ज किया गया है।

'घर बनाकर देने होंगे, आर्टिकल 21 भी कोई चीज है'

प्रयागराज में बुलडोजर एक्शन पर यूपी सरकार को फटकार

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना लोगों के घर गिराए जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने आज (6 मार्च) संज्ञान लिया है। कोर्ट ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई है। कोर्ट ने प्रयागराज में एक वकील, एक प्रोफेसर और तीन अन्य लोगों के घरों को ध्वस्त करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कड़ी असहमति जताते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाई एक चौंकाने वाला और गलत उदाहरण पेश करती है। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, अनुच्छेद 21 नाम की भी कोई चीज है । न्यायमूर्ति ओका ने सुप्रीम कोर्ट के हाल के फैसले की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसमें ध्वस्तीकरण से पहले अपनाई जाने वाली प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

राज्य को अपने पैसों से करना होगा पुनर्निर्माण: कोर्ट

न्यायमूर्ति ओका ने राज्य की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि न्यायालय अब राज्य को ध्वस्त संरचनाओं का पुनर्निर्माण करने का आदेश देगा। न्यायमूर्ति ओका ने कहा, अब हम आपके आदेश देते हैं कि आप अपने खर्च पर पुनर्निर्माण कीजिए, ऐसा करने का यही एकमात्र तरीका है।

याचिकाकर्ता ने कोर्ट में क्या कहा?

बता दें कि याचिकाकर्ता, अधिवक्ता जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद, दो विधवाएं और एक अन्य व्यक्ति ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा विध्वंस के खिलाफ उनकी याचिका खारिज करने के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने शनिवार देर रात को उनके घरों को ध्वस्त करने का नोटिस जारी किया और अगले दिन उनके घरों को ध्वस्त कर दिया, जिससे उन्हें कार्रवाई को चुनौती देने का कोई मौका नहीं मिला। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि वे भूमि के वैध पट्टेदार थे और उन्होंने अपने पट्टे के अधिकारों को फ्रीहोल्ड संपत्ति में बदलने के लिए आवेदन किया था। याचिकाकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया कि राज्य ने गलत तरीके से उनकी जमीन को गैंगस्टर-राजनेता अतीक अहमद से जोड़ दिया है, जिनकी 2023 में हत्या कर दी गई थी।

सरकार ने बचाव में दी ये दलील

अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने राज्य की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं के पास नोटिस का जवाब देने के लिए पर्याप्त समय था। हालांकि, न्यायमूर्ति ओका ने नोटिस भेजने के तरीके पर सवाल उठाया। पीठ ने नोटिस भेजने के तरीके पर राज्य के दावे में विसंगतियों की ओर इशारा किया। इस दौरान अटॉर्नी जनरल ने मामले को हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की। अटॉर्नी जनरल ने कहा, मैं डिमोलिशन का बचाव नहीं कर रहा हूं, लेकिन इस पर हाईकोर्ट को विचार करने दें, लेकिन कोर्ट ने इस मांग को खारिज कर दिया।

मानपुर बफर में तेंदुए की संदिग्ध मौत

वन विभाग की गश्ती टीम को मिला शव, बाघ से संघर्ष का अंदेशा

उमरिया, 6 मार्च (एजेंसियां)। उमरिया जिले के बांधवगढ़ वन परिक्षेत्र के मानपुर बफर में माला बीट के कक्ष क्रमांक पीएफ 349 में वन विभाग की गश्ती टीम को एक मृत तेंदुआ मिला। सूचना मिलते ही वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू की। प्राथमिक जांच में डॉग स्क्वॉड और मेटल डिटेक्टर की मदद ली गई। जांच के दौरान पास के नाले के आसपास तेंदुए और बाघ के पगमार्क मिले, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि तेंदुए की मौत किसी अन्य मांसाहारी वन्यजीव के साथ संघर्ष के कारण हुई होगी। अंधेरा होने के कारण मौके पर पोस्टमार्टम नहीं किया जा सका। वन विभाग ने बताया कि पोस्टमार्टम से मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल, क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है और आसपास के इलाकों की निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। वन परिक्षेत्र अधिकारी मुकेश अहिरवार ने बताया कि घटनास्थल के आसपास अन्य वन्यजीवों के पगमार्क भी मिले हैं, जिससे संघर्ष की आशंका और मजबूत हो जाती है। मृत तेंदुए की उम्र लगभग पांच वर्ष बताई जा रही है। गौरतलब है कि बीते रविवार पानपत्ता वन परिक्षेत्र के सहारा बीट में भी कक्ष क्रमांक आरएफ 499 में एक तेंदुए का शव मिला था, जिसके नाखून समेत अन्य अंग गायब थे। लगातार हो रही तेंदुओं की मौत ने वन प्रबंधन के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

मथुरा मंदिर-मस्जिद विवाद पर इलाहाबाद कोर्ट में सुनवाई

एएसआई को पक्षकार न बनाने की मांग

मथुरा, 6 मार्च (एजेंसियां)। मथुरा की श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल की गई डेढ़ दर्जन याचिकाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज एक बार फिर सुनवाई हुई। आज की सुनवाई में सूट नंबर एक और सोलह के हिंदू पक्षकारों ने अपनी याचिका में संशोधन किए जाने की अर्जी दाखिल की। सूट नंबर एक और सोलह के याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार के माध्यम से आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया को भी पक्षकार बनाए जाने की अनुमति दिए जाने की मांग की। हालांकि मुस्लिम पक्ष ने इस पर आपत्ति दाखिल की। मुस्लिम पक्ष के साथ ही कई हिंदू पक्षकारों ने भी इस पर ऐतराज जताया। कई हिंदू पक्षकारों ने भी सूट नंबर एक के याचिकाकर्ता भगवान श्री कृष्ण विराजमान एट कटरा केशव देव ख़ेवट और सूट नंबर 16 के याचिकाकर्ता देवता भगवान श्री कृष्ण लला विराजमान की याचिकाओं में संशोधन की इजाजत की मांग खारिज किए जाने की दलील पेश की।

हिंदू और मुस्लिम पक्षकारों ने क्या कहा?

मुस्लिम और हिंदू पक्षकारों की तरफ से कहा गया कि इससे मुकदमे का निपटारा होने में दिक्कत होगी। यह सिविल सूट दो पक्षों के बीच का है और इसमें केंद्र सरकार के माध्यम से आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया को पक्षकार बनाए जाने की कोई जरूरत नहीं है। मामले की सुनवाई जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्र की सिंगल बेंच में हुई। आज की सुनवाई तकरीबन डेढ़ घंटे तक चली।

सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने सूट नंबर एक और 16 में संशोधन की इजाजत दिए जाने की मांग वाली अर्जी पर अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया। अदालत ने ओपन कोर्ट में अपना आधा फैसला लिखाया। इस मामले में अदालत का फैसला एक-दो दिन बाद आ सकता है। हाईकोर्ट का फैसला सिर्फ दो सूट में संशोधन की इजाजत के बिंदु पर ही आएगा।

मामले में अगली सुनवाई 19 मार्च को

गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट अयोध्या विवाद की तर्ज पर मथुरा के मंदिर मस्जिद विवाद में सीधे तौर पर सुनवाई कर रहा है। हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल किए गए मुकदमों में एक साथ सुनवाई हो रही है। हालांकि अभी तक मुकदमों का ट्रायल शुरू नहीं हो सका है। मुकदमों का ट्रायल शुरू होने के लिए अभी तक वाद बिंदु भी तय नहीं हो सके हैं।

हाईकोर्ट में इस मामले में अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। सभी पक्षों की तरफ से ज्यादातर अधिवक्ताओं ने आज ऑनलाइन मोड में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी दलीले पेश की।

सीसीटीवी में कैद हुई चोरी की चौंकाने वाली घटना, कैश से भरी एटीएम मशीन ही उखाड़ ले गए चोर

नागपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर से एक चौंकाने वाली चोरी की घटना सामने आई है, जिसमें चोरों ने पूरी एटीएम मशीन ही उखाड़ कर ले उड़े। घटना जिले के खापरखेड़ा क्षेत्र की है। एटीएम चोरी की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में पूरी तरह से रिकॉर्ड हो गई। जानकारी सामने आई है कि एटीएम में लाखों रुपये मौजूद थे। वारदात के बाद खापरखेड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। चोरों ने पहले एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों को जलाया, ताकि कोई सबूत न मिल सके। इसके अलावा, उन्होंने काले रंग से कमरे पर स्प्रे किया, जिससे कोई ट्रेस न रहे। हालांकि, एक कैमरा चालू रहने के कारण पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। चोरों ने एटीएम को नीचे से उखाड़ा और उसे टाटा मैक्स कार में लोड कर घटनास्थल से फरार हो गए।

मुंबई की भाषा क्या ?

आरएसएस नेता भैयाजी जोशी के बयान पर भड़के संजय राउत

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु और केंद्र के बीच भाषा को लेकर विवाद हो रहा है। सीएम स्टालिन आरोप लगा रहे हैं कि नई भाषा नीति के जरिए उन पर हिंदी थोपी जा रही है। इस बीच आरएसएस नेता भैयाजी जोशी ने बड़ा बयान दिया है। भैयाजी ने ठाणे में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुंबई की कोई एक भाषा नहीं है। मुंबई के अलग-अलग भागों में अलग-अलग भाषा बोली जाती है। घाटकोपर परिसर के लोग गुजराती बोलते हैं, गिरगांव में हिंदी बोलने वाले कम मिलेंगे, वहां लोग मराठी बोलते हैं। इसलिए मुंबई आने वालों को मराठी भाषा सीखनी चाहिए ऐसा नहीं है।

आपको यह अधिकार किसने दिया?

अब उनके बयान पर शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जैसा संघ के वरिष्ठ नेता ने कहा है क्या वह ये बातें योगी जी के सामने लखनऊ में जाकर कह सकते हैं क्या? राउत ने कहा कि वे कल मुंबई में आकर बोले कि मुंबई की भाषा मराठी नहीं है। यहां कोई भी आकर बिना मराठी के रह सकते हैं, काम कर सकते हैं। राउत ने कहा कि आपको बयान देने का अधिकार किसने दिया?

राउत ने संघ के नेता को दी चुनौती

शिवसेना सांसद ने तंज कसते हुए कहा आप कोलकाता में जाकर बोल सकते हैं क्या कि कलकत्ता की भाषा बंगाली नहीं है? क्या आप कोच्चि और त्रिवेंद्रम में जाकर बोल सकते हैं कि केरल की भाषा मलयालम नहीं है। क्या आप पटना जाकर नीतीश जी के सामने बोल सकते हैं कि पटना की भाषा हिंदी नहीं हैं, आप चेन्नई में जाकर कह सकते हैं क्या कि यहां की भाषा तमिल और तेलुगु नहीं है?

हमने मराठी के लिए बलिदान दिया

राउत ने कहा कि आप की मंशा मुंबई को महाराष्ट्र से तोड़ने की है। हमने मराठी भाषा के लिए बलिदान दिया है। हमारे लोग शहीद हो गए। शिवाजी महाराज ने मराठा राज्य स्थापित किया क्योंकि उनकी भाषा मराठी थी।

'बच्चों को मारने-पीटने पर शिक्षकों पर होगी बड़ी कार्रवाई', मध्य प्रदेश सरकार का आदेश

भोपाल, 6 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार राज्य के शिक्षकों के लिए बड़ी चेतावनी जारी है। सरकार ने आदेश जारी किया है कि बच्चों को मारने पीटने पर शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं के साथ शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना और भेदभाव पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। सरकार का ये आदेश मध्य प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों पर लागू होगा।

दरअसल, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चिट्ठी के बाद मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किया गया है। आदेश में सभी सरकारी और निजी स्कूल में छात्र-छात्राओं के साथ शारीरिक मानसिक प्रताड़ना के साथ भेदभाव पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पत्र के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश देते हुए छात्र-छात्राओं को शारीरिक दंड देने पर पूर्णत प्रतिबंध लगाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा है।

नोटिस में क्या कहा गया?

मध्य प्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग के अपर संचालक की तरफ से जारी किए गए आदेश में लिखा है कि निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 की धारा 17 (1) के अंतर्गत शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना एवं भेदभाव पूर्णतः प्रतिबंधित है तथा धारा 172 (2) के अंतर्गत दंडनीय अपराध है तथा भारतीय दंड संहिता आईपीसी की धारा 323 के अंतर्गत भी शारीरिक दंड प्रतिबंधित है। जारी किए गए आदेश में आगे लिखा है- अतः प्रदेश अंतर्गत समस्त जिलों में संबंधित शासकीय अशासकीय विभाग संस्थानों मे छात्रों को शारीरिक दंड देने की घटनाओं की त्वरित पहचान करने की रोकथाम किए जाने हेतु उचित कदम उठाए जाएं। साथ में किसी विद्यालय शिक्षक द्वारा शारीरिक दंड देने के प्रकरण में तत्काल उपयोग अनुशासनात्मक कानूनी कार्रवाई की जाए।

तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत, कही ये बात

चेन्नई, 6 मार्च (एजेंसियां)। सनातन धर्म को लेकर बीते दिनों तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने विवादित बयान दिया था। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां उन्हें आज राहत मिली है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुमति के बिना इस मामले में कोई और केस दर्ज नहीं होगा। वहीं गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण बरकरार रहेगा। बिहार मामले में नए केस पर भी सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है, जिसपर अप्रैल महीने में सुनवाई होगी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने सनातन धर्म पर टिप्पणी के संबंध में उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ दर्ज मामलों में उन्हें बलपूर्वक कार्रवाई से संरक्षण देने वाले अंतरिम आदेश की वैधता की अवधि बढ़ा दी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता ने सितंबर 2023 में एक सम्मेलन में कहा था कि सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है और इसका ''उन्मूलन'' किया जाना चाहिए। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू से करते हुए कहा था कि इसे नष्ट कर दिया जाना चाहिए। स्टालिन की इस टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ महाराष्ट्र, बिहार, जम्मू और कर्नाटक सहित देश के विभिन्न हिस्सों में कई प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। वहीं दूसरी तरफ परिसीमन के मामले पर उदयनिधि स्टालिन लगातार केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं। इस बाबत बीते दिनों डीएमके ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी, जिसमें तमिलनाडु की सभी छोटी-बड़ी पार्टियों को न्यौता दिया गया था।

परिसीमन के मामले पर घमासान

इस मामले पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के। अन्नामलाई ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी परिसीमन प्रक्रिया पर पांच मार्च को होने वाली सर्वदलीय बैठक में हिस्सा नहीं लेगी और उन्होंने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर इस मामले को लेकर ''काल्पनिक भय'' फैलाने का आरोप लगाया।

अन्नामलाई ने स्टालिन को लिखे पत्र में कहा कि उनकी पार्टी का दृढ़ विश्वास है कि उन्होंने परिसीमन प्रक्रिया को गलत समझा है और ''अपने काल्पनिक भय को फैलाने तथा इसके बारे में जानबूझकर झूठ बोलने'' के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है, जबकि कोई आधिकारिक बयान अभी नहीं आया है।

दिल्ली में ठंडी हवाओं से गिरा पारा

आईएमडी का बड़ा अपडेट, अगले 5 दिनों तक कैसा रहेगा मौसम?

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली एनसीआर के मौसम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। सुबह और शाम को ठंड तो दोपहर के समय तेज धूप गर्मी का एहसास करा रही है। ठंडी हवाओं की वजह से तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार के बाद मौसम में तेजी से बदलाव के संकेत हैं। रंगों का त्योहार होली से पहले दिल्ली में तापमान बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को उत्तर-पश्चिम दिशा से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। हवा की गति सुबह के समय 14 से 18 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है। आईएमडी ने कहा कि इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है, जो दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 से 14 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच रह जाएगी।

दिल्ली में 2 डिग्री गिरा पारा

दिल्ली में तेज हवाएं चलीं और पूरे दिन 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दिन का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.4 डिग्री कम है, जबकि न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 55 प्रतिशत दर्ज की गई और अधिकतम तापमान के 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

एक्यूआई 108

दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 108 रहा जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

सरकार ही कब्जा रही सरकारी जमीन

असम के मंत्री ने जिन 4 राज्यों पर लगाए आरोप वहां किसका राज?

गुवाहाटी, 6 मार्च (एजेंसियां)। असम की लगभग 83,000 हेक्टेयर भूमि पर चार पड़ोसी राज्यों ने अतिक्रमण कर लिया है। ये दावा सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोरा ने विधानसभा में किया। कांग्रेस विधायक रेकीबुद्दीन अहमद के एक सवाल का जवाब देते हुए बोरा ने ये जानकारी दी। बोरा ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मेघालय और मिजोरम में 18 जिलों में 82,751.86 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। सबसे ज्यादा 59,490.21 हेक्टेयर क्षेत्रफल नागालैंड के कब्जे में है। उन्होंने कहा कि मेघालय ने 3,441.86 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किया है। अतुल बोरा ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश ने 16,144.01 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किया है, जबकि 3,675.78 हेक्टेयर भूमि मिजोरम के कब्जे में है। मंत्री ने कहा कि असम के प्रभावित जिलों में सोनितपुर, विश्वनाथ, लखीमपुर, धेमाजी, तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, चराइदेव और जोरहाट शामिल हैं।

4 राज्यों में किसका है राज?

अतुल बोरा ने अरुणाचल, नागालैंड, मेघालय और मिजोरम पर आरोप लगाए हैं। इन राज्यों में किसकी सरकार, ये भी जान लीजिए। सबसे पहले बात अरुणाचल प्रदेश की करते हैं। यहां के मुख्यमंत्री पेमा खांडू हैं। यहां पर बीजेपी की सरकार है। 17 जुलाई, 2016 से पेमा खांडू अरुणाचल के सीएम हैं। वहीं, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा हैं। वह जोरम नेशनलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष हैं। यानी मिजोरम में एनजेडपी की सरकार है। लालदुहोमा ने 8 दिसंबर, 2023 को सीएम पद की शपथ ले थी। मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा है। वह नेशनल पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष हैं। उनके पिता पीए संगमा भी राज्य के सीएम रह चुके हैं। इसके अलावा वह लोकसभा के स्पीकर भी रह चुके हैं। बीजेपी मेघालय में सरकार का हिस्सा है। बीजेपी को यहां पर दो सीटों पर जीत मिली थी। चुनाव परिणाम में पूर्ण बहुमत के आंकड़े से पीछे रहने वाली एनपीपी के अध्यक्ष कॉनराड संगना ने गृह मंत्री अमित शाह को फोन कर सरकार बनाने के लिए समर्थन मांगा था। नागालैंड में नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोगेसिव पार्टी की सरकार है। 2023 के चुनाव में उसे 25 सीटों पर जीत मिली थी। बीजेपी के खाते में 12 सीटें आई थीं। यहां पर इन दोनों पार्टियों के गठबंधन वाली सरकार है। नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोगेसिव पार्टी एनडीए का हिस्सा है। नेफ्यू रियो यहां के सीएम हैं।

असम में किसकी सरकार है?

असम में बीजेपी की सरकार है। लगातार दो चुनावों में उसने जीत हासिल की है। हिमंता बिस्वा सरमा यहां के सीएम हैं। 2015 में कांग्रेस का साथ छोड़कर वह बीजेपी में शामिल हुए थे।

गुजरात में कार-ट्रक के बीच हुई टक्कर में 3 लोगों की मौत, 4 घायल

सुरेंद्रनगर, 6 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में कार और ट्रक की आमने- सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गुरुवार सुबह गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में ध्रांगध्रा-मालवण हाईवे पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। ईको कार और ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी और बचाव कार्य शुरू कर दिया। घायलों को पाटडी के सरकारी अस्पताल में ले जाया गया है।

जम्मू के गैंगस्टरों को चेतावनी

'सुधर जाएं नहीं तो संपत्ति होगी कुर्क', थानेदारों को दिया आदेश

जम्मू, 6 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टरों और नशा तस्करों की संपत्ति कुर्क करने की तैयारी कर ली है। जम्मू, कठुआ और सांबा जिले में ऐसे करीब 70 अपराधियों के सक्रिय होने का संदेह है, जो बार-बार अपराध कर रहे हैं। सभी थानेदारों को अपने-अपने इलाके में सक्रिय इन अपराधियों की सूची तैयार कर सौंपने के लिए कहा गया है। सूचियां तैयार होते ही पुलिस इन पर कार्रवाई करेगी। थानेदारों को ये भी आदेश दिया गया है कि सूची तैयार करते वक्त सीआईडी का सहयोग लें। क्योंकि सीआईडी के पास भी इनका रिकॉर्ड है। दोनों का रिकॉर्ड मिलाया जाएगा तो प्रभावी और ठोस कार्रवाई की जा सकेगी। कार्रवाई के लिए एक मजबूत आधार होगा। सूत्रों का कहना है कि कुछ दिन पहले आईजी जम्मू भीमसेन टूटी ने जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों के एसएसपी, डीएसपी और कुछ चुनिंदा थानेदारों को बुलाया था। जम्मू, सांबा और कठुआ रेंज के डीआईजी शिवकुमार शर्मा भी इसमें विशेष रूप से मौजूद रहे। इसी दौरान गैंगस्टरों पर कार्रवाई करने की योजना बनाई गई है। गैंगस्टरों से पहली बार जुड़ने वालों को सुधरने का मौकासूत्रों का कहना है कि गैंगस्टरों से पहली बार जुड़ने वाले कुछ लोगों की पहचान की गई है। किसी एक वारदात के बाद गैंग से जुड़ने वाले इन युवाओं के परिवार को बुलाया जाएगा। साथ ही युवाओं को भी बुलाया जाएगा। पुलिस इनके परिवारों को बताएगी कि वह गैंगस्टरों के साथ जुड़ रहा है। जिस पर आपकी संपत्ति कुर्क कर ली जाएगी, यदि ये नहीं सुधरा। पुलिस युवाओं की काउंसलिंग भी करेगी कि गैंगस्टरों से जुड़ने में कोई भविष्य नहीं है। इसका परिणाम ये होगा कि संपत्ति कुर्क होगी और सख्त कार्रवाई भी। बताया जा रहा है कि तीन जिलों के इन 70 गैंगस्टरों और नशा तस्करों की पिछले पांच वर्ष में जुटाई गई संपत्ति की जांच भी शुरू कर दी गई है। संबंधित क्षेत्रों के थानेदारों को इस काम पर लगाया गया है। ये संपत्ति प्लाट, मकान, कारोबार के रूप में शामिल हैं। थानेदार पता लगाएंगे कि पांच वर्ष पहले इनके पास क्या था और अब क्या है। संपत्तियां कहां से जमा हुई हैं। इसमें किन-किन लोगों ने इनका सहयोग किया है। संपत्तियां कुर्क कर रहे, और भी होंगीपुलिस की तरफ से कुछ कुख्यात नशा तस्करों की संपत्तियां कुर्क की गई हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 7 मार्च, 2025 3

सुविचार

जो कार्य हाथ में लो, वह निश्चय से करो तो सफलता अवश्य होगी

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सचिव ने सुरंग बचाव कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसएलबीसी सुरंग में बचाव कार्य के 13वें दिन गुरुवार की शाम केंद्र से आये राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय के सचिव कर्नल कीर्ति प्रताप सिंह ने निगरानी की। कर्नल सिंह को राज्य आपदा प्रबंधन सचिव अरविंद कुमार ने सुरंग की मौजूदा स्थिति और चल रहे राहत प्रयासों के बारे में बताया। अरविंद कुमार ने उनकों बताया कि टनल के अंदर 13.650 किमी के क्षेत्र में टनल बोर मिशन पर पत्थर और मिट्टी गिरने से 150 मीटर लंबा टनल बोर मिशन पूरी तरह से नष्ट हो गया और 8 लोग इसमें फंस गए। उन्होंने कहा कि पानी के साथ-साथ कीचड़ और पत्थर भी आ रहे हैं।

वे वर्तमान में टीबीएम में थोड़ी-थोड़ी कटौती कर रहे हैं और श्रमिकों की तलाश कर रहे हैं। मजदूरों की पहचान के लिए केरल से कुत्ते लाए गए हैं। कन्वेयर बेल्ट भी काम करने लगा है। उन्होंने कहा कि अगर कन्वेयर बेल्ट के जरिए मिट्टी बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू हो जाए तो राहत प्रयासों में तेजी आएगी। बाद में, एनडीआरएफ सुरंग के अंदर की मौजूदा स्थितियों और चल रहे कार्यों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करेगी। शाम को केरल से आए श्वान दस्ते के साथ दल सुरंग में गया। कैडेवर कुत्तों को कहां से ले जाया जाए और किस क्षेत्र में दिखाया जाए, इसके लिए शुक्रवार की सुबह कैडेवर कुत्तों को उनके दस्ते के साथ भेजा जाएगा। इस मौके पर नागरकर्नूल जिला कलेक्टर बदावत संतोष, एसपी रघुनाथ, डोगरा रेजिमेंट कमांडेंट परीक्षित मेहरा, एनडीआरएफ कमांडेंट प्रसन्ना, जयप्रकाश एसोसिएट वाई.डी. पंकज गौड़ व अन्य उपस्थित रहे।

दान को लेकर ट्रांसजेंडरों ने रेस्तरां मैनेजर पर किया हमला

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रांसजेंडरों के एक समूह ने कथित तौर पर माधापुर स्थित एक लोकप्रिय रेस्तरां 'ताजा किचन' के प्रबंधक पर तब हमला कर दिया, जब उसने उन्हें पैसे देने से इनकार कर दिया। यह घटना मंगलवार को हुई जब तीन ट्रांसजेंडर होटल पहुंचे और होली के त्यौहार के मद्देनजर चंदा मांगा। बताया जाता है कि होटल मैनेजर राघवेंद्र ने उन्हें 500 रुपये देने की पेशकश की, जिसके लिए उन्होंने बहस करते हुए कम से कम 50,000 रुपये की मांग की। होटल मैनेजर ने कथित तौर पर पैसे देने से इनकार कर दिया और ट्रांसजेंडर्स आक्रामक हो गए और होटल स्टाफ और ट्रांसजेंडर्स के बीच हाथापाई हुई, जिसमें राघवेंद्र के चेहरे पर चोटें आईं। होटल स्टाफ ने माधापुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मंत्रियों ने राज्य अतिथि गृह का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन, सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बेगमपेट में प्रजा भवन परिसर में राज्य अतिथि गृह का उद्घाटन किया। मुख्य सचिव शांति कुमारी, तेलंगाना सरकार के सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल, आर एंड बी के विशेष मुख्य सचिव विकास राज, जीएडी सचिव रघुनंदन राव, प्रोटोकॉल निदेशक वेंकट राव, आर एंड बी सीई राजेश्वर रेड्डी और अन्य ने राज्य अतिथि गृह भवन के उद्घाटन में भाग लिया। मंत्रियों ने राज्य अतिथि गृह भवन का निरीक्षण किया। मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान सीएम के कैंप कार्यालय के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली इमारत का आधुनिकीकरण किया गया और इसे राज्य अतिथि गृह में बदल दिया गया। राज्य अतिथि गृह में सभी सुविधाओं के साथ आवास का नवीनीकरण किया गया है। इस राज्य अतिथि गृह का उपयोग केंद्र सरकार के अधिकारियों, अन्य राज्यों के अतिथियों तथा विदेश से आए अतिथियों की मेजबानी के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य अतिथि गृह को सभी सुविधाओं के साथ एक पांच सितारा होटल जैसा डिजाइन किया गया है। हम अन्य राज्यों से आने वाले मेहमानों के लिए होटलों में कमरे आवंटित करके सार्वजनिक धन बर्बाद किए बिना राज्य अतिथि गृह का उपयोग करेंगे। हम राज्य अतिथि को बिना किसी खर्च के सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे। हमारे लिए विलासिता से ज़्यादा ज़रूरी है कि हम अपनी ज़रूरतें पूरी करें, हमें जनता के पैसे का एक भी रुपया बर्बाद नहीं करना चाहिए।

तेलंगाना में 8 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में 8 मार्च को उच्च न्यायालय से लेकर तालुक स्तर तक सभी प्रकार के सिविल और समझौता योग्य आपराधिक मामलों (दोनों मुकदमे-पूर्व और लंबित मुकदमे) के निपटारे के लिए एक राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। लोक अदालत बिना किसी व्यय या फीस के सेवाएं प्रदान कर रही है और यदि लंबित मामलों में कोई न्यायालय शुल्क अदा किया गया है तो उसे वापस कर दिया जाएगा, यदि मामला लोक अदालत के माध्यम से निपटाया जाता है और लोक अदालत में पारित निर्णय के खिलाफ कोई अपील नहीं होती है।

व्यापक चालान प्रबंधन प्रणाली (सीसीएमएस) पर प्रशिक्षण

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के मुख्यालय में गुरुवार को व्यापक चालान प्रबंधन प्रणाली (सीसीएमएस) पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एएमएचओ, डिप्टी ईई (एसडब्ल्यूएम) और एसीपी को सीसीएमएस ऐप के माध्यम से जुर्माना लगाने की प्रक्रिया पर प्रशिक्षित किया गया। अतिरिक्त आयुक्त (आईटी), (स्वच्छता), संयुक्त आयुक्त (आईटी) और टीजी ऑनलाइन के प्रतिनिधियों ने अधिकारियों को बताया कि सीसीएमएस ऐप कैसे काम करता है। टीजी ऑनलाइन इस ऐप को क्रियान्वित करने वाली एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है। सीसीएमएस ऐप की कई विशेषताएं है। यह ऐप मुख्य रूप से चौराहों पर कूड़ा फेंकने, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जुड़वां कूड़ेदानों की कमी और निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सीएंडडी अपशिष्ट) की अनधिकृत डंपिंग जैसे उल्लंघनों के लिए जुर्माना लगाता है। नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के चालान काटे जाएंगे। सभी प्रकार के जुर्माने का भुगतान ऑनलाइन किया जाना चाहिए।

सड़क किनारे महिला की मिली लाश से मचा हड़कंप, हाथों पर पट्टी, शरीर पर नाइटी, पैरों में ठोंकी गई थीं कीलें

नालंदा, 6 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा जिले से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। जिले चंडी थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव में एक महिला की बेरहमी से हत्या कर शव को सड़क किनारे खेत में फेंक दिया गया, जिससे पूरे गांव में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने शव को देख पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। मृतका के शव की स्थिति बेहद भयावह थी। वह नाइटी पहने हुए पाई गई, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि हत्या से पहले उसके साथ अमानवीय अत्याचार किया गया हो। सबसे भयावह यहा है कि महिला के दोनों पैरों में कई कीलें ठोंकी गई थीं, जिससे हत्यारे की बर्बरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए लालू का तगड़ा फॉर्मूला तैयार

बिहार के बड़े वोट बैंक को साधने की कर ली तैयारी

पटना, 6 मार्च (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी तेज हो गयी है। राजद ने भी जोर लगा दिया है। लालू यादव ने ऐलान कर दिया है कि उनके बेटे तेजस्वी यादव ही इसबार मुख्यमंत्री बनेंगे। खुद तेजस्वी ने भी यह दावा किया है कि आरजेडी की सरकार इसबार बनेगी और वो सीएम बनेंगे। उन्होंने जनता से अपील भी की है। वहीं राजद ने महिला और युवा वोटरों को साधने का फॉर्मूला भी तैयार किया है।

महिलाओं के लिए 'माई-बहिन मान योजना'

बिहार चुनाव में महिला वोटरों की बड़ी भूमिका रहती है। महिला वोटर यह तय करने में निर्णायक साबित होती हैं कि प्रदेश में सरकार किस गठबंधन की बनेगी। इसका प्रमाण पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव परिणाम का आंकड़ा है। महिलाओं का वोट प्रतिशत पुरुष वोट से अधिक रहा था। राजद ने महिला वोटरों को साधने के लिए अब खुला ऐलान किया है कि अगर उनकी सरकार बनती है तो महिलाओं को 'माई-बहिन मान योजना' के अंतर्गत 2500 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। राजद इसका प्रचार जोर-शोर से कर रही है।

युवाओं को वादा- 100 प्रतिशत डोमिसाइल लागू करेंगे

युवा वोटरों को साधने की भी पूरी तैयारी राजद के अंदर चल रही है। तेजस्वी यादव ने रोजगार को शुरू से मुद्दा बनाया है। वो दावा करते रहे हैं कि बिहार में महागठबंधन सरकार में निकली बंपर बहाली और बांटे गए रोजगार उनके ही प्रयासों के देन हैं। हाल में बीपीएससी रीएग्जाम को भी उन्होंने मुद्दा बनाया है। तेजस्वी यादव ने डोमिसाइल नीति को भी उठाया है। उन्होंने कहा है कि सरकार में आते ही वो 100% डोमिसाइल लागू कर देंगे। बुधवार को पटना में युवा चौपाल कार्यक्रम हुआ। जिसमें अन्य जिलों से भी आए युवाओं का जुटान हुआ। इस रैली में भी तेजस्वी यादव ने 100 प्रतिशत डोमिसाइल लागू करने की बात दोहराई।

महिलाओं के लिए क्यों चुना ये वादा?

दरअसल, 'माई-बहिन मान योजना' का कांसेप्ट झारखंड चुनाव में हेमंत सोरेन की 'मैया सम्मान योजना' के असर से प्रभावित दिखता है। झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने भी महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह देने का ऐलान किया था जिसका असर भी दिखा है। झारखंड चुनाव परिणाम आने के बाद ही राजद ने बिहार में 'माई-बहिन मान योजना' का जिक्र शुरू किया।

युवाओं के लिए क्यों ये वादा लगा कारगर?

बिहार में 100 प्रतिशत डोमिसाइल की मांग ने तब जोर पकड़ा जब बिहार में बीपीएससी के जरिए शिक्षकों की बंपर वैकेंसी निकली। लेकिन इस परीक्षा में बड़ी संख्या में बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों ने भी अप्लाई किए। इसका विरोध भी दिखा। वहीं बीपीएससी ने सिविल सेवा के लिए भी जब रिकॉर्ड वैकेंसी निकाली तो बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों की होड़ दिखी। जिसके बाद इस मांग ने तेजी पकड़ी। तेजस्वी यादव समेत राजद कुनबा युवाओं को 100% डोमिसाइल का वादा करके अपने पक्ष में लाना चाहेगी।

'देशद्रोही पाकिस्तान जाओ'

बिहार में जदयू नेता पर भाजपा हमलावर औरंगजेब की तारीफ पर महासंग्राम

पटना, 6 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में औरंगजेब को लेकर राजनीति गरमायी हुई है। महाराष्ट्र में सपा विधायक अबू आजमी के बयान का समर्थन करते हुए बिहार में जदयू के एमएलसी खालिद अनवर ने औरंगजेब को अच्छा शासक बताया तो भाजपा हमलावर हुई। बिहार बीजेपी के फायर ब्रांड विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने मानसिकता पर सवाल उठाते हुए जदयू विधायक पर निशाना साधा। औरंगजेब को बर्बर करार देते हुए जदयू एमएलसी को देशद्रोही करार दिया।

भाजपा विधायक बचौल का अटैक

जदयू एमएलसी खालिद अनवर ने औरंगजेब को अच्छा शासक बताया तो भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा- ' बात किसी पार्टी की नहीं, बल्कि मानसिकता की है। ये गजवा हिंद मानसिकता वाले हैं और पूरे देश को इस्लामिक स्टेट बनाना चाहते हैं। सबलोग जानते हैं कि औरंगजेब क्रूर शासक था। उसने अपने पिता को बंधक बनाया और अपने भाइयों का सिर काटकर सत्ता और सल्तनत के लिए दिल्ली की सड़कों पर घूमा था। सैकड़ों महिलाओं का उसने बलात्कार किया था।'

'किसी की औकात नहीं है, जो हमें हटा दे', डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का बयान

पटना, 6 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने राज्य के पथ निर्माण विभाग से हटने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि किसी की औकात नहीं है, जो उनको हटा दे। बता दें कि कुछ ही दिनों पहले डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा का विभाग बदला गया है। डिप्टी सीएम से पथ निर्माण विभाग को वापस लेकर नितिन नवीन को दिया गया है। इसकी जगह विजय सिन्हा को कृषि विभाग का प्रभार मिला है। डिप्टी सीएम के पास खनन विभाग की भी जिम्मेदारी है। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा से जब पूछा गया कि आप इस कंपनी के ऊपर कार्रवाई कर रहे थे, इसलिए पथ निर्माण विभाग छीन लिया गया। इस पर डिप्टी सीएम ने कहा- किसी की औकात नहीं है, जो हमें हटा दे। उनके दिए गए आदेश को कोई बदल नहीं सकता है। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने पथ निर्माण विभाग को छोड़ने से ठीक पहले बड़ी कंपनी एस पी सिंगला के खिलाफ कार्रवाई की है। बिहार में कई बड़े प्रोजेक्ट्स इसी कंपनी को लम्बे समय से मिलते रहे हैं। इसी कंपनी द्वारा बनाया जा रहा पुल अगवानी मे गिर गया था। विजय सिन्हा ने पथ निर्माण विभाग से हटाए जाने के पहले अगवानी घाट पुल गिरने के मामले में संबंधित दो इंजीनियरों के खिलाफ भी कार्रवाई के आदेश दे दिए हैं।

संभल हिंसा में जिन ईंटों से किया था पथराव उन्हीं से बनाई जा रही पुलिस चौकी

संभल, 6 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में दो पुलिस चौकियों का निर्माण किया जा रहा है। इन्हें बनाने के लिए उन ईंटों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिनका इस्तेमाल उपद्रवियों ने पथराव के दौरान किया था। इन ईंटों को पुलिस प्रशासन द्वारा नगर पालिका से जब्त किया गया है, जिसके बाद इन्हें पुलिस चौकी के निर्माण में इस्तेमाल किया जाएगा। यह दोनों चौकियां संभल के दीपा सराय और हिंदूपुरा खेड़ा में बनाई जा रही हैं। बीते वर्ष 24 नवंबर को संभल जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान बवाल हो गया था। मस्जिद दोबारा सर्वे पर मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गए थे। उन्होंने पुलिस पर पथराव, फायरिंग और आगजनी कर डाली। फायरिंग की घटना में चार लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने बल पूर्वक उपद्रवियों को खदेड़ने के बाद ईंटों और रोड़ों को जब्त करा लिया था। उन ईंटों का इस्तेमाल पुलिस चौकी के निर्माण में किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, संभल जिले के हिंसा प्रभावित एवं संवेदनशील इलाकों में 38 पुलिस चौकियां और आउटपोस्ट बनाए जाएंगे। बीते 24 नवंबर को संभल के दीपासराय और हिंदूपुर खेड़ा इलाके में सर्वाधिक हिंसा हुई थी। उपद्रवियों ने यहां जमकर पथराव, फायरिंग और आगजनी की थी। इसमें चार लोगों की हिंसा में मौत हुई थी। जबकि, एक मजिस्ट्रेट और 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

हिंसा के बाद नगरपालिका की सफाई में पुलिस पर फेंके गए 6 ट्रॉली ईंट-पत्थर मिले थे, जिन्हें नगर पालिका ने उठवा कर रख लिया था। हिंसा प्रभावित और हिंसा की आशंका वाले इलाकों में पुलिस प्रशासन पुलिस चौकियां और आउटपोस्ट बना रही है, जिसमें एक सत्यवृत पुलिस चौकी का निर्माण जल्द पूरा होने वाला है। वहीं, हिंदूपुरखेड़ा और दीपासराय में पुलिस दो और पुलिस चौकियां बनवा रही है, जहां काम शुरु हो गया है।

इन इलाकों में पुलिस पर चलाए गए ईंट पत्थरों को ही पुलिस चौकियों में लगवाया जा रहा है। नगर पालिका इन ईंट-पत्थरों को ट्राली से भर कर दीपासराय और हिंदूपुरखेड़ा में भेजे हैं।

माफिया अतीक के करीबियों की 25 बीघा अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर, फिर होगी कार्रवाई

प्रयागराज, 6 मार्च (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद के करीबियों को न तो पुलिस का डर है और न ही प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से हो रही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई का भय है। पीडीए की ओर से माफिया के करीबियों पर लगातार कार्रवाई किए जाने के बाद भी इनके हौसले बुलंद हैं। शहर में कई स्थानों पर माफिया के गुर्गे अवैध प्लॉटिंग कर लोगों को गुमराह करके मुनाफा कमा रहे हैं। रसूलपुर मरियाडीह में 25 बीघा से अधिक में की गई अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर से ढहाया गया। पीडीए के जोनल अधिकारी के निर्देश पर अवर अभियंता हाशमी की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। रसूलपुर मरियाडीह में माफिया अतीक अहमद के करीबियों में से एक जैद खालिद व अन्य की ओर से पीडीए से मानचित्र पास कराए बिना ही प्लॉटिंग की गई थी। इसमें कई भूखंडों की बिक्री भी की जा चुकी है। दो बुलडोजर लगाकर तीन घंटे से अधिक समय में भूखंडों की बाउंड्री को जमींदोज किया गया। ध्वस्तीकरण के दौरान पुलिस बल मौजूद होने के चलते किसी तरह का कोई बवाल नहीं हुआ। पीडीए उपाध्यक्ष डॉ। अमित पाल शर्मा ने बताया कि अवैध प्लॉटिंग करने वालों के खिलाफ आने वाले दिनों में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई और तेज की जाएगी।

फूल तोड़ने की खौफनाक सजा: बरेली में आठ साल के बच्चे को बांधकर पीटा

बरेली, 6 मार्च (एजेंसियां)। बरेली के कैंट थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नर्सरी मालिक ने आठ साल के मासूम बच्चे को लकड़ी की बल्ली से बांधकर चप्पलों से पीटा। बच्चे का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने नर्सरी के पौधों से कुछ फूल तोड़ लिए थे। बच्चे की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने आरोपी नर्सरी मालिक को गिरफ्तार कर लिया। उसका चालान किया गया है। कैंट थाना क्षेत्र के कांधरपुर निवासी पिंटू शर्मा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका आठ साल का बेटा मंगलवार सुबह 11 बजे लापता हो गया था। वह उसकी तलाश कर रहे थे। शाम को उन्हें पता लगा कि उनके बेटे को उमरसिया गांव में पुष्पांजलि नर्सरी के मालिक रोहित टंडन व उसके बेटे ने बंधक बना रखा है। जब वह पहुंचे तो देखा कि उनका बेटा लकड़ी की बल्ली से रस्सी के सहारे बंधा है।

हत्यारे को कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

सरधना के भामौरी गांव में ट्रैक्टर खड़ा करने के विवाद में हुई थी हत्या

मेरठ, 6 मार्च (एजेंसियां)। सरधना के भामौरी गांव में डेढ़ साल पहले हुए हत्याकांड में कोर्ट ने दोषी को उम्र कैद की सजा सुनाई है। ट्रैक्टर खड़ा करने के मामूली विवाद में हुई थी हत्या। सरधना के भामौरी गांव में रास्ते में ट्रैक्टर खड़ा करने के विरोध पर दो भाइयों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अपर जिला जज प्रह्लाद सिंह ने बुधवार को मामले में सुनवाई करते हुए एक हत्यारे को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दूसरे आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। सरकारी वकील संजीव गुप्ता के अनुसार वादी अनिल कुमार ने 13 सितंबर 2023 को सरधना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया था कि उनका बेटे का रास्ते में घर के बाहर ट्रैक्टर खड़ा करने को लेकर राहुल पुत्र विनोद से विवाद हुआ था। इसी विवाद में राहुल और उसके भाई मनोज ने मोहित की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अपर जिला जज ने साक्ष्यों को देखते हुए हत्यारे राहुल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं, मनोज को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

बब्बर खालसा का खूंखार आतंकी कौशांबी से गिरफ्तार

कौशांबी, 6 मार्च (एजेंसियां)। बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) और आईएसआई मॉड्यूल के सक्रिय आतंकवादी, पंजाब के अमृतसर निवासी लाजर मसीह को गुरुवार की सुबह यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस के ज्वॉइंट ऑपरेशन में गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आतंकवादी बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के जर्मन-आधारित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के लिए काम करता है और पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों के साथ सीधे संपर्क में है। यूपी एसटीएफ के मुताबकि, आतंकी के पास से 3 सक्रिय हैंड ग्रेनेड, 2 सक्रिय डेटोनेटर, 13 कारतूस और 1 विदेशी पस्टिल सहित अवैध हथियार और विस्फोटक बरामद हुए हैं। आतंकी के पास से गाजियाबाद के पते वाला आधार कार्ड, बिना सिम कार्ड वाला एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। यह आतंकवादी पिछले साल 24 सतिंबर को पंजाब में न्यायिक हिरासत से फरार हो गया था। एसटीएफ के अनुसार, लाजर बीकेआई के जर्मन-आधारित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के लिए काम करता था। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के सीधे संपर्क में था। पकड़े गए आतंकी की पहचान लाजर मसीह के रूप में हुई है। यह पंजाब के अमृतसर जिले के माकोवाल क्षेत्र के थाना रामदास स्थित कुर्लीयान गांव का रहने वाला है।

याचिका दाखिला करने में फर्जीवाड़ा वकील से स्पष्टीकरण मांगा गया

रिसीव लिखकर याचिका दाखिल की, बाद में रिसीविंग फर्जी निकली

प्रयागराज, 6 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने याचिका दाखिल करने में फर्जीवाड़े के लिए याची के अधिवक्ता से दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। कोर्ट ने उनसे पूछा है कि यह कैसे हुआ। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम ने जालौन की समुद्री देवी की याचिका पर दिया है। गांव सभा के अधिवक्ता दीपक गौर ने आरोप लगाया कि याचिका की कॉपी उन्हें नहीं दी गई और रिसीव दिखाकर (लिखकर) याचिका दाखिल कर दी गई। उनकी ओर से रिसीव फर्जी दर्ज किया गया है। जब याचिका सुनवाई के लिए पेश हुई तो याची के अधिवक्ता संतोष कुमार कोर्ट में नहीं थे। विपक्षी गांव सभा के अधिवक्ता दीपक गौर ने आपत्ति की कि याचिका की कॉपी उन्हें नहीं दी गई है लेकिन याचिका पर उन्हें प्राप्त हो गई है, की प्रविष्टि दर्ज है, जो पूर्णतया फर्जी है। विपक्षी के अधिवक्ता को याचिका की कॉपी देने के लिए संपर्क ही नहीं किया गया। इस पर कोर्ट ने याची के अधिवक्ता से स्पष्टीकरण मांगा है। कोर्ट ने निबंधक अनुपालन को 48 घंटे में याची के अधिवक्ता संतोष कुमार को आदेश की जानकारी देने का निर्देश दिया है।

'ॐ' का टैटू तेजाब से जलाया, जबरन खिलाया मांस 4 मुस्लिम लड़कों ने बर्बरता की हद पार

मुरादाबाद, 6 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में दूसरे समुदाय के चार युवकों ने 14 साल की लड़की का अपहरण किया। फिर दो महीने तक उसके साथ गैंगरेप करते रहे। यही नहीं, लड़की के हाथ पर गुदे 'ॐ' के टैटू को तेजाब से जला दिया। जब लड़की खाने को कुछ मांगती को उसे जबरन मांस खिलाते। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी की तलाश अभी जारी है। मामला भगतपुर थाना क्षेत्र का है। पीड़िता की चाची ने एफआईआर में बताया- मेरी जेठानी की 14 साल की बेटी 2 जनवरी, 2025 को कपड़े सिलवाने टेलर के पास बाजार जा रही थी।

लखनऊ यूनिवर्सिटी के हॉस्टल के खाने में मिला कीड़ा

लखनऊ, 6 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ में आलू की सब्जी में कीड़ा मिलने पर स्टूडेंट भड़क गए। हॉस्टल के बाहर देर रात जमकर हंगामा किया। इस दौरान छात्र और मेस के कर्मचारी भिड़ गए। छात्रों ने खाने की थाली फेंक दी। हंगामा बढ़ता देख प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम पहुंची और मामले को शांत कराया। घटना लखनऊ विश्वविद्यालय के लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास की है। स्टूडेंट्स का आरोप है कि मेस में वेज के नाम पर नॉन वेज परोसा जाता है। खाने में क्वालिटी से कंप्रोमाइज किया जाता है। स्टूडेंट्स की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अब यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। घटना के बाद आक्रोशित स्टूडेंट्स हॉस्टल गेट के बाहर नारेबाजी करने लगे। देर तक चले इस हंगामे में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद रहे। गुस्साए स्टूडेंट्स को हॉस्टल प्रशासन मनाने की कोशिश करता रहा पर स्टूडेंट्स नहीं माने। इस बीच स्टूडेंट्स ने सोशल मीडिया पर वीडियो-फुटेज वायरल कर दिया। 'एक्स' पर लिखा- क्या यही एनएएसी ए++ यूनिवर्सिटी है? इसमें विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े हैंडल को भी टैग किया। छात्रों का आरोप है कि कई दिनों से वार्डन से खराब खाना परोसे जाने की शिकायत कर रहे, लेकिन वार्डन शिकायत नहीं सुन रहे। मेस में इस साल का पूरा पैसा जमा है। यही कारण है कि गुणवत्ता के साथ कंप्रोमाइज किया जा रहा है।

आईपीएस अंशिका वर्मा को मिला वुमेन ऑइकन अवार्ड

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने किया सम्मानित

बरेली, 6 मार्च (एजेंसियां)। महिला दिवस से पहले आईपीएस एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने नई दिल्ली में पांचवें वार्षिक ब्रिक्स सीसीआइवीई महिला शिखर सम्मेलन में प्रतिभाग किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अंशिका वर्मा के काम पर आधारित पुस्तक का विमोचन करने के साथ ही उनको सम्मानित भी किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में कई देशों से आईं महिला प्रतिनिधियों के बीच आईपीएस अंशिका वर्मा ने पुलिस के काम की चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने गोरखपुर व बरेली में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी और कहा कि महिलाएं किसी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। वह ठान लें तो हर चुनौती का सामना कर सकती हैं। बरेली लौटीं अंशिका वर्मा ने अमर उजाला से बातचीत के दौरान बताया कि ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित शिखर सम्मेलन में महिला दिवस मनाया गया। इसमें आईपीएस अंशिका वर्मा को वुमेन ऑइकन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

कौन हैं आईपीएस अंशिका वर्मा

अंशिका वर्मा 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। वह मूल रूप से प्रयागराज की निवासी हैं। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद बिना कोचिंग के सेल्फ स्टडी से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की और सफलता पाई। इस समय वह बरेली में एसपी दक्षिणी के तौर पर कार्यरत हैं। महिला उत्पीड़न, साइबर क्राइम जैसे मामलों में वह तत्परता से काम करने के लिए जानी जाती हैं।

'एक हफ्ते में बड़ी घोषणा करने वाली हूं'

अयोध्या पहुंचीं हर्षा रिछारिया, रामलला का किया दर्शन-पूजन

प्रयागराज, 6 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में निरंजनी अखाड़ा के रथ से अमृत स्नान करने वाली अभिनेत्री हर्षा रिछारिया आज राम लला का दर्शन पूजन करने अयोध्या धाम पहुंची थीं। हर्षा रिछारिया ने बताया कि वो अपने आपको बहुत उत्साहित और ऊर्जावान फील कर रही हैं। हर्षा ने कहा कि आज के युवाओं को सनातन धर्म की ओर मोड़ने का उनके जीवन का उद्देश्य है देश के युवाओं को आज सनातन धर्म की ओर आकर्षित करने की जरूरत है। हर्षा रिछारिया ने कहा," अभी मेरा देश के धार्मिक स्थानों और मठ मंदिरों के दर्शन पूजन का भ्रमण चल रहा है।

मैंने आज राम लला का दर्शन किया है और उनसे आज्ञा ली है कि मैं अगले तीन दिनों में अपने जीवन के महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर एक घोषणा करने वाली हूं

और तब ये स्थिति स्पष्ट और साफ हो जाएगी कि मैं आगे क्या करने वाली हूं।"

महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि की हैं शिष्या

निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि की शिष्या हर्षा रिछारिया ने कहा कि अयोध्या आकर और दर्शन करके लगा बहुत अच्छा। सभी मंदिरों पर मेरा भ्रमण चल रहा है और मैं अगले एक हफ्ते करने वाली हूं। आगामी दिनों में आप मुझे धर्म के नाम पर बढ़ते हुए देखेंगे। साथ ही आप मुझे युवाओं को धर्म से जोड़ते हुए देखेंगे,अभी हम बट रहे हैं। अलग-अलग जातियों में,उन सब को एक करने के लिए हम बड़ी घोषणा करने वाले हैं।

लोगों पर पड़ रहा है प्रभाव

हर्षा ने कहा कि रील और मोबाइल का समाज पर अच्छा और बुरा दोनों प्रभाव पड़ रहा है। वहीं कुछ युवा ऐसे भी हैं जो रील और सोशल मीडिया के माध्यम से नेगेटिव प्रचार प्रसार कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें हम पॉजिटिव करने की अपनी तरफ से पूरी कोशिश करेंगे। वक्त के साथ बहुत जल्दी परिवर्तन आने वाला है।

हाजीपुर में दिनदहाड़े घर में घुसकर डकैती, महिला पर ताबड़तोड़ फायरिंग; युवक पर भी हमला

हाजीपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। हाजीपुर में सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत जीतन चौक के निकट बीते दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने घर में घुसकर जमकर लूटपाट मचाई जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। विरोध करने पर एक महिला को गोली एवं एक युवक को पिस्टल के बल की बट से मारकर घायल कर दिया। लूट-पाट की घटना को अंजाम देने के बाद बाइक सवार बदमाश सभी को घर में बंद करके फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर आसपास के लोग जुट गए। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना की पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही सदर एसडीपीओ ओमप्रकाश एवं नगर थाना की पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर घायल से जानकारी लेने के बाद आवश्यक कार्रवाई में जुटे हैं। गोली लगने से महिला बुरी तरह घायल गोली लगने से महुआ थाना के गोविंदपुर सिंघाड़ा निवासी टेनी राय की पत्नी सुलेखा देवी घायल हो गई।

एसडीपीआई के खिलाफ धन शोधन मामले में ईडी की छापेमारी

राष्ट्रीय अध्यक्ष की गिरफ्तारी के बाद कार्रवाई

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतिबंधित 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) के राजनीतिक संगठन 'सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया' (एसडीपीआई) पर शिकंजा कस लिया है। ईडी ने न शोधन जांच के तहत गुरुवार को एसडीपीआई के करीब 12 स्थानों पर छापे मारे। संघीय जांच एजेंसी की ओर से एसडीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी को गिरफ्तार किए जाने के बाद यह छापेमारी की गई।

कहां-कहां छापेमारी

सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में एसडीपीआई मुख्यालय सहित दो स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। केरल में एसडीपीआई मुख्यालय, तिरुवनंतपुरम, मलप्पुरम, आंध्र प्रदेश में नांदयाल, झारखंड में पाकुड़, महाराष्ट्र में ठाणे, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ और जयपुर में भी छापेमारी जारी है।

पीएफआई और एसडीपीआई संगठनों के बीच एक संगठित संबंध

ईडी ने दावा किया था कि दोनों संगठनों के बीच एक संगठित संबंध है। पीएफआई राजनीतिक दल (एसडीपीआई) के माध्यम से अपनी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। पीएफआई के आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण उसे एक गैरकानूनी संगठन बताते हुए केंद्र सरकार ने सितंबर, 2022 में उसे प्रतिबंधित कर दिया था। एसडीपीआई की स्थापना 2009 में हुई थी। इसका मुख्यालय दिल्ली में है। इस पर पीएफआई का राजनीतिक मोर्चा होने का आरोप है। यह भारत निर्वाचन आयोग में एक राजनीतिक दल के रूप में भी पंजीकृत है।

दिल्ली में 'बैंड बाजा बारात' गैंग का पर्दाफाश

शादी में शामिल होकर करते थे चोरी

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शादी समारोहों में चोरी करने वाले 'बैंड बाजा बारात' गैंग का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने इस गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को भी पकड़ा है। पुलिस ने इनके पास से चोरी के पैसे मोबाइल फोन और चांदी के गहने बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक ये गैंग खासतौर पर दिल्ली और उत्तर भारत के बड़े वेडिंग वेन्यू को निशाना बनाता था। डीसीपी क्राइम ब्रांच अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि ये गैंग मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले से आता है और शादी के सीजन में दिल्ली-एनसीआर समेत अन्य बड़े शहरों में सक्रिय हो जाता है। गैंग का सरगना गरीब परिवारों को 10 से 12 लाख रुपये का लालच देकर उनके बच्चों को अपने साथ ले जाता था। उन्होंने बताया कि बच्चों को चोरी करने की ट्रेनिंग दी जाती थी और फिर वो शादी समारोहों में शामिल होकर मेहमानों की तरह बर्ताव करते थे। गैंग के सदस्य शादी में अच्छे कपड़े पहनकर आते, वहां खाना खाते और पूरी तरह मेहमानों की तरह घुल-मिल जाते थे। फिर जब मौका मिलता तो मेहमानों के बैग, गहने और नगदी पर हाथ साफ कर फरार हो जाते थे। दरअसल दिल्ली-एनसीआर में लगातार हो रही ऐसी चोरी की वारदातों को देखते हुए क्राइम ब्रांच की टीम ने जांच शुरू की। अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि टीम ने कई वेडिंग वेन्यू के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिरों को सक्रिय किया। जांच के दौरान शक के आधार पर तीन आरोपियों और एक नाबालिग की पहचान हुई। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी शास्त्री पार्क मेट्रो डिपो के पास बस स्टॉप पर अपने गांव वापस जाने के लिए खड़े है। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच की टीम ने वहां छापा मारा और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जम्मू-कश्मीर पर विदेश मंत्री के बयान का तरुण चुघ ने किया समर्थन, 'औरंगजेब' को बताया खलनायक

जम्मू, 6 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ जम्मू-कश्मीर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में अब स्थायी शांति है। जम्मू-कश्मीर धारा 370 हटने के बाद से टेररिज्म कैपिटल से टूरिज्म कैपिटल बन गया है। ऐसे में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जो भी कहा है वो बिलकुल सही है। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर की वादियों और उसकी खूबसूरती अब नया इतिहास लिख रही है। वहां के एससी और एसटी भाइयों को आरक्षण मिल रहा है। वहां पर पत्थरबाजी लगभग पूरी तरह खत्म हो चुका है। हमारी सरकार ने आतंकवाद को खत्म किया है। जम्मू कश्मीर की भूमि हमारी मातृभूमि है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दोनों सदनों ने इस संकल्प को दोहराया है। जम्मू-कश्मीर बीजेपी के प्रभारी तरुण चुघ ने आगे कहा, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार तो लगातार जम्मू कश्मीर की एकता और अखंडता के साथ खिलवाड़ करता रहा है। राजा हरि सिंह को हम लोग ग्रेट रिफॉर्मर के तौर पर देखते हैं। उन्हें सभी राष्ट्रभक्त के तौर पर देखते हैं। उनका सम्मान करना ये सिर्फ इन्हीं से संभव है।

गुरु तेग बहादुर और शिवाजी महाराज हमारे महानायक

तरुण चुघ ने कहा कि गुरु तेग बहादुर हों या फिर शिवाजी महाराजतरुण चुघ ने कुछ दिनों से मुगल शासक औरंगजेब को लेकर जारी विवाद पर कहा कि वह खलनायक था।

इस बात को भारत का जन जन जानता है। उसके खिलरफ लड़ने वाले गुरु तेग बहादुर हों या फिर शिवाजी महाराज। ये सब हमारे महानायक हैं जो एक क्रूर शासक के खिलाफ खड़े हुए थे। यही सत्य है।

पाकिस्तान आतंक का केंद्र-

बीजेपी नेता तरुण चुघ के मुताबिक, पूरा विश्व जानता है कि पाकिस्तान आतंक का केंद्र है। कहीं भी कुछ भी आतंकी घटनाएं क्यों न हों, उसके तार पाकिस्तान से जरूर जुड़ते हैं। उनके अनुसार इस बात को अब अमेरिका भी समझ गया है, इसलिए जल्द ही उस पर भी प्रतिबंध लगाएगा। पाकिस्तानियों को अमेरिका में घुसने की इजाजत न दी जाए

जीएसटी कार्यालय में मंत्रियों का छापा

कर्मचारियों में मचा हड़कंप, ड्यूटी से गायब मिले आठ कर्मी, कार्रवाई के आदेश

पठानकोट, 6 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के वित्त मंत्री पंजाब हरपाल सिंह चीमा दो दिन से पठानकोट में हैं। वीरवार को हरपाल सिंह चीमा और पठानकोट के हलका भोआ के विधायक व कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने वीरवार सुबह 9:26 बजे जीएसटी कार्यालय पठानकोट का औचक निरीक्षण किया। चेकिंग दौरान आठ कर्मचारी गैर हाजिर पाए गए। इनमें एक कर्मचारी ने अपनी छुट्टी रखी हुई थी। वहीं, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि ड्यूटी से गैर हाजिर रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ड्यूटी समय लापरवाही बरतने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। उक्त कार्यालय में कुल 16 कर्मचारी ड्यूटी पर मिले हैं। चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार द्वारा मुहैया करवाई जाने वाली सभी सेवाओं का लोगों को बिना किसी देरी व परेशानी और किसी भी तरह के लेन देन से मुक्त लाभ मिलना चाहिए। चेकिंग के दौरान जो भी कमी देखने को मिली है, उस संबंधी अधिकारियों को जरूरी निर्देश भी दिए गए हैं। वहीं, कैबिनेट मंत्री लाल चंद ने कहा कि भविष्य में ऐसी चेकिंग चलती रहेंगी ताकि आम लोगों को सरकार की बढ़िया सुविधाएं उपलब्ध हो सके। दूसरा उन्होंने कर्मचारियों को हिदायत की कि वे अपनी ड्यूटी पर समय पर आएं और लोगों के काम को प्राथमिकता के आधार पर करने को यकीनी बनाया जाए।

बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए खुशखबरी, यात्रा की तारीखों का एलान

जम्मू, 6 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर में 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय वार्षिक तीर्थ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की 48वीं बोर्ड बैठक में इसका निर्णय लिया गया। प्रवक्ता ने बताया, इस साल यात्रा तीन जुलाई को दोनों मार्गों-अनंतनाग जिले में पहलगाम ट्रैक और गंदेरबल जिले में बालटाल से एक साथ शुरू होगी और रक्षाबंधन के दिन नौ अगस्त को इसका समापन होगा। उन्होंने बताया कि बैठक में तीर्थ बोर्ड के सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं और सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न उपायों और हस्तक्षेपों का प्रस्ताव रखा। प्रवक्ता ने बताया कि अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बैठक में जम्मू, श्रीनगर और अन्य स्थानों पर केंद्रों पर ठहरने की क्षमता बढ़ाने, ई-केवाईसी के लिए यात्री सुविधा केंद्रों का संचालन, आरएफआईडी कार्ड जारी करने, नौगाम और कटरा रेलवे स्टेशनों सहित कई स्थानों पर तीर्थयात्रियों का मौके पर पंजीकरण करने के उपायों पर चर्चा की गई।

सुविधाओं को बढ़ाने पर हुई चर्चा

उन्होंने कहा कि इस बात पर भी चर्चा की गई कि आवश्यकता के अनुसार बालटाल, पहलगाम, नुनवान और पंथा चौक श्रीनगर में भी इन सुविधाओं को उपयुक्त रूप से बढ़ाया जाना चाहिए। संबंधित विभागों द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपराज्यपाल ने यात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पर्याप्त व्यवस्था और अपेक्षित सुविधाएं सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मार्गों को किया जाएगा चौड़ा

प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने श्रीनगर के पंथा चौक स्थित यात्री निवास में क्षमता बढ़ाने का भी आह्वान किया। बैठक में चल रही परियोजनाओं, यात्रा से संबंधित सूचनाओं के प्रसार, यात्रियों, सेवा प्रदाताओं, टट्टुओं को बीमा कवर, श्राइन बोर्ड द्वारा ऑनलाइन सेवाओं के विस्तार पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों को चौड़ा करने और उनका रखरखाव करने के लिए भी काम किया जाएगा।

सेवाओं की पर्याप्त व्यवस्था

प्रवक्ता ने कहा कि बैठक में पवित्र गुफा और निचली पवित्र गुफा क्षेत्र में भीड़भाड़ कम करने के उपाय, आपदा की तैयारी और न्यूनीकरण उपाय, सेवाओं की पर्याप्त व्यवस्था, चिकित्सा देखभाल सुविधाएं, मौसम पूर्वानुमान संबंधी बुनियादी ढांचे और सुरक्षा समेत अन्य मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपराज्यपाल ने बोर्ड के सदस्यों को बधाई दी और यात्रा के सफल संचालन में उनके बहुमूल्य योगदान और निरंतर मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

नए परिसीमन का असर पूरे भारत पर

मनीष तिवारी बोले-पाक-चीन से भारत की सीमा, नए तरीके पर करें विचार

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। परिसीमन पर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि यदि संसदीय क्षेत्रों का परिसीमन एक नागरिक, एक वोट और एक मूल्य के सिद्धांत पर किया जाता है, तो इसका असर केवल दक्षिण भारत पर ही नहीं बल्कि उत्तर भारत पर भी असर पड़ेगा। नए सदन में उत्तरी भारत के संसदीय क्षेत्रों का कुल प्रतिशत काफी कम हो जाएगा। यदि यह परिसीमन इसी सिद्धांत पर होता है, तो वे पूरी तरह से अप्रासंगिक हो जाएंगे। इसमें कई सारे दूसरे मुद्दे भी शामिल हैं। यदि परिसीमन मौजूदा सिद्धांतों पर किया जाता है, तो पंजाब और हरियाणा के बीच संसदीय सीटों की संख्या लगभग बराबर हो जाएगी। हो सकता है सीटों की संख्या 18-18 हो। क्या यह पंजाब को स्वीकार होगा? ये एक अहम और जरूरी सवाल है। हिमाचल प्रदेश की सीटों की संख्या वही रहेगी, क्या यह हिमाचल प्रदेश को मंजूर होगा? जम्मू-कश्मीर में सीटों की संख्या 6 से बढ़कर 9 हो जाएगी। क्या जम्मू-कश्मीर इसे मानेगा? भारत का उत्तरी भाग राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी बहुत संवेदनशील है। हमारी सीमा पाकिस्तान और चीन दोनों से लगती है। ऐसी परिस्थितियों में, इस परिसीमन को करने के लिए एक नया तरीका खोजना होगा।

'जिसने छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान किया है'

अबू आजमी का जिक्र कर आदित्य ठाकरे ने सीएम देवेंद्र फडणवीस पर बोला हमला

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने के लिए समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से सस्पेंड किया गया है। इसके बावजूद यह मामला अभी शांत नहीं हुआ है। इस बीच शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जिसने छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान किया है उन्हें जरूर जेल में डालना चाहिए। आदित्य ठाकरे ने कहा, महाराष्ट्र सिर्फ बयानबाजी चल रही है। जिसने छत्रपती संभाजी महाराज का अपमान किया है उन्हें जरूर जेल में डालना चाहिए। कोरटकर हो या फिर सोलापूरकर हो जेल में डालो। सोलापूरकर और कोरटकर को बचाने के लिए अबू आजमी को बाहर लाया है। पर जिन्होंने मराठी का अपमान किया है वह भैय्याजी जोशी के खिलाफ आवाज उठाएंगे? इनको जेल में कौन डालेगा? क्या फडणवीस इसपर कारवाई करेंगे।

अबू आजमी ने क्या कहा था?

दरअसल, सपा नेता अबू आजमी ने कहा था कि मैं औरंगजेब को क्रूर शासक नहीं मानता। उस दौर में सत्ता संघर्ष राजनीतिक थे, धार्मिक नहीं। औरंगजेब की सेना में कई हिंदू थे, जैसे छत्रपति शिवाजी की सेना में कई मुस्लिम थे। औरंगजेब एक क्रूर शासक नहीं था और उसने कई मंदिरों का निर्माण कराया था। जो लोग ये दावा करते हैं कि छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच हिंदू और मुसलमान की लड़ाई थी, वो लोग झूठ बोल रहे हैं। इस विवाद के बाद अबू आजमी ने भी अपने इस बयान के लिए माफी मांग ली। अबू आजमी ने सफाई दी और कहा कि मैं छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के खिलाफ बोलने के बारे में सोच भी नहीं सकता, मैं इतना बड़ा नहीं हूं, मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर दिखाया गया है। औरंगजेब रहमतुल्लाह अलेह के बारे में मैंने वही कहा है जो इतिहासकरों और लेखकों ने कहा है।

शादी के बंधन में बंधे बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या, सामने आईं वेडिंग फोटोज

बेंगलुरु, 6 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या की शादी की चर्चाएं साल की शुरुआत से ही थीं। कहा जा रहा था कि युवा सांसद शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने इसको लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया था। अब खबर आ रही है कि तेजस्वी सूर्या शादी के बंधन में बंध चुके हैं। इसकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया शेयर की जा रही हैं। सूर्या की शादी चेन्नई की मशहूर सिंगर और भारतनाट्यम डांसर शिवश्री स्कंदप्रसाद से हुई है। शादी समारोह बड़े ही गुपचुप तरीके से बेंगलुरु में ही आयोजित किया गया। तेजस्वी सूर्या की पत्नी शिवश्री ने शास्त्र विश्वविद्यालय से बायोइंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया है। इसके साथ चेन्नई विश्वविद्यालय से भरतनाट्यम में एमए की डिग्री हासिल की है। शिवश्री का एक यूट्यूब चैनल भी है, जिस पर 2 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद शिवश्री स्कंद प्रसाद की तारीफ कर चुके हैं। तेजस्वी सूर्या और शिवश्री की 6 मार्च को बेंगलुरु में शादी हुई।

औरंगजेब पर दिए बयान के बाद बढ़ीं सपा विधायक की मुश्किलें

अबू आजमी से पूछताछ करेगी मुंबई पुलिस

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। औरंगजेब पर दिए गए बयान के मामले में सपा विधायक अबू आजमी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले केस दर्ज उसके बाद विधानसभा से निलंबन किया गया, अब इसी मामले में मुंबई पुलिस जल्द ही आजमी से पूछताछ करेगी। सीएम फडणवीस पहले ही बयान दे चुके हैं कि अबू आजमी को हर हालत में सलाखों के पीछे भेजेंगे। विधायक अबू आजमी के खिलाफ नौपाड़ा पुलिस स्टेशन, ठाणे में एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसे बाद में मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन ट्रांसफर किया गया। यह मामला औरंगजेब पर दिए गए बयान को लेकर है। केस ट्रांसफर होने के बाद, मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में क्राइम नंबर 59/25 के तहत भारतीय दंड संहिता (बीएनएस) की धारा

299, 302, 356(1), 356(2) के तहत इस एफआईआर को दर्ज किया गया।

सीएम पहले ही कह चुके गिरफ्तारी की बात

महाराष्ट्र विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी पर भी सवाल उठे। विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने सरकार से पूछा कि अबू आजमी को जेल में क्यों नहीं डाला जा रहा? इसके जवाब में सीएम फडणवीस ने कहा कि 100 प्रतिशत जेल में डालेंगे।

अबू आजमी ने क्या कहा था?

अबू आजमी ने कहा था, औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए। औरंगजेब क्रूर नहीं था। औरंगजेब के बारे में मैंने जितना पढ़ा है, उसने कभी भी जनता का पैसा अपने लिए नहीं लिया। उसका शासन म्यांमार तक फैला था। मुझे लगता है कि वो एक महान प्रशासक थे। उसकी सेना में कई हिंदू कमांडर थे।

आजमी पर देशद्रोह का मामला चलना चाहिए- एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने बयान का विरोध करते हुए कहा था कि अबू आजमी पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। उन्होंने उस औरंगजेब की तारीफ की, जिसने छत्रपति संभाजी महाराज को 40 दिनों तक प्रताड़ित किया। ऐसे व्यक्ति को अच्छा कहना महापाप और अपराध है।

मोर, तेंदुए, हाथी जंगली जानवरों को मारने के लिए 20 शार्प शूटर्स

कोझिकोड, 6 मार्च (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड के एक गांव में जंगली जानवरों से लोग इतने परेशान हो चुके हैं कि उन्हें मारने के लिए पूरे गांव ने शार्प शूटर्स रखने का फैसला लिया है। इसके लिए बाकयदा प्रस्ताव लाया गया और उसपर सभी ग्राम पंचायत सदस्यों ने अपनी-अपनी सहमती दे डाली। हैरत की बात यह है कि प्रस्ताव में बाघ, तेंदुए, हाथी समेत राष्ट्रीय पक्षी मोर को भी मारने की सहमती जताई गई है। प्रस्ताव में 20 शार्प शूटर्स रखे जाने की बात कही गई है। यह अजीबो-गरीब फैसला केरल के कोझिकोड जिले की चविकट्टापारा ग्राम पंचायत द्वारा लिया गया है। ग्राम पंचायत का यह प्रस्ताव वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के खिलाफ है।

इस प्रस्ताव पर पंचायत सचिव ने असहमति जताई है। इधर, गांव के लोग जंगली जानवरों से बेहद परेशान हैं। किसानों की फसलों को जानवर नष्ट कर रहे हैं। इससे उन्हें नुकसान हो रहा है। इन सभी से परेशान होकर ग्राम पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों ने जानवरों को मारने के लिए शार्प शूटर रखे जाने के प्रस्ताव पर सहमती जताई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रस्ताव में जंगली जानवरों को मारने के लिए 20 शार्प शूटर्स रखने का फैसला लिया गया। इसको लेकर ग्राम पंचायत अध्यक्ष सुनील ने बताया कि पंचायत बोर्ड ने आधिकारिक रूप से जंगली जानवरों को खत्म करने का निर्णय लिया है। वह कहते हैं कि पंचायत बोर्ड के सभी सदस्य अपने निर्णय पर कायम हैं। उनका कहना है की जंगली जानवरों से उन्हें काफी नुकसान हो रहा है। किसान बड़ी मेहनत से फसले करते हैं, जिन्हें यह जानवर नष्ट कर रहे हैं ।

राघव चड्ढा को मिला हार्वर्ड कैनेडी स्कूल से ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम का न्योता

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के टॉप एजुकेशन इंस्टीट्यूट में से एक हार्वर्ड कैनेडी स्कूल हर साल कुछ चुनिंदा ग्लोबल लीडर्स को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर देता है। यह प्रोग्राम प्रतिभागियों को पब्लिक पॉलिसी, इनोवेशन और ग्लोबल लीडरशिप के अलग-अलग पहलुओं पर डीप स्टडी और विचार-विमर्श का मंच प्रदान करता है। इस अवसर को लेकर राघव चड्ढा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम में शामिल होने का निमंत्रण पाकर मैं बेहद सम्मानित और उत्साहित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे लिए एक अनूठा अवसर है, जहां मैं दुनिया भर के विशेषज्ञों और नेताओं से सीखने के साथ-साथ अपनी समझ को और गहरा कर सकूंगा। यह वास्तव में मेरे लिए 'बैक टू स्कूल' जैसा मौका है। उन्होंने आगे कहा कि इस कार्यक्रम के जरिए मुझे वैश्विक दृष्टिकोण से भारत की नीतिगत चुनौतियों को समझने और उनके समाधान खोजने में मदद मिलेगी। मुझे विश्वास है कि इस अनुभव से मैं भारत के नीति निर्माण में और अधिक प्रभावी योगदान दे पाऊंगा। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) द्वारा राघव चड्ढा को 40 वर्ष से कम उम्र के 'यंग ग्लोबल लीडर' के रूप में भी सम्मानित किया गया था। यह सम्मान दुनिया भर के उन युवा नेताओं को दिया जाता है जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उत्कृष्ट नेतृत्व कर रहे हैं। राघव चड्ढा की इस उपलब्धि से न केवल उन्हें व्यक्तिगत और व्यावसायिक स्तर पर लाभ मिलेगा, बल्कि यह भारत के वैश्विक प्रतिनिधित्व को भी मजबूत करेगा। उनकी भागीदारी से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज़ को और अधिक प्रभावशाली बनाने में मदद मिलेगी। यह कार्यक्रम युवा नेताओं को वैश्विक समस्याओं जैसे बेरोजगारी, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक अस्थिरता और सामाजिक असमानताओं जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। इसमें शामिल होने के बाद राघव चड्ढा रणनीतिक निर्णय लेने, नेतृत्व कौशल बढ़ाने और भारत की समस्याओं के लिए प्रभावी समाधान खोजने में और भी सक्षम बनेंगे। इस निमंत्रण के माध्यम से राघव चड्ढा को वैश्विक स्तर पर एक प्रभावशाली नीति निर्माता और युवा नेता के रूप में नई पहचान मिली है, जो भविष्य में भारत की नीतिगत दिशा को और मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी।

राजधानी के मानसरोवर कॉम्पलेक्स में लगी भीषण आग, फायर सिस्टम से पाया काबू

भोपाल, 6 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल के आरकेएमपी रेलवे स्टेशन के पास स्थित मान सरोवर कॉम्पलेक्स के एक बंद इंटीरियर डिजाइन के ऑफिस में गुरुवार यानी आज सुबह आग लग गई। दुकान के अंदर धुआं उठते देख आसपास के दुकानदार पहुंचे और फायर सिस्टम की मदद से आग पर काबू पाया। इधर, देर रात करोंद इलाके में फर्नीचर की 8 दुकानों में भीषण आग लगी। जिससे लाखों रुपए का फर्नीचर जलकर राख हो गया। 3 घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। बता दें कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से कुछ दूर ही मानसरोवर कॉम्पलेक्स है। यही पर आग लगी। मानसरोवर कॉम्प्लेक्स व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल चुग ने बताया, अलार्म बजते ही दुकानदार भागे और फायर सिस्टम से आग को काबू में किया। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया।

नशा तस्करी मामला

जींद से गिरफ्तार दोनों भाई दस हजार में शिमला पहुंचाते थे चिट्टा, जांच में हुआ खुलासा

शिमला, 6 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के जींद से गिरफ्तार चिट्टा तस्कर दोनों भाई संदीप शाह के लिए आठ से दस हजार रुपये में दिल्ली समेत दूसरे राज्यों से शिमला (मौत की डोज) चिट्टा पहुंचाने का काम करते थे। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने यह खुलासा किया है। जांच में पता चला है कि आरोपी कई सालों से शाह के लिए नशा तस्करी का काम कर रहे थे। मामले में और सबूत जुटाने के लिए पुलिस ने दोनों के मोबाइल कब्जे में लिए हैं। इनकी जांच में कई ऐसे वीडियो मिले हैं, जिसमें चिट्टे को पुड़िया में पैक करके छिपाया जाता था। दोनों आरोपियों को अदालत ने 8 मार्च तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस आरोपियों के बैंक खातों को भी खंगाल रही है, जिससे उनके और शाह के बीच लेनदेन का खुलासा हो सके। अजय उर्फ गांधी और आशीष उर्फ मनीष उर्फ गोस्वामी उर्फ रावण दोनों सगे भाई हैं। पुलिस ने संदीप शाह और सैमुअल उर्फ मार्क की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में सामने आए सामने आए तथ्यों के आधार पर दोनों की गिरफ्तारी की है। शिमला में नशा तस्करी के नेटवर्क में गिरफ्तार नाइजीरियन सैमुअल को पुलिस ने कुछ दिन पहले ही गिरफ्तार किया है। पता चला है कि आरोपी त्रिपुरा सुंदरी एक्सप्रेस ट्रेन में अगरतला से फिरोजपुर जा रहा था। इस दौरान पुलिस की टीम उसका लगातार पीछा करती रही।

ट्रेन जब दिल्ली रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म नंबर 13 पर रुकने के लिए धीमी हुई तो आरोपी कूद कर भागने की कोशिश करने लगा। भनक लगते ही पुलिस की टीम ने भी छलांग लगाई और कुछ दूरी पर ही उसे दबोच लिया। अब पुलिस इस मामले में बांग्लादेश बॉर्डर से सटे अगरतला का कनेक्शन तलाश कर रही है।

क्या अमेरिका पूरी अर्थव्यवस्था पर कब्जा चाहता है

अशोक भाटिया

फिलहाल लगता तो ऐसा है कि अमेरिका दुनिया की पूरी अर्थव्यवस्था पर कब्जा करना चाह रहा है। आर्थिक दुनिया में इस बात की बहुत चर्चा है कि चीन पर अमेरिकी प्रतिबंध भारत, चीन, कनाडा और थाईलैंड को कैसे प्रभावित कर रहे हैं। वहीं, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सोना एक लाख रुपये प्रति तोला की कीमत की ओर बढ़ रहा है। वहीं भारत-ब्राजील अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन को लगे झटके का असर भारत के स्टील सेक्टर पर भी पड़ा है। ट्रंप ने चीन को सबक सिखाने के लिए स्टील पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की। यह दर 12 मार्च से लागू होगी। इनकी धमकी का सबसे ज्यादा असर मेटल शेयरों पर पड़ा है। उनकी घोषणा के बाद इसके लागू होने की तारीख भी घोषित कर दी गई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का मेटल इंडेक्स 2.23 फीसदी गिरा है। सूचकांक 627.81 अंकों यानी 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ 27,526.08 पर बंद हुआ। हिंदुस्तान जिंक, जेएसएल, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी, एनएमडीसी, कोल इंडिया, वेदांता लिमिटेड, टाटा स्टील, एप्पल पोलो, जिंदल स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को के शेयरों में भारी गिरावट आई। भारत अमेरिका का शीर्ष इस्पात निर्यातक नहीं है। अमेरिका कनाडा, ब्राजील, मैक्सिको, दक्षिण कोरिया और वियतनाम से अधिकांश स्टील आयात करता है। इस बीच कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला बोला है। उन्होंने ट्रंप के ऊपर कनाडा को कब्जाने की योजना बनाने का आरोप लगाया है और वाइट हाउस के टैरिफ हमले को इसी का हिस्सा बताया है। ट्रूडो ने मंगलवार 4 मार्च को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ युद्ध का उद्देश्य कनाडा की अर्थव्यवस्था को नष्ट करना है ताकि वह देश को अपने में मिला सकें। इसके पहले कनाडा के ट्रूडो प्रशासन ने डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हमले पर पलटवार करते हुए अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने कनाडाई ऊर्जा आयात पर 10 प्रतिशत और अन्य सभी वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके कुछ घंटों बाद ही ओट्टावा ने सौंदर्य प्रसाधन, उपकरण, टायर, फल और शराब समेत 30 अरब कनाडाई डॉलर मूल्य के अमेरिकी आयातों पर तत्काल 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की। कनाडा ने कहा है कि आवश्यकता पड़ने पर 21 दिनों के भीतर 125 अरब डॉलर मूल्य के अतिरिक्त आयात पर टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रूडो ने फेंटेनाइल ड्रग की तस्करी के ट्रंप के आरोपों पर भी जवाब दिया और कहा कि टैरिफ लगाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति फेंटेनाइल को बहाना बना रहे हैं। ट्रूडो ने इन आरोपों को 'पूरी तरह से फर्जी, पूरी तरह से अनुचित और पूरी तरह से झूठ' बताया। ट्रूडो ने कहा, ट्रंप जो चाहते हैं, वह है- कनाडा की अर्थव्यवस्था का पूरी तरह से पतन देखना। क्योंकि इससे हमें अपने साथ मिलाना आसान हो जाएगा।

भारत के व्यापार मंत्रालय के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में अमेरिका को भारत के निर्यात में काफी गिरावट आई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, भारत ने 2022-23 की तुलना में अमेरिका को 47.68 प्रतिशत कम स्टील का निर्यात किया, जबकि लोहे और इस्पात के सामान के निर्यात में भी 9 प्रतिशत की गिरावट आई। यह गिरावट इस वित्तीय वर्ष में भी जारी है। यह है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक है; लेकिन भारत के विपरीत, यह अमेरिका के शीर्ष इस्पात आयातकों की सूची में नहीं है। स्टील चीन से दूसरे देशों में और वहां से अमेरिका में भेजा जाता है। ट्रम्प प्रशासन जानता है कि अगर स्टील पर टैरिफ लगाए जाते हैं, तो इसका सीधा असर चीन पर पड़ेगा। हालांकि भारतीय इस्पात क्षेत्र लंबे समय में मजबूत है, अल्पकालिक नुकसान से बचना मुश्किल है और आगे उतार-चढ़ाव का जोखिम बना हुआ है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक नीतियों में बदलाव बाजार के रुझान को प्रभावित करते हैं। वे करेंगे। टैरिफ वॉर का असर ग्लोबल इकोनॉमी पर पड़ सकता है। भारत, चीन और थाईलैंड जैसे उभरते बाजारों को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। ब्रोकरेज फर्म नोमुरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में बहुत अधिक प्रभावी टैरिफ दरें हैं। इसलिए वे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। भारत का अमेरिका से निर्यात की औसत दर 9.5 प्रतिशत है। भारत का अमेरिका को निर्यात तीन प्रतिशत शुल्क के अधीन है। थाईलैंड में 0.9 प्रतिशत बनाम 6.2 प्रतिशत का आंकड़ा है, जबकि चीन में 2.9 प्रतिशत बनाम 7.1 प्रतिशत है, और सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे देश, जिनके पास संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं, ट्रम्प के प्रतिशोधी टैरिफ के खतरे से अधिक सुरक्षित हैं। नोमुरा ने कहा कि भारत में उच्चतम निर्यात शुल्क दर है। भारत एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के बीच उच्चतम टैरिफ दर वाला देश है। इसलिए, भारत को ट्रम्प की टैरिफ दर में वृद्धि का बड़ा खतरा है। दुनिया भर में भारत के निर्यात का 18% अमेरिका को होता है। 2024 में व्यापार अधिशेष बढ़कर लगभग 38 बिलियन हो गया है।

अमेरिका में भारत के निर्यात में विद्युत/औद्योगिक मशीनरी, रत्न और आभूषण शामिल हैं। नोमुरा के विश्लेषकों ने कहा कि दवाएं, ईंधन, लोहा एवं इस्पात, लोहा एवं इस्पात, लोहा एवं इस्पात, कपड़ा, कपड़ा और रसायन क्षेत्र में आयरन, स्टील और एल्युमीनियम की हिस्सेदारी कुल 5.5 प्रतिशत है। यदि वे अपने शीर्ष स्थान को बनाए रखते हैं, तो भारत और ब्राजील सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं होंगे, जिनकी जीडीपी वृद्धि पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक होगी। लेकिन कर्ज का बोझ भी तेजी से बढ़ा है। दूसरी ओर, कनाडा, जर्मनी और इटली ने कर्ज कम करने में कामयाबी हासिल की है। साथ ही, जापान की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण रही है। यह विश्लेषण 2020 से 2025 तक के आर्थिक आंकड़ों पर आधारित है। विश्व मुद्रा कोष का अनुमान है कि 2025 में अमेरिकी जीडीपी 30.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। यह पिछले कुछ वर्षों में 42 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका ने ऋण-से-जीडीपी अनुपात को 132 प्रतिशत से घटाकर 124 प्रतिशत कर दिया है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। चीन की जीडीपी 2025 तक 19.5 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है। यह 2020 में 14.9 ट्रिलियन डॉलर था। पिछले पांच वर्षों में इसमें 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है; लेकिन चीन का कर्ज-टू-जीडीपी अनुपात 70 प्रतिशत से बढ़कर 94 प्रतिशत हो गया है, जो दर्शाता है कि चीन की विकास दर ऋण पर निर्भर है, जो लंबे समय में खतरनाक हो सकती है।भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत की GDP 2020 में 2.7 ट्रिलियन डॉलर से 2025 में 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि भारत ने पांच वर्षों में 60 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है और ऋण-से-जीडीपी अनुपात 88 प्रतिशत से गिरकर 83 प्रतिशत हो गया है। यह भारत की आर्थिक स्थिरता को दर्शाता है। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी की जीडीपी, 2020 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2020 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। अंदाज़ा लगाओ क्या। इसके अलावा, ऋण-जीडीपी अनुपात 68 प्रतिशत से गिरकर 62 प्रतिशत हो गया है। ब्राजील की अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ रही है। ब्राजील की जीडीपी 2020 में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में 2.3 ट्रिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। यह वृद्धि पांच वर्षों में 56 प्रतिशत होगी। ब्राजील ने अपने कर्ज-से-जीडीपी अनुपात को 96 प्रतिशत से घटाकर 92 प्रतिशत कर दिया है। इससे उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। सोना हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहा है। 11 फरवरी का सोने का वायदा भाव 86,000 रुपये के आसपास था. अब 10 ग्राम सोने का भाव 90,000 रुपये प्रति तोला की ओर बढ़ रहा है। कई रिपोर्टों में सोने की कीमतों में 90,000 रुपये प्रति तोला तक की वृद्धि की भविष्यवाणी की गई है। भारत में सोने का सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व है। बाजार की स्थिति लगातार बदल रही है और निवेशक और व्यापारी इन परिवर्तनों की निगरानी करते हैं। ट्रम्प के संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होने से सोना और महंगा होता जा रहा है।

गलत संदेश का अंदेशा

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की सैन्य मदद रोकने के ऐलान के बाद मजबूरी में ही सही लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के साथ युद्धविराम की पेशकश करदी है। सौदेबाजी में माहिर ट्रंप यूक्रेन से सुरक्षा गारंटी छोड़कर रेयर अर्थ मिनरल्स की मांग कर रहे हैं। ट्रंप के इस कदम से उनके सहयोगी देशों के बीच गलत संदेश जाता दिख रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ शर्तों के साथ युद्धविराम की पेशकश की है। युद्ध का रुकना अच्छी बात है, लेकिन उनकी पेशकश लाचारी में की गई लगती है। क्योंकि डॉनल्ड ट्रंप के सैन्य मदद रोकने के ऐलान के बाद जेलेंस्की की ओर से इसका प्रस्ताव आया है। बता दें कि पिछले हफ्ते अमेरिका में जेलेंस्की और ट्रंप की बातचीत में ट्रंप ने यूक्रेन पर एहसान-फरामोशी का आरोप लगाया था। तब गुस्से में जेलेंस्की ने भी तल्खी में जवाब दिया था। इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा था कि रूस के साथ शांति में काफी वक्त लगेगा। इस पूरे प्रकरण के बाद जेलेंस्की पर ट्रंप के साथ रिश्तों को सुधारने का दबाव था। इस बीच सोमवार को ट्रंप ने यूक्रेन को सैन्य मदद रोकने का ऐलान कर दिया। इसके चलते जेलेंस्की का यह कदम मजबूरी में उठाया गया लगता है। ट्रंप यह भी चाहते हैं कि अमेरिका ने जो 100 बिलियन डॉलर की मदद दी है, उसके बदले यूक्रेन उसे अपने यहां के रेयर अर्थ मिनरल्स दे। युद्ध रुकने के बाद ट्रंप यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी नहीं देंगे। उनका तर्क है कि रेयर अर्थ की माइनिंग के लिए अमेरिकी लोगों के यूक्रेन में होने की वजह से रूस उस पर हमला नहीं कर सकेगा। लेकिन बताना जरूरी है कि तीन साल पहले जब व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला बोला था, तब भी अमेरिकी कंपनियां वहां काम कर रही थीं। यूक्रेन को लेकर अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों के बीच भी तल्खी बढ़ रही है। ब्रिटेन और फ्रांस ने युद्ध विराम के दौरान यूक्रेन में अपनी फौज रखने का वादा किया है, लेकिन अमेरिका की गारंटी के बगैर यह काफी नहीं होगा। अमेरिका की पूर्ववर्ती बाइडन सरकार ने लोकतंत्र और पुतिन के विस्तारवादी अजेंडा को रोकने के लिए यूक्रेन की मदद की थी। वहीं, ट्रंप ने डिप्लोमैसी को सौदेबाजी में बदल दिया है। इससे अमेरिका के सहयोगी देश भी अपनी वजूद को लेकर परेशान हैं। इससे पहले अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ हमेशा डटा रहा है, लेकिन यूक्रेन मामले को लेकर ट्रंप ने जो रुख अपनाया है, उसे देखते हुए शायद ही कोई देश अमेरिका पर विश्वास करेगा। फिर इसकी क्या गारंटी है कि पुतिन यूक्रेन के बाद किसी और देश पर हमला नहीं करेंगे? ट्रंप को यह भी लगता है कि रूस के साथ अदावत खत्म करके वह पूरा ध्यान चीन से मुकाबले पर लगाएंगे। लेकिन इसके लिए उन्हें खासतौर पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोगियों की जरूरत होगी। लेकिन यूक्रेन पर अमेरिका ने रुख अपनाया है, उसे देखते हुए कोई भी देश उस पर विश्वास करने की सोच भी नहीं रहे हैं।

लिव इन रिलेशन बन रहा है मौत का वारंट!

मनोज कुमार अग्रवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

लिव-इन रिलेशन को मूल भारतीय समाज में अस्वीकार किया जाता है , लेकिन समय के साथ-साथ यह विचार शहरी समाज के युवाओं में तेजी से फैल रहा है. कानून ने लिव-इन रिलेशनशिप को अब भारतीय समाज में एक स्वीकारनीय रिश्ता मान लिया है. यह विवादों का केंद्र बना हुआ है, कुछ लोग इसे एक सामाजिक बदलाव के रूप में स्वीकार कर रहे हैं. लेकिन इसने भारतीय समाज को नए दोराहे पर ले जाकर खड़ा कर दिया है जहां योन वर्जनाओं को तोड़ने बिना विवाह स्वच्छन्द योनाचार करने से अपराध के नए आधार पनप रहे हैं। लिव-इन रिलेशनशिप या 'सहमति संबंध' एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें स्त्री और पुरुष बिना विवाह किए पति-पत्नी की भांति रहने के साथ-साथ आपस में शारीरिक संबंध भी बनाते हैं। कई जोड़े तो बच्चे भी पैदा कर लेते हैं। आपसी सहमति से कायम यह संबंध पश्चिमी देशों में आम बात है और उनकी देखादेखी भारत जैसे देशों में भी यह बुराई फैलने लगी है। आपको बता दें कि भारत में 1978 में सुप्रीमकोर्ट ने पहली बार लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने बद्री प्रसाद बनाम डायरेक्टर ऑफ़ कंसॉलिडेशन केस में पहली बार लिव-इन रिलेशनशिप को वैध माना था. इसके बाद 2010 में महिलाओं की सुरक्षा पर चर्चा करते हुए लिव-इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता दी गई थी. कोर्ट ने कहा कि जो महिलाएं लिव-इन रिलेशनशिप में हैं, वे घरेलू हिंसा कानून के तहत संरक्षित हैं. आसान भाषा में इसे दो वयस्कों का अपनी मर्ज़ी से बिना शादी किए एक छत के नीचे साथ रहना कहा जा सकता है.

लिव-इन रिलेशनशिप में तलाक जैसे झंझट की नौबत तो नहीं आती, परंतु इनमें किसी एक साथी द्वारा धोखा देने के कारण दूसरे साथी की जिंदगी नरक जरूर बन जाती है।

'राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो' की रिपोर्ट बताती है देश में पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रेम, असफल प्रेम, धोखा तथा अवैध सम्बन्धों को लेकर होने वाली हत्याओं में काफी वृद्धि हुई है। आपको बता दें कि अब आए दिन ऐसे अपराधिक मामले सामने आ रहे हैं जिनके मूल मे लिवइन रिलेशनशिप के दौरान हुए विवाद हैं बानगी देखिए लखनऊ में जोमैटो कंपनी में कंप्यूटर ऑपरेटर आशीष मिश्रा की लिव-इन पार्टनर और उसके परिजनों ने हत्या कर दी। मृतक आशीष के परिजनों ने लिव-इन पार्टनर समेत चार लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। उसका नौ जनवरी को संदिग्ध हालात में शव परिजनों को लोहिया अस्पताल में मिला था। उनकी मां विजय लक्ष्मी ने लिव इन पार्टनर विभा और उसके रिश्तेदारों पर हत्या का आरोप लगाया था।

हाल ही में दिल्ली पुलिस ने रूप नगर इलाके में सोनू नागर नाम के युवक की हत्या में लिव इन पार्टनर महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। महिला ने भाड़े के हत्यारों से वारदात कराई थी। महिला को शक था कि सोनू ने उसके पति एवं बेटी की हत्या कराई थी। डीसीपी राजा बांठिया ने बुधवार को बताया कि तीन फरवरी को रूप नगर स्थित नाले में युवक का शव पड़ा मिला था। 4 सितम्बर, 2024 को बुरहानपुर (मध्य प्रदेश) में एक महिला के साथ 6 वर्ष से लिव-इन में रह रहे एक भूतपूर्व सैनिक को उसके पहले पति से जन्मी 11 वर्ष की बेटी से बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। 24 अक्तूबर, 2024 को दिल्ली के 'मुकंदपुर' में एक महिला ने अपने लिव-इन-पार्टनर को डंडों तथा हथौड़े से वार करके मार डाला। बताया जाता है कि यह महिला किसी दूसरे पुरुष के संपर्क में आ गई थी और अब पहले वाले को छोड़कर नए वाले के साथ रहना चाहती थी। 24 नवम्बर, 2024 को पुणे (महाराष्ट्र) के 'हिंजवडी' में एक 32 वर्षीय शादीशुदा व्यक्ति ने अपनी लिव-इन-पार्टनर के चरित्र पर शक होने के कारण तीखी बहस के बाद हथौड़े से उसकी हत्या कर दी।

24 नवम्बर, 2024 को ही सोनीपत में एक विवाहित व्यक्ति को अपनी लिव-इन-पार्टनर और स्कूल के दिनों की प्रेमिका की हत्या करने और उसकी लाश को दबा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

18 जनवरी, 2025 को लखनऊ में लिव-इन में रह रही 'गीता' नामक युवती की उसके साथ लिव-इन में रहने वाले युवक ने हत्या कर दी। 'गीता' के नाम पर लगभग एक करोड़ रुपए का बीमा था।26 जनवरी को दिल्ली में भाई के साथ लिव इन में रह रही युवती की गला दबाकर हत्या कर दी गई फिर उसकी लाश को ठिकाने लगाने के लिए उसे सूटकेस में बंद कर जला दिया गया। गाजीपुर की इस खौफनाक घटना को अंजाम देने वाला शख्स कोई और नहीं बल्कि मृतक युवती का ही चचेरा भाई निकला। उसका नाम अमित तिवारी है और मृतक युवती का नाम शिल्पा पांडे है। पुलिस ने इस मर्डर मामले में आरोपी अमित तिवारी और उसके दोस्त अनुज को गिरफ्तार कर लिया गया।

17 फरवरी, 2025 को लखनऊ के 'घसियारी मोहल्ले' में 'सूरज' नामक एक व्यक्ति अपने साथ रह रही लिव-इन-पार्टनर पूजा की गला घोंट कर हत्या करने के बाद उसके गहने और स्कूटी लेकर फरार हो गया।

22 फरवरी, 2025 को शिवपुरी (मध्य प्रदेश) में एक महिला को 2 वर्ष तक लिव-इन रिलेशन में रखने और बलात्कार करके उसे गर्भवती करने के बाद शादी से इन्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। 26 फरवरी, 2025 को इंदौर में 'कृष्णा सिसोदिया' नामक एक 19 वर्षीय मेकअप आर्टिस्ट ने अपने लिव-इन-पार्टनर 'संस्कार पटोलिया' की हत्या कर दी। बताया जाता है कि 'कृष्णा' अपने घर जाना चाहती थी लेकिन 'संस्कार' ने उसे रोकने के लिए उसका दुपट्टा खींच लिया। इस पर गुस्से में आकर 'कृष्णा' ने अपने दुपट्टे से ही उसका गला दबा कर उसे मार डाला।

2 मार्च, 2025 को मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) के गांव 'लुरकुटिया' में पुलिस ने 'मालती' नामक एक महिला की हत्या करके लाश को सड़क के किनारे फेंक देने के आरोप में उसके लिव-इन-पार्टनर 'राजेंद्र बिंद' को गिरफ्तार किया। आरोपी ने 'मालती' के दिव्यांग बेटे 'रौनक' को भी हत्या की नीयत से पुल के नीचे फैंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। 18 जनवरी को लखनऊ में रायबरेली रोड पर डिफेंस एक्सपो मैदान के पास अधिवक्ता गिरिजा शंकर पाल ने लिव-इन पार्टनर गीता शर्मा (31) को सफारी से रौंदकर मारा था।

दुनिया के हीरो बनते वालोडियर जेलेंस्की

डॉ. राजेन्द प्रसाद शर्मा

भले ही अमेरिका के सामने यूक्रेन को मजबूरी में कोई समझौता करना पड़े पर इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि व्हाइट हाउस की हालिया घटना से यूक्रेन के राष्ट्रपेति वालोडियर जेलेंस्की रातोंरात हीरो बनकर उभर गए हैं। राजनीतिक विश्लेषक चाहे खुलकर नहीं कहे पर इससे अब नकारा नहीं जा सकता कि जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से वार्ता के दौरान तीखी बहस और तेवर दिखाये हैं दबी जुबान से ही दुनिया के देशों ने इसे सराहा ही है। एक मजे की बात यह कि अब तक अमेरिका का पिछलग्गू माना जाने वाला यूरोप भी अब अमेरिकी तानाशाही के खिलाफ खुलकर सामने आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तानाशाही व्यवहार को देखते हुए योरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने तो लेवेंस्की को यहां तक विश्वास दिलाया है कि आप अकेले नहीं है प्रिय राष्ट्रपति। मजबूत बने, निडर बने। हम न्यायपूर्ण स्थाई शांति के लिए आपके साथ काम करना जारी रखेंगे। यूरोप के तो करीब करीब सभी देश यूक्रेन के पक्ष में खुलकर आ गए हैं। चाहे वह फ्रांस हो, पोलण्ड हो, जर्मनी हो, नार्वे हो, स्पेन, इटली हो, एस्टोनिया हो या अन्य देश। सभी ने एक स्वर में यूक्रेन का साथ और सहायता देने का संकल्प दोहराया है। यूरोपीय संघ तो ट्रम्प को छोड़ कोई नया नेता ढूंढ़ने पर विचार आरंभ कर दिया है। देखा जाए तो अमेरिका की छवि बीच चौराहे पर साथ छोड़ देने वाले देश की बनती जा रही है। कल तक रुस का धूर विरोधी अमेरिका रुस के साथ प्यार की पीगे बढ़ाता दिख रहा है तो दूसरी और यूक्रेन जोकि अमेरिका और अन्य देषों के भरोसे ही अदम्य साहस का परिचय देते हुए रुस को लोहे के चने चबवा रहा है उस यूक्रेन और यूक्रेन के नागरिकों के साहस को नमन करने के स्थान पर आज अमेरिका यूक्रेन को रुस के सामने झुकने को बाध्य करना चाहता है।

दरअसल अमेरिका की नजर दुनिया के देशों और उनकी संपदाओं पर है। खासतौर से अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प दुनिया के देशों को डंडे के जोर पर हांकना चाहते हैं। ट्रम्प चाहते हैं कि जो अमेरिका चाहे वही हो, यही कारण है कि एक और टैरिफ वार पर दुनिया के देशों को झोंक दिया है तो दूसरी ओर ग्रीन लैण्ड हड़पना चाहता है। कनाडा को 51 वां राज्य बनाना चाहता है। यूक्रेन के हजारों करोड़ डॉलर की खनिज संपदा पर नजर गड़ाये ट्रम्प यूक्रेन को 500 करोड़ डालर की खनिज संपदा पर समझौता करना चाहता हें यूक्रेन राष्ट्रप्रति देश के व्यापक हित में समझौता करने को तैयार होने के बावजूद जिस तरह से वार्ता के दौरान ट्रम्प ने तेवर दिखाएं उसे किसी भी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता है। यही कारण है कि वार्ता के दौरान जिस तरह के तेवर जेलेंस्की ने दिखाया उसे सारी दुनिया ने इसलिए सराहा कि एक तानाशाह को कम से कम चुनौती देने वाला तो मिला। भले ही इसके परिणाम कुछ भी हो। यूक्रेन को अमेरिका से समझौता करना पड़े पर एक बार अमेरिका और दुनिया के देशों को जेलेंस्की ने एक संदेश तो दे ही दिया। यहां तक कि रुस को भी इससे कम सबक नहीं मिला है। यूक्रेन की नैतिक विजय इसी को माना जा सकता हे कि आज यूक्रेन की खनिज संपदा के समझौते को विफल करने के लिए रुस अपनी खनिज संपदा के अधिकार तक देने की पेशकश करने लगा है। यह यूक्रेन की अपने आप में बड़ी विजय के रुप में देखी जानी चाहिए।

देखा जाए तो ट्रम्प तानाशाही रवैया अपनाते हुए दुनिया के देशों को ड़राने धमकाने में लगे हुए हैं। हांलाकि चाहे टैरिफ नीति हो या उपनिवेशवादी सोच देर सबेर इसका खामियाजा अमेरिका को ही भुगतना पड़ेगा और व्हाईट हाउस में ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस और नोकझोंक से दुनिया के देशों में साहस का संचार हुआ है। व्हाईट हाउस की घटना का तात्कालिक परिणाम ही यह सामने आ गया है कि यूरोप के देश एक स्वर में यूक्रेन के साथ खड़े होने लगे है तो दूसरी और अपना नया नेता चुनने पर विचार करने लगे हैं। हांलाकि जेलेंस्की ने देश हित को पहली वरियता दी है और अमेरिका से अब भी खनिज संपदा के अधिकार देने पर सहमति समझौता करने को लगभग तैयार है।

पर अमेरिका दबाव बनाकर और डरा धमकाकर समझौता करना चाहता है यही कारण है कि समझौते के प्रारुप पर चर्चा करने आये जेलेंस्की को ही रुस यूक्रेन युद्ध का जिम्मेदार बताते हुए तीखी नोंकझोंक तक हालात पहुंच गए और जेलेंस्की की हिम्मत की इसलिए सराहना करनी होगी कि अमेरिका के आगे नाक रगड़ने की जगह वार्ता छोड़कर यूरोपीय देशों की यात्रा पर आ गये। भविष्य में क्या होता है यह तो अलग बात हैं और उसके कारण इंटरनेशनल पालिटिक्स और रिलेशंस तय करेंगे पर ट्रम्प को वार्ता की टेबल पर अपनी और देश की गरिमा बनाये रखकर दुनिया के देशों को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि चाहे कोई कितना भी ताकतबर हो हमें उसके गलत दबाव में नहीं आना चाहिए। यही कारण है कि मानों या ना मानों पर आज ट्रम्प से ज्यादा जेलेंस्की के साहस की सराहना हो रही है।

स्वास्थ्य क्षेत्र को उपचार की दरकार

डॉ.वेदप्रकाश

पहला सुख निरोगी शरीर कहा गया है। इसके लिए पोषक खानपान, स्वच्छ आवास, स्वच्छ पानी, स्वच्छ हवा एवं स्वस्थ वातावरण आदि की आवश्यकता है। साथ ही बीमार होने पर व्यक्ति को समय से सही उपचार एवं दवाइयां मिलें, यह भी आवश्यक है लेकिन क्या यह सभी को मिल पा रहा है? क्या सभी को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना राज्यों का दायित्व नहीं है?

भारतवर्ष विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है। ऐसे में यहां स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास जैसी मूलभूत सुविधाएं सभी को समुचित रूप में मिलना एक बड़ी चुनौती भी है। आंकड़ों के अनुसार इस समय भारत में लगभग 13000 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है जबकि वैश्विक स्तर पर आदर्श अनुपात 1000 लोगों पर एक डॉक्टर का माना गया है, क्या यह स्थिति स्वयं में ही गंभीर नहीं है? जैसे ही स्वास्थ्य क्षेत्र पर हम विचार करते हैं तो पाते हैं कि विगत 10 वर्षों में कई राज्यों में एम्स खोले गए हैं लेकिन फिर भी अभी अनेक राज्य ऐसे हैं जहां पर उच्चतम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। सुदूर गांव देहात अथवा जिलों की स्थिति तो और भी बदतर है। औसतन प्रति सप्ताह कोई न कोई समाचार ऐसा मिलता है कि जब किसी गर्भवती महिला को अथवा किसी अस्वस्थ व्यक्ति को लोग कंधों पर, मोटरसाइकिल पर अथवा चारपाई पर लिटाकर 10-15 किलोमीटर दूर स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार के लिए ले जाते हैं। अनेक बार वह व्यक्ति रास्ते में ही दम तोड़ देता है। कई बार स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं होते तो कई बार दवाइयां अथवा आवश्यक उपकरणों के अभाव में बीमारी का इलाज नहीं हो पाता। सभी जानते हैं नीम हकीम खतरा ए जान होते हैं लेकिन मजबूरी में क्या करें? लोग अपने से ही किसी केमिस्ट की दुकान से दवाई लेकर खा लेते हैं।

विगत वर्षों में कोरोना महामारी के दौरान भारत के छोटे-बड़े सभी अस्पतालों में मूलभूत सुविधाओं एवं जीवन रक्षक ऑक्सीजन की कमी जैसी अनेक बातें सामने आई। इस पर बहुत तेजी से काम भी हुआ लेकिन फिर भी क्या अभी बहुत काम करने की आवश्यकता नहीं है? देश के शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता तुलनात्मक दृष्टि से अधिक है लेकिन वहां भी डॉक्टर की महंगी फीस, महंगी दवाइयों और नकली दवाइयों का संकट लगातार बना हुआ है। अनेक अस्पतालों में ओपीडी एवं डॉक्टर से परामर्श हेतु ऑनलाइन व्यवस्था कर दी गई है जिससे कम पढ़े लिखे लोगों को अनेक कठिनाइयां आती हैं। वे इस भय से या तो अस्पताल जाते ही नहीं अथवा पूरा दिन उन्हें केवल डॉक्टर से परामर्श हेतु औपचारिकताओं में ही लग जाता है। कई बार समाचार छपते हैं कि गंभीर बीमारी के उपचार एवं ऑपरेशन हेतु भी रोगी को दो तीन महीने बाद का समय दिया गया है, यानी गंभीर बीमारी में भी रोगी को तत्काल उपचार नहीं मिल पाता, इंतजार में वह मृत्यु को प्राप्त हो जाता है अथवा कष्ट झेलता है। क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में कुशल एवं अनुभवी डॉक्टरों की कमी भी एक बड़ी समस्या नहीं है? ऐसे में सुदूर और ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति को सहज ही समझा जा सकता है।

पिछले कुछ महीनों से नकली दवाओं अथवा गुणवत्ता के मानकों पर खरी न उतरने वाली दवाओं के समाचार लगातार प्रकाशित हो रहे हैं। नवंबर 2024 में छपे एक समाचार के अनुसार देशभर में निम्न गुणवत्ता वाली दवाओं के खिलाफ जारी अभियान के तहत दवाओं के 111 सैंपल गुणवत्ता के मानक पर खरे नहीं उतरे। इसके अलावा कुछ सैंपल नकली दवाओं के भी मिले हैं। जनवरी 2025 में छपे एक समाचार के हवाले से सामने आया कि औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) व स्टेट ड्रग अथॉरिटी की ओर से जारी ड्रग अलर्ट में देशभर की 135 दवाओं के सैंपल गुणवत्ता पर खरे नहीं उतरे।

महिलाएं चाहें तेज प्रगति

रचना बादल

8 मार्च को स्त्री विमर्श को सार्थक करते हुए महिला दिवस मनाने की परंपरा 1975 में शुरू हुई जब इस साल को महिला वर्ष घोषित किया गया । 1975 में ही संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया भर में महिलाओं की स्थिति में सुधार करने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने था के उद्देश्य के साथ महिला वर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने की पहल की। तब से ही हर वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक विशेष थीम चुनी जाती है जो उस समय की प्राथमिकताओं को दर्शाती है। हर वर्ष एक नई थीम होती है जो महिलाओं के अधिकारों, समानता और विकास के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित होती है।

पिछले वर्ष की थीम महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर केंद्रित रही। इसका मुख्य संदेश है कि महिलाओं में निवेश करने से समाज और अर्थव्यवस्था में तेजी से प्रगति होगी। यानी यानी उन का मानना था कि यदि महिलाओं से संबंधित क्षेत्र में अधिक निवेश किया जाएगा तभी प्रगति को पंख लगा सकेंगे और साथ ही साथ महिलाओं का विकास भी हो सकेगा।

2025 - “तेजी से कार्रवाई” - इस थीम का उद्देश्य लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति को तेज़ करना है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के अनुसार, वर्तमान गति से पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 2158 तक का समय लग सकता है, जो लगभग पाँच पीढ़ियों के बराबर है। इसलिए, इस थीम के माध्यम से, समाज को संयुक्त रूप से प्रयास करने और ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि महिलाओं के अधिकारों और समानता को शीघ्रता से सुनिश्चित किया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष के लिए एक नई थीम इसलिए चुनी ताकि उसका अधिकाधिक प्रभाव महिला विकास एवं उन्नयन तथा उनके अपडेशन पर पढ़ सके एवं महिलाओं का जीवन पहले के मुकाबले बेहतर हो सके साथ ही साथ में समझ में सर ऊंचा करके सामाजिक एवं राष्ट्रीय विकास के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे सके और निश्चित रूप से इस प्रकार से थीम बेस्ड महिला वर्षों ने अपना असर दिखाई भी है।

हर वर्ष एक थीम के साथ महिला दिवस मनाने से सामाजिक परिवर्तन गतिशील हुए हैं तथा विभिन्न देशों की सरकारों ने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर उनकी स्थिति में सुधार लाने के लिए विभिन्न नीतियाँ बनाई हैं। इसका प्रभाव सामाजिक परिदृश्य पर भी दिखाई दिया है।

दुनिया भर के तीसरी दुनिया के देश जिम एशिया एवं अफ्रीका महाद्वीप मुख्य रूप से शामिल है आज भी महिलाओं को वह समानता का अधिकार नहीं दे पा रहे हैं जिसकी वह हकदार है लेकिन प्रतिवर्ष एक थीम को लेकर महिला वर्ष या महिला दिवस मनाने से इस क्षेत्र में सुधार हुआ है जिसके परिणाम स्वरूपकई देशों ने लैंगिक समानता को कानूनी रूप से सशक्त करने के लिए नए कानून बनाए हैं।

हर वर्ष महिला दिवस मानने से जहां महिलाओं में जागरूकता आई है वहीं उनके लिए अनेक कार्यक्रम चलाए गए हैं महिला रोजगार में वृद्धि हुई है आज में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में खुलकर कार्य कर रहे हैं तथा समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में अभिनव योगदान दे रही है साथ ही साथ सरकारों एवं स्वायत्त साहसी संस्थाओं द्वारा भी महिला उद्यमिता और वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ चलाई गई हैं।

नंदी के कान में लोग क्यों कहते हैं अपनी मनोकामना?

भगवान शिव के मंदिर में अक्सर भक्त नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से भोलेनाथ अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

भगवान शिव को देवो का देव महादेव कहा जाता है और जिस पर उनकी कृपा होती है उसके जीवन में कभी कोई संकट या परेशानी नहीं आती। इसलिए लोग भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए उनका जलाभिषेक करते हैं और विधि-विधान से पूजन करते हैं। भोलेनाथ की पूजा में नंदी का भी खास महत्व होता है और मंदिर में भक्त नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर नंदी जी के कानों में अपनी मनोकामना क्यों कही जाती है? आइए जानते हैं कि इससे जुड़ी पौराणिक कथा के बारे में।

इसलिए कहते हैं नंदी के कान में मनोकामना

नंदी भगवान शिव के सबसे प्रिय और करीबी भक्त हैं। भगवान शिव एक योगी हैं और अधिकतर समय तपस्या में लीन रहते हैं। ऐसे में यदि बार-बार उनके कानों में भक्तों की आवाज या मनोकामना जाएगी तो उनकी तपस्या भंग हो जाएगी। भोलेनाथ की तपस्या भंग न हो इसलिए नंदी जी हमेशा उनकी पहरेदारी करते हैं। नंदी के कान में मनोकामना कहने से वह भगवान शिव तक पहुंच जाती हे। यही वजह है कि लोग भगवान शिव तक अपनी मनोकामना पहुंचाने के लिए नंदी का सहारा लेते हैं।

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव ने स्वंय नंदी को यह वरदान दिया था कि जो भी भक्त तुम्हारे कान में आकर अपनी मनोकामना कहेगा उसकी इच्छा अवश्य पूरी होगी। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि मनोकामना किसी और को सुनाई न दे इसलिए फुसफुसाकर अपनी मनोकामना कही जाती है।

नंदी के कान में कैसे कहें अपनी मनोकामना?

अगर आप भगवान शिव तक अपनी मनोकामना पहुंचाना चाहते हैं तो सबसे पहले नंदी के कान में ॐ शब्द का उच्चारण करें। फिर अपनी मनोकामना कहें लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि नंदी के बाएं कान में ही अपनी मनोकामना कहनी चाहिए। इससे भोलेनाथ तक जल्द मनोकामना पहुंचती है और पूरी भी होती है।

पति ही नहीं, बल्कि सास के दिल पर भी राज करती हैं इस मूलांक की लड़कियां

भाग्यशाली मूलांक

अंक ज्योतिष के अनुसार व्यक्ति की जन्मतिथि के आधार पर मूलांक तय किए जाते हैं जो कि 1 से 9 अंक तक होते हैं। मूलांक के जरिए व्यक्ति के स्वभाव, व्यक्तित्व व भविष्य का अंदाजा लगाया जा सकता है। कुछ मूलांक की लड़कियां अपने पति के साथ ही सास की भी फेवरेट होती हैं।

मूलांक 3 वाली लड़कियां

अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 3 वाली लड़कियां बहुत ही भाग्यशाली होती हैं। अपने पति और ससुराल वालों के दिलों पर राज करती हैं। केयर करने में यह लड़कियां बहुत आगे होती हैं और इसलिए हर किसी के दिल में जगह बना लेती हैं।

घर में पॉजिटिविटी

मूलांक 3 वाली लड़कियों का स्वभाव बहुत ही सरल और हंसमुख होता है। जिसकी वजह से इनके आसपास नेगेटिविटी नहीं आती और न ही उदासी रहती। ये अपने गुणों से घर के माहौल को हमेशा पॉजिटिव बनाकर रखती हैं।

सास की फेवरेट

अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 3 वाली लड़कियों में ऐसे गुण होते हैं जो कि सास के दिल में जल्दी जगह बना लेते हैं। इसलिए यह लड़कियां सास की फेवरेट बन जाती हैं और सास इन पर खूब दुलार बरसाती है।

खुशहाल दांपत्य जीवन

मूलांक 3 वाली लड़कियां अपने पार्टनर के प्रति ईमानदार होती हैं और उनके साथ साथ परिवार से भी बहुत प्रेम करती हैं। इनका यही गुण दांपत्य जीवन को खुशहाल बनाता है।

दूसरों की सेवा

मूलांक 3 वाली लड़कियों में सामाजिकता होती है और दूसरों को दुखी देखकर यह उनकी मदद के लिए आगे बढ़ती हैं। इन्हें दूसरों की सेवा करने में सुकून मिलता है।

इन 5 लोगों को भूलकर भी नहीं देखना चाहिए होलिका दहन

होलिका दहन के नियम

हिंदू धर्म में होलिका दहन का पर्व बहुत ही खास माना गया है। इस साल यह पर्व 13 मार्च 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन होलिका जलाने के साथ ही कामना की जाती है कि जीवन से सभी परेशानियों का भी अंत हो जाए। होलिका दहन के कुछ नियम होते हैं जिनका पालन करना महत्वपूर्ण माना गया है।

किसे नहीं देखना चाहिए होलिका दहन?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुछ लोगों के लिए होलिका दहन देखना वर्जित माना गया है।

इस नियम का पालन प्राचीन काल से चला आ रहा है और लोग आज भी इसका पालन करते हैं। क्योंकि ऐसा न करने पर घर में परेशानियां आ सकती हैं। आइए जानते हैं किन 5 लोगों को नहीं देखना चाहिए होलिका दहन?

नई दुल्हन

कहते हैं कि शादी के बाद लड़की को अपने ससुराल में पहली होली पर नहीं रूकना चाहिए। क्योंकि ससुराल में पहली बार होलिका दहन देखना अशुभ माना गया है। इससे दांपत्य जीवन में संकट आ सकते हैं। इसलिए पहली होली पर लड़कियां अपने मायके आ जाती हैं।

नए घर में शिफ्ट

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जो लोग नए घर में शिफ्ट हुए हैं उन्हें भी पहली होली व होलिका दहन नए घर में नहीं मनाना चाहिए। इसलिए धार्मिक मान्यताओं में होली के आस-पास नए घर में शिफ्ट होने की मनाही है। ऐसा करने पर घर पर संकट आने की संभावना रहती है। इसलिए यदि संभव हो तो होली के बाद नवरात्रि में ही नए घर में प्रवेश करना चाहिए।

गर्भवती महिला

गर्भवती महिला को भी होलिका दहन नहीं देखना चाहिए और न ही होलिका की परिक्रमा लगानी चाहिए। ऐसा करना अशुभ माना गया है और इससे बच्चे पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

सास-बहू

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सास बहु को एक साथ होलिका दहन नहीं देखना चाहिए। इससे रिश्ते में दरार पैदा होती है और रिश्ते खराब हो सकते हैं।

इकलौती संतान

मान्यता है कि जिन लोगों के इकलौती संतान होती है उन्हें भी होलिका दहन न देखना चाहिए और न ही पूजा करनी चाहिए। इससे संतान के जीवन में कष्ट व परेशानियां आती हैं।

होली से पहले घर लेकर आएं ये 5 चीजें, मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी, कभी नहीं होगी पैसों की कमी

फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि के दिन होलिका दहन होता है और इसके अगले दिन होली का त्योहार मनाया जाता है। इस साल होलिका दहन 13 मार्च 2025 को है और फिर 14 मार्च 2025 को धूमधाम के साथ होली मनाई जाएगी।

होली पर लाएं ये चीजें

रंगों का पर्व होली हर ओर रंगों के साथ खुशियां बिखेरता है और ऐसे में वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ चीजें घर में लेकर बेहद ही शुभ माना जाता है। होली आने में कुछ ही दिन बाकी हैं, इसलिए होली से पहले ही अपने घर में ये चीजें लाने से कभी धन की कमी नहीं होगी।

श्रीयंत्र या गोमती

घर में श्रीयंत्र या गोमती चक्र रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आप होली से पहले घर में श्रीयंत्र या गोमती चक्र लेकर आना शुभ होता है। इससे घर में सुख, समृद्धि आती है और मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है।

बंदनवार या तोरण

बंदनवार या तोरण को बहुत ही शुभ माना जाता है और वास्तु में भी इसका विशेष महत्व है। कहते हैं कि होली से पहले घर के मुख्य द्वार पर बंदनवार लगाना चाहिए। इससे घर का वास्तु दोष समाप्त होता है और हर कार्य में सफलता हासिल होती है।

फिश एक्वेरियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगगर आप घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली चाहते हैं तो होली से पहले फिश एक्वेरियम लेकर आएं। इस एक्वेरियम को घ की उत्तर या उत्तर—पूर्व दिशा में रखें। मान्यता है कि यह दिशा धन के देवता कुबेर की होती है और यहां एक्वेरियम रखने से घर में कभी आर्थिक संकट नहीं आता।

बांस का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार होली से पहले घर में बांस का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। इसे घर में लगाने से नकारात्मकता खत्म होती है और सुख-समृद्धि बढ़ती है।

क्रिस्टल का कछुआ

होली से पहले अगर घर में क्रिस्टल का कछुआ रखा जाए तो बहुत शुभ होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार क्रिस्टल का कछुआ घर में सकारात्मकता लेकर आता है और धन लाभ के नए रास्ते भी खुलते हैं।

वास्तु के अनुसार, जानें क्यों रखा जाता है पूजा घर में जल?

ज्योतिष के अनुसार, पूजा घर में नियमित रूप से पूजा-पाठ होता है जिस वजह से इन सबका असर पानी में होता जाता है और इस जल से घर में छिड़काव करने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। ये ही वजह है धार्मिक स्थलों के जल को अमृत माना जाता है।

मंदिर में रखें जल को नियमित रूप से बदलते रहना चाहिए। जल रखने के लिए तांबे का बर्तन सबसे ज्यादा शुभ होता है। पानी से भरे तांबे के बर्तन को रखना घर की प्रगति के लिए अच्छा माना जाता है।

ऐसी मान्यता है कि जब भी पूजा के बाद आरती समाप्त होती है तब उसका आचमन जल से ही किया जाता है। ऐसा करने का कारण यह है कि जल की पूजा वरुण देव के रूप में होती है और वही दुनिया की हर एक वस्तु की रक्षा करते हैं।

शास्त्रों के अनुसार, कोई भी पूजा-आरती बिना आचमन के अधूरी मानी जाती है। इसीलिए मंदिर में जल का लोटा रखा जाता है। जिससे आरती संपन्न होने के बाद जल से आचमन किया जा सके।

यदि आप पूजा घर में रखे जल में तुलसी की कुछ पत्तियां डालकर रखते हैं, तो यह जल और ज्यादा पवित्र हो जाता है। इसके प्रभाव से घर में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पूजा के स्थान पर रखे हुए जल की ओर सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है और यह आपके आस-पास के माहौल में ऊर्जा का संचार करती है, जो मन को शांत करने में मदद करती है। इसके अलावा इस जल में पवित्र नदियों का जल भी मिलाना शुभ माना जाता है।

घर-परिवार के बड़े लोगों से आशीर्वाद लेकर और भगवान का ध्यान करके शुरू करना चाहिए काम

रामायण में सीता माता का अपहरण रावण द्वारा किया जा चुका था, और वानर सेना का एक दल समुद्र किनारे चिंतित बैठा था। वानरों को ये निश्चित करना था कि लंका जाकर कौन देवी सीता की खोज करेगा। इस दल में हनुमान, जामवंत, अंगद थे। इन सभी को संपाति नामक गिद्ध ने ये बता दिया था कि सीता जी लंका में ही हैं। लेकिन समस्या यह थी कि समुद्र के उस पार लगभग सौ योजन की दूरी पर लंका थी। इतनी दूर लंका कौन जा सकता था?

वानर दल चिंतित था। कोई भी इस कठिन काम को करने में सक्षम नहीं दिख रहा था। वानर आपस में विचार-विमर्श कर रहे थे, लेकिन किसी के पास इतना बल और आत्मविश्वास नहीं था कि वह इस विशाल समुद्र को पार कर सके।

हनुमान जी को जामवंत ने दिलाई उनकी शक्ति की याद

रामभक्त हनुमान भी चुपचाप बैठे हुए थे। वे भगवान राम के प्रति समर्पित थे, लेकिन उन्हें अपनी शक्ति का आभास नहीं था, इस वजह से वे भी शांत थे। वानरों की सेना के सबसे वृद्ध और अनुभवी जामवंत ने इस परिस्थिति को भांप लिया।

जामवंत जानते थे कि हनुमान के पास दिव्य शक्तियां हैं, लेकिन वे स्वयं इसे पहचान नहीं पा रहे हैं। जामवंत ने हनुमान को प्रेरित करते हुए कहा कि हे हनुमान, आपका जन्म ही प्रभु श्रीराम के कार्यों के लिए हुआ है। आप क्यों चुपचाप बैठे हैं? ये कार्य केवल आप ही कर सकते हैं। अब समय आ गया है कि आप लंका जाने के लिए तैयार हो जाएं और सीता माता की खोज करें।

जामवंत के इन शब्दों ने हनुमान को उनकी शक्तियों का एहसास करा दिया। वे अपनी शक्तियों को पहचान गए और लंका जाने के लिए स्वयं को तैयार कर लिया।

लंका जाने से पहले हनुमान ने ली थी जामवंत से सलाह

जब हनुमान लंका की ओर उड़ान भरने के लिए तैयार हुए, तब उन्होंने जामवंत से विनम्रतापूर्वक पूछा कि आप मुझे सलाह दें कि लंका जाकर मुझे क्या करना चाहिए?

यहां हनुमान जी ने अपने अद्भुत व्यक्तित्व का परिचय दिया है। वे बलवान और बुद्धिमान हैं, इसके बाद भी अनुभवी लोगों की सलाह को महत्व देते थे। जामवंत ने उन्हें समझाया कि लंका में सावधानी से प्रवेश करें, वहां सीता माता से मिलें और फिर भगवान श्रीराम को उनकी स्थिति की सही जानकारी दें।

हनुमान ने इस सलाह को गंभीरता से सुना। इसके बाद हनुमान ने जामवंत को प्रणाम किया और फिर वानर सेना के सभी साथियों को नमन किया। इसके बाद वे अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण अभियान पर निकल पड़े।

इस प्रसंग से सीखें 4 बातें

1. आत्मविश्वास और अपनी शक्ति को पहचानें – हनुमान को खुद अपनी शक्ति का अंदाजा नहीं था, लेकिन जामवंत ने उन्हें प्रेरित किया और उन्होंने अपनी शक्तियों को पहचाना। इसी तरह हमें भी अपनी क्षमताओं को समझना चाहिए।

2. अनुभवी लोगों की सलाह लेकर आगे बढ़ें - भले ही हम अपने कार्य में सक्षम हैं, लेकिन हमें बड़े-बुजुर्गों और अनुभवी लोगों की सलाह लेनी चाहिए। बड़ों की सलाह हमारे आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है।

3. बड़ों का आशीर्वाद लेकर आगे बढ़ें – हनुमान ने अपने अभियान पर जाने से पहले जामवंत और वानर सेना के अन्य साथियों को प्रणाम किया। हमें भी इस बात ध्यान रखना चाहिए कि हम जब भी कोई बड़ा कार्य करें, तब हमें अपने परिवार, गुरु और समाज के बड़े लोगों का आशीर्वाद लेना चाहिए।

4. मजबूत संकल्प से मिलती है सफलता – हनुमान के भीतर न केवल बल था, बल्कि उन्होंने अपने उद्देश्य को पूरा करने का दृढ़ संकल्प भी किया था। इसी संकल्प के कारण वे सीता माता की खोज करने में सफल हुए।

अक्षय कुमार ने ट्विंकल खन्ना के लिए शिल्पा शेट्टी को धोखा दिया, 'कभी नहीं सोचा था कि वो डबल डेट करेगा'

अक्षय कुमार बॉलीवुड के शीर्ष अभिनेताओं में से एक हैं और उन्होंने ट्विंकल खन्ना से शादी की है. अक्षय और डिंपल अपने बच्चों, आरव और निताारा के साथ खुशहाल जीवन जी रहे हैं. हालांकि अक्षय एक अच्छे पिता औऱ पति हैं, लेकिन उनका नाम कई बी-टाउन हसीनाओं के साथ जुड़ा है. रेखा से लेकर रवीना टंडन तक, उनके सभी लिंक-अप टिनसेल टाउन में चर्चा का विषय हुआ करते थे. हालांकि, शिल्पा शेट्टी के साथ उनके बदसूरत ब्रेकअप ने उस दौरान बहुत सुर्खियां बटोरीं. ऐसी खबरें थीं कि अक्षय ने ट्विंकल के लिए शिल्पा को छोड़ दिया था.

अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी का प्यार तब परवान चढ़ा जब दोनों ने फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' में साथ काम किया. दोनों को एक-दूसरे से बेहद प्यार करते हुए देखा गया और कई इवेंट्स में साथ देखा गया, शिल्पा को पता चला कि अक्षय ट्विंकल के साथ वो उन्हें डबल डेट कर रहे और इसने शिल्पा के दिल को तो तोड़ दिया, क्योंकि कहा जाता है कि उस दौरान शिल्पा और ट्विंकल अच्छे दोस्त हुआ करते थे.

मुझे यकीन नहीं था वो ऐसा करेगा

साल 2000 में एक इंटरव्यू में शिल्पा ने अक्षय के साथ बेवफाई के बारे में खुलकर बात की थी और कहा था कि 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि वह मेरे साथ टू टाईमिंग करेगा और वह भी हमारे रिश्ते के दौरान. मैं उससे बिल्कुल भी नाराज़ नहीं हूं. अगर मेरा आदमी मुझे धोखा दे रहा था तो उसका क्या दोष है? किसी दूसरी महिला को दोष देने का कोई मतलब नहीं है, यह पूरी तरह से उसकी गलती थी'. शिल्पा ने कहा कि 'अक्षय कुमार ने मेरा इस्तेमाल किया और किसी और को ढूंढ़ने के बाद मुझे आसानी से छोड़ दिया. एकमात्र व्यक्ति जिससे मैं नाराज़ थी वह वही था।

मुझे यकीन है कि वह सब कुछ वापस पा लेगा. अतीत को इतनी जल्दी भूलना आसान नहीं है, लेकिन मुझे खुशी है कि मेरे पास आगे बढ़ने की ताकत है. आज, जहां तक मेरा सवाल है, वह एक भूला हुआ अध्याय है. मैं उसके साथ फिर कभी काम नहीं करूंगा.

बता दें अक्षय और ट्विंकल खन्ना ने साल 2001 में बेहद निजी अफेयर में शादी कर ली और आज कपल के दो बच्चों है और वो खुशहाल जिवन जी रहे हैं.

जान्हवी कपूर मां श्रीदेवी के खिलाफ जाकर फिल्मों में आईं, 28 की उम्र में खड़ी की 82 करोड की संपत्ति

पहली महिला सुपरस्टार कही जाने वाली श्रीदेवी की बेटी जान्हवी कपूर भले ही उनकी तरह वो सफलता ना हासिल ना कर पाई हो, लेकिन उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है और अपने दम पर करोड़ों की संपत्ति भी बना ली है. ऐसे में आज उनके 28वें जन्मदिन पर जानें उनसे जुड़ी कुछ खास बातें. आपको बता दें फिल्म जुदाई में उर्मिला के किरदार का नाम जान्हवी था और इस दौरान बोनी औऱ श्रीदेवी को ये नाम बेहद पसंद आया औऱ जब उनकी बेटी हुई तो दोनों ने इसका नाम जान्हवी रखा.

फिल्म धड़क से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वालीं जाह्नवी बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थीं, लेकिन उनकी मां और लेजेंड्री दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी कभी नहीं चाहती थीं कि वे फिल्मी दुनिया में कदम रखें। दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और फिल्म मेकर बोनी कपूर की बेटी जाह्नवी कपूर ने 2018 में अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था, तब से लेकर अभी तक उनका करियर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है. हालांकि उन्होंने जैसे तैसे अपनी मां को मना लिया और उन्हें करण जौहर ने अपनी प्रोडक्शं की फिल्म ऑफर की और इसकी शूटुंग भी चालू हो गई थी, लेकिन जब बेटी की पहली फिल्म रिलीज से महज पांच महीने पहले श्रीदेवी का निधन हो गया.

जान्हवी ने अपनी धीरूभाई अंबानी इंटरनेशन स्कूल से की है और साथ ही उन्होंने कैलिफोर्निया के ली स्ट्रासबर्ज थिएटर एंड फिल्म इंस्टीट्यूट से उन्होंने एक्टिंग का कोर्स किया हुआ। गजनी के डायरेक्टर ए.आर.मुरुगदॉस एक समय में जाह्नवी कपूर को साउथ सिनेमा में लॉन्च करना चाहते थे और उन्होंने जान्हवी को महेश बाबू के साथ कास्ट करने का ऑफर भी दिया था, लेकिन ये ऑफर जाह्नवी ने ठुकरा दिया था। जान्हवी कपूर 28 साल की उम्र में एक घर की मालकिन भी हैं और साथ ही मुंबई में उनका औऱ भी घर हैं. एक घर की कीमत 30 करोड़ के पास है और इसमें पांच गार्डन और पार्किंद एरिया भी है।

जाह्नवी कपूर की नेटवर्थ पर नजर डालें तो मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जाह्नवी कपूर 82 करोड़ रुपये संपत्ति की मालकिन हैं और वो एक फिल्म से 5 सो 10 करोड़ तक चार्ज करती हैं. साथ ही वो विज्ञापनों से अच्छा पैसा करती हैं औऱ रियल स्टेट में भी उनका पैसा लगा हुआ है।

संजय दत्त के घर में अमीषा पटेल को नहीं थी शॉर्ट्स पहनने की इजाजत, कहा वो 'पजेसिव और प्रोटेक्टिव'

अमीषा पटेल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में संजय दत्त के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है. अमीषा पटेल ने संजय दत्त के घर पर मनाए गए अपने जन्मदिन के बारे में खुलकर बातें की है और साथ ही बताया है कि वो बाहर चाहे जितना भी फैशन कर लें, लेकिन जब वो संजू के घर पर जाती हैं तो उन्हें पूरे कपड़े पहनने पड़ते हैं, क्योंकि संजय को ये चीजें अच्छी नहीं लगती हैं. चलिए जानते हैं सकीना ने इसे लेकर क्या कुछ कहा है.

संजय के घर वेस्टर्न कपड़े नहीं पहन सकती

अमीषा ने बताया कि संजय दत्त उनके लिए बेहद पजेसिव और प्रोटेक्टिव हैं और उन्होंने यह भी बताया कि सुपरस्टार के घर पर उन्हें एक खास ड्रेस कोड का पालन करने के लिए कहा गया था. जब मैं उसके घर जाती हूँ, तो मुझे शॉर्ट्स पहनने की अनुमति नहीं होती, मुझे वेस्टर्न कपड़े नहीं पहने को बोला गया है और केवल सूट पहनना पड़ता है.

मैं तेरा कन्यादान करुंगा

संजू एक ऐसा व्यक्ति है, जो कहता है, 'तुम इस फिल्म उद्योग में रहने के लिए बहुत मासूम हो. इसके साथ ही अमीषा ने संजू बाबा के बारे में बेहद कमाल की बता कही और बताया कि मीषा ने संजय दत्त के बारे में कहा कि वो कहते हैं कि 'मैं तेरी शादी करवाउंगा, मैं लड़का ढूंढूंगा, मैं कन्यादान करुंगा'.

मेरा हमेशा ख्याल रखते हैं

संजय दत्त के घर पर अपना जन्मदिन मनाने के समय को याद करते हुए, अमीषा पटेल ने बताया कि 'वो मुझसे प्यार करते हैं, हमेशा मेरी भलाई के बारे में सोचते हैं. वह हमेशा मुझसे पूछते हैं कि क्या मैं ठीक हूं. इसलिए यह मेरे जन्मदिन में से एक था, संजू के घर में, केक काटना एक निजी पार्टी थी. अमीषा पटेल और संजय दत्त ने ये है जलवा, तथास्तु, चतुर सिंह टू स्टार जैसी फिल्मों में काम किया है.

पौराणिक शो रामायण में अरुण गोविल को मिली थी सबसे ज्यादा फीस, कितनी है संपत्ति

टेलीविजन के सबसे पसंदीदा पौराणिक शो में से एक 'रामायण' आज भी हमारे दिलों में बसा हुआ है. इस क्लासिक टीवी शो में अरुण गोविल 'भगवान राम', सुनील लहरी 'लक्ष्मण', दीपिका चिखलिया सीता, दारा सिंह 'हनुमान' और अरविंद त्रिवेदी 'रावण' की भूमिका में हैं। इस शो ने पूरे देश में खूब लोकप्रियता हासिल की थी.

बता दें जब पहले उन्हें राजा राम का किरदार ऑफर किया ता उन्होंने ये सोचकर मना कर दिया था कि वो बहुत सारी व्यावसायिक फ़िल्में करे रहे हैं और लोग उन्हें पसंद नहीं करेंगे. इसके बारे में खुद बात करते हुए अरुण ने कहा था कि मेरे दोस्तों और परिवार ने कहा कि यह तुम्हारे लिए अच्छा नहीं है. रामानंद सागर ने मेरा ऑडिशन लिया और ऑडिशन में उन्होंने मुझे रिजेक्ट कर दिया.

आपको जानकर हैरानी होगी कि अरुण के बेटों प्रेम सागर, मोती सागर और आनंद सागर ने मुझे भरत और लक्ष्मण का किरदार निभाने के लिए कहा, लेकिन मैंने कहा कि 'मैं भगवान राम की भूमिका निभाना चाहता हूँ और अगर मैं इसके लिए उपयुक्त नहीं हूँ तो कोई बात नहीं'. लेकिन क्या आप जानते हैं कि रामायण की पूरी स्टार कास्ट में सबसे ज़्यादा पैसे किस एक्टर को मिले , आइए जानते हैं कि 38 साल पहले आए इस शो में हाइएस्ट पेड एक्टर कौन था? एक रिपोर्ट के अनुसार, रामानंद सागर, जिन्होंने रामायण में भगवान राम की भूमिका के लिए अरुण गोविल को शुरू में अस्वीकार कर दिया था, ने उन्हें अन्य कलाकारों की तुलना में सबसे अधिक फीस दी थी. अगर मीडिया में आई खबरों के मानें तो राम का किरदार करने के लिए अरुण गोविल को 40 लाख रुपये का पे चेक लिया था और ये पूरा एपिसोड का था, जितने भी उन्होंने शूट किए हैं.

अरुण गोविल ने टीवी औऱ फिल्मों में जमकर काम किया है और उन्होंने अपनी अच्छी संपत्ति खड़ी की है. एक्टर के पास 220 ग्राम सोना भी है, जिसकी कीमत करीब 10.93 लाख रुपये बताई जाती है. साथ ही पत्नी के पास 600 ग्राम की सोन की जूलरी भी है. इसके साथ ही उनके पास प्लॉट भी है जिसकी कीमत लाखों और करोड़ों में है कई मीडिया पोर्टलों के मुताबिक अरुण गोविल की कुल प्रॉपर्टी लगभग 5 मिलियन है. यानी रामायण के राम 38 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति के मालिक हैं.

हीरो-हीरोइन के बीच वेतन असमानता पर शेफाली शाह ने तोड़ी चुप्पी

कहा- योग्यता को आधार बनाना चाहिए

बॉलीवुड में भी लैंगिक असमानता ने पावं पसारे हुए हैं। हीरो और हीरोइन को मिलने वाला वेतन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। समय-समय पर इस मसले पर बातें और चर्चा भी होती हैं। हाल ही में चर्चित अभिनेत्री शेफाली शाह ने भी इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है। उनका कहना है कि यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है। वेतन के लिए आधार हमेशा योग्यता को बनाया जाना चाहिए।

शेफाली ने उठाए ये सवाल

शेफाली शाह ने बॉलीवुड में वेतन असमानता पर बात की। उन्होंने इस मसले पर निष्पक्षता की मांग की है। उन्होंने कहा कि महिला प्रधान फिल्में अब बहुत हिट हो रही हैं, लेकिन वेतन में अंतर बना हुआ है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, 'यह ठीक नहीं है'। शेफाली ने कहा कि लीड कलाकारों को जेंडर देखे बिना सिर्फ योग्यता के आधार पर वेतन क्यों नहीं दिया जाता? उन्होंने कहा कि मेकर्स की तरफ से ज्यादा वेतन की पेशकश करना दुर्लभ है। उम्मीद है कि कलाकारों को वह मिलेगा, जिसके वे हकदार हैं।

'महिला प्रधान फिल्में भी हो रहीं हिट'

शेफाली शाह ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान पुरुष और महिला कलाकारों के असमान वेतन पर चल रही बहस पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस मामले में निष्पक्षता की जरूरत है। शेफाली ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ इंटरव्यू के दौरान कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव आया है। अब महिला प्रधान फिल्मों को भी काफी सफलता मिली है। हालांकि, इस तरक्की के बावजूद, पुरुष और महिला अभिनेताओं के बीच भुगतान का अंतर बना हुआ है। शेफाली ने कहा, 'यह ठीक नहीं है। मैं अब भी समझ सकती हूं कि एक समय में बड़ी फिल्मों में हीरो की वजह से फिल्में बिकती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आज, ऐसी कई फिल्में हैं, जो महिला प्रधान हैं और जो बड़ी हिट रही हैं। क्या उन्हें उतना ही पैसा मिल रहा है जितना हीरो को मिल रहा है? मुझे नहीं पता'।

योग्यता आधारित प्रणाली का सुझाव दिया

शेफाली ने कहा कि वेतन सिर्फ योग्यता के आधार पर मिलना चाहिए। उन्होंने योग्यता आधारित प्रणाली का सुझाव देते हुए कहा, 'क्या होगा यदि हम इसमें जेंडर को शामिल न करें और यदि हम इसे इस तरह से देखें - आपको वह मिले, जिसके

आप हकदार हैं। लेकिन, अफसोस कि ऐसी स्थिति में, कौन तय करेगा कि मैं हकदार हूं? यह कैसे पता? लेकिन यदि आप लीड रोल कर रहे हैं तो आपको यह सोचकर कास्ट किया गया है कि यह कलाकार इसे पूरा कर सकता है... इसलिए आपको नहीं लगता कि यह कलाकार बाकी से थोड़ा ज्यादा का हकदार है?

विवादों में 'सेलेब्रिटी मास्टरशेफ', स्क्रिप्टेड होने का दावा, खाना बनाने का ढोंग करते हैं सेलेब्स?

सेलेब्रिटी मास्टरशेफ का आगाज ग्रैंड था. अभी भी शो को इंटरनेट पर काफी हाईप मिल रहा है. आए दिन शो किसी ना किसी वजह से चर्चा में रहता है. बावजूद इसके सेलेब्रिटी मास्टरशेफ को टीआरपी नहीं मिल रही है. उम्मीद के मुताबिक, शो को ऑडियंस का रिस्पॉन्स नहीं मिला है. कुकिंग शो फिनाले के करीब है. लेकिन कंट्रोवर्सी शो का पीछा छोड़ने का नाम नहीं ले रही है. जानते हैं शो से जुड़े बड़े विवाद।

क्या शो में होती है फेक कुकिंग?

दावा है कि शो स्क्रिप्टेड है. शो में कंटेस्टेंट्स खुद खाना नहीं बनाते हैं, बल्कि उन्हें बना बनाया खाना दिया जाता है. फेक कुकिंग रूमर्स पर कंटेस्टेंट फैसल शेख ने एक इंटरव्यू में रिएक्ट भी किया है. उनका कहना है- सुनने में आ रहा है कि हम लोग रियल कंटेंट नहीं दे रहे हैं यहां पर. पीछे से खाना आ जाता है. ये सब कहना लोगों की सोच है. ऐसा लोग सोच सकते हैं क्योंकि सेलेब्स से ज्यादा उम्मीद नहीं की जाती है खाने को लेकर. लेकिन ये जो सेलेब्रिटी मास्टरशेफ है वो काफी बढिया और फन शो है. इसके साथ हम रियल में खुद से खाना बनाते हैं.

दीपिका कक्कड़ ने इस शो से टीवी पर कमबैक किया था. लेकिन बीच में उन्हें शो छोड़ना पड़ा. हाथ में दर्द उठने की वजह से दीपिका ने शो क्विट किया. लेकिन शो छोड़ने के कुछ दिनों बाद दीपिका बिना बेल्ट लगाए घूमते दिखीं. जिसे देख लोगों का अंदाजा है एक्ट्रेस ने झूठ बोलकर कुकिंग शो छोड़ा. दीपिका को शो में रोने धोने पर लोगों ने खूब ट्रोल किया था.

सेलेब्रिटी मास्टरशेफ पर हो रहा मेलोड्रामा

सेलेब्रिटी मास्टरशेफ में हर कंटेस्टेंट बस रोता ही रहता है. लोगों का कहना है शो को 'सेलेब्रिटी टीयर शेफ' बुलाओ. दीपिका कक्कड़, तेजस्वी प्रकाश, अर्चना गौतम, निक्की तंबोली को हर एपिसोड में किसी ना किसी बात पर रोते देखा गया. हारने पर वे रोती हैं, जीतने पर भी रोती हैं. कभी रोने की वजह नहीं मिलती तो अर्चना बॉयफ्रेंड संग ब्रेकअप को लेकर शो में रोने लगती हैं. इतना सारा इमोशनल ड्रामा लोगों से देखा नहीं जा रहा है. शायद यही वजह है ऑडियंस को शो की सच्चाई पर शक है.

फराह खान के बयान पर विवाद

शो में फराह ने कहा था कि सारे छपरी लोगों का फेवरेट त्योहार होली होता है. बस फिर क्या था लोगों की भावनाएं आहत हो गईं. हिंदुस्तानी भाऊ ने फराह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया. पुलिस में शिकायत तक दर्ज करवा दी. छपरी कमेंट लोगों को नागवार गुजरा. हालांकि फैंस का मानना है फराह ने मस्ती में ये बयान दिया. हालांकि उनके बयान ने कुकिंग शो को लाइमलाइट में जरूर ला दिया. वो सेलेब्रिटी मास्टरशेफ शो की होस्ट हैं.

सना खान ने संभावना सेठ को बुर्का पहनने के लिए किया मजबूर, तो चिल्ला उठीं एक्ट्रेस

सना खान ने टीवी से लेकर फिल्मों तक में कां किया और उन्होंनेकई फिल्मों जैसे कि सिलंबट्टम, हल्ला बोल, जय हो और वजह तुम हो में अपना काम किया है. हालांकि सालों पहले उन्होंने ग्लैमर की दुनिया को छोड़ दिया और पूरी तरह से अदूर हो गई. 2020 के दौरान वो आध्यात्म की राह पर निकल चुकी हैं, लेकिन अक्सर ही अपने बयानों के कारण विवादों में आ जाती हैं. ऐसे में हाल ही में उन्होंने संभावना सेठ को बुर्का पहनने के लिए फोर्स किया है, जिस वजह से एक्ट्रेस जमकर उनपर गुस्सा निकाल रही हैं.

संभावना को बुर्का पहनना चाहिए- सना

एक्टिंग और ग्लैमर की दुनिया से दूर हो चुकीं एक्ट्रेस सना खान इन दिनों अपने एक वीडियो की वजह से सुर्खियों में छाई हुई हैं. सना खान अपने पॉडकास्ट पर संभावना सेठ से पूछती नजर आईं कि क्या उनके पास कोई अच्छी सलवार कमीज नहीं है. सना ने अपनी दोस्त से पूछा कि क्या वह थप्पड़ खाना चाहेगी और पूछा कि उसका दुपट्टा कहां है, उन्होंने यह भी कहा कि संभावना को बुर्का पहनना चाहिए. संभावना, सना खान पर चिढ़ जाती हैं और वो चिल्लाते हुए कहती हैं कि

सना ने संभवना को कहा दुप्पटा लो और बुर्का पहनो

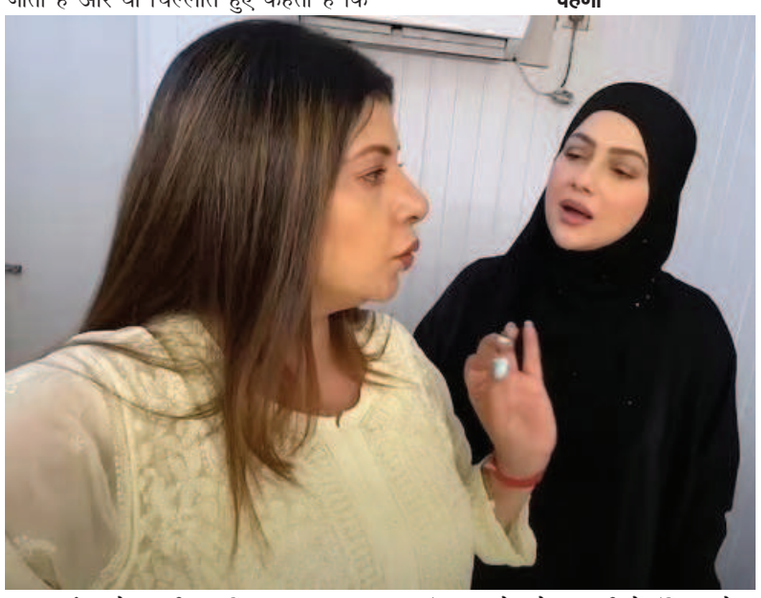

अब आई ना ये अपनी असलियत पर.

संभावना सेठ ने हाल ही में इंडिया फ़ोरम के साथ एक इंटरव्यू दिया जिस दौरान उनसे सना खान की 'बुर्का लाओ' टिप्पणी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'यह उनके और सना के बीच एक मज़ेदार बातचीत थी और वो सालों से दोस्त हैं. सना ने उन्हें रमज़ान स्पेशल पॉडकास्ट में शामिल होने के लिए बुलाया था और चर्चा संभावना के बढ़ते वज़न और उनके कपड़ों के टाइट होने के बारे में थी. संभावनाना कहा कि उसी दौरान मजाक में सना ने दुपट्टे वाली बात कही थी.

हिंदू होने पर गर्व है और बुर्का नहीं पहनूंगी

संभावना सेठ ने कहा कि वह इस बात को पूरी तरह से समझती हैं कि उन्हें रमजान विशेष एपिसोड के लिए शॉर्ट्स नहीं पहनना चाहिए और वह ऐसा नहीं करेंगी और उन्होंने कहा कि वह स्वयं अपने निर्णय लेने वाली व्यक्ति हैं और कोई भी उन्हें बुर्का पहनने या उनके पहनावे के संबंध में निर्देश देने के लिए बाध्य नहीं कर सकता. मैं सभी धर्मों का सम्मान करती हूं, लेकिन मुझे हिंदू होने पर गर्व है और मैं बुर्का नहीं पहनूंगी।

बीकानेर की बेटी बनी मिसेज यूनिवर्स-2025 एंजिला स्वामी ने थाईलैंड में जीता खिताब

बीकानेर की बेटी एंजिला स्वामी ने मिसेज यूनिवर्स का खिताब जीतकर न केवल अपने शहर, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है. यह प्रतियोगिता 24 से 28 फरवरी 2025 के बीच थाईलैंड की राजधानी पटाया में आयोजित हुई थी, जहां दुनिया भर की श्रेष्ठ महिलाओं ने भाग लिया था. एंजिला ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व के दम पर प्रथम स्थान हासिल कर यह गौरवशाली खिताब अपने नाम किया.

पहले भी जीता है ये इनाम

इससे पहले भी एंजिला ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था. उन्होंने मिसेज इंडिया ऑरा ग्लोबल का खिताब जीतकर खुद को एक सशक्त महिला के रूप में स्थापित किया था. अब मिसेज यूनिवर्स बनने के बाद उन्होंने वैश्विक मंच पर अपनी क्षमता को साबित किया है. इस जीत से बीकानेर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में गर्व और उत्साह की लहर दौड़ गई है.

परिवार को दिया जीत का श्रेय

एंजिला स्वामी अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार को देती हैं. उनके जीवनसाथी हेमंत स्वामी (जो वर्तमान में एनटीपीसी नागपुर में वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं) ने हर कदम पर उनका समर्थन किया. इसके अलावा, उनके पिता सत्यनारायण स्वामी और ससुर सूर्यनारायण स्वामी ने भी उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. परिवार के सहयोग और अपनी कड़ी मेहनत के बलबूते पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है.

'कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं'

आज के दौर में सौंदर्य प्रतियोगिताएं केवल सुंदरता तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि इनमें बुद्धिमत्ता, आत्मविश्वास, संवाद कौशल और संपूर्ण व्यक्तित्व को भी परखा जाता है. एंजिला स्वामी ने अपनी प्रतिभा और कुशाग्रता से यह साबित कर दिया कि बीकानेर जैसे सांस्कृतिक शहर की महिलाएं भी वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ सकती हैं. बीकानेर की इस गौरवशाली बेटी की सफलता से न केवल महिलाओं को प्रेरणा मिली है, बल्कि उन सभी को सीखने का अवसर मिला है जो अपने सपनों को साकार करने की दिशा में प्रयासरत हैं. एंजिला ने यह संदेश दिया है कि अगर आत्मविश्वास, समर्पण और मेहनत हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता.

बीकानेर में जश्न जैसा माहौल

उनकी इस उपलब्धि पर बीकानेरवासियों ने खुशी जाहिर की है और शहर में जश्न का माहौल बना हुआ है. विभिन्न संगठनों और संस्थाओं ने उन्हें सम्मानित करने की घोषणा की है. यह जीत न केवल एंजिला के लिए बल्कि बीकानेर और पूरे देश के लिए गर्व का विषय है. उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि अगर कोई व्यक्ति अपनी मंज़िल के लिए पूरी शिद्दत से मेहनत करे, तो वह वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकता है.

जब 'मुग़ल-ए-आज़म' के सेट पर दिलीप कुमार ने मधुबाला को जड़ दिया था थप्पड़, ब्रेकअप के बाद निकाला था गुस्सा?

दिलीप कुमार और मधुबाला की लव स्टोरी की चर्चा आज भी होती है। दोनों का रिश्ता काफी उतार चढ़ाव से गुजरा और अंत में खत्म हो गया। दिलीप कुमार और मधुबाला की मुलाकात साल 1951 में आई फिल्म 'तराना' के सेट पर हुई थी। पहले दोनों दोस्त बने लेकिन फिर उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। साथ में दोनों ने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन सबसे ज्यादा मशहूर हुई 'मुग़ल-ए-आज़म', मगर कम ही लोग इस बात को जानते होंगे कि इस फिल्म तक दोनों का रिश्ता खत्म हो चुका था।

के आसिफ की फिल्म 'मुग़ल-ए-आज़म' की शूटिंग के दौरान दिलीप कुमार और मधुबाला लवर्स से एक्स लवर्स बन चुके थे। उनके ब्रेकअप की कई वजहें थीं, जिनमें मधुबाला के पिता का रिश्ते में दखल देना और बाद में फिल्म 'नया दौर' को लेकर हुआ केस। जिसमें फिल्म निर्माता बीआर चोपड़ा ने मधुबाला पर मुकदमा दायर किया और दिलीप कुमार को अपना गवाह बनाया। दोनों का रिश्ता खत्म होने में ये लीगल केस सबसे बड़ी वजह बना। दरअसल मधुबाला फिल्म साइन करने के बाद पीछे हट गई थीं, जिसके कारण उन्हें कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ा था।

मगर इसके बावजूद दोनों ने साथ में 'मुग़ल-ए-आज़म' में काम किया और इस फिल्म में एक सीन शूट करते समय दिलीप कुमार ने मधुबाला को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। दरअसल सीन ऐसा ही था, जिसमें सलीम को अनारकली को थप्पड़ मारना था, लेकिन दिलीप कुमार ने एक्टिंग के बीच मधुबाला

को जोरदार थप्पड़ मारा था। जिसके बाद डायरेक्टर ने कहा था कि उन्होंने अपना गुस्सा निकाला।

इस घटना का जिक्र खतीजा अकबर की किताब 'आई वांट टू लिवः द स्टोरी ऑफ मधुबाला' में अजीत के ज़रिए किया गया है, जो 'मुग़ल-ए-आज़म' में उनके को एक्टर थे। अजीत दिलीप के साथ 'नया दौर' में भी थे। किताब में बताया गया है कि दिलीप ने मधुबाला के चेहरे पर पूरी ताकत से मारा। हालांकि शॉट को मंजूरी मिल गई थी, लेकिन सेट पर एक अजीब सी खामोशी छा गई क्योंकि किसी को भी ये नहीं पता था कि ऐसा होने वाला है।

अजीत ने बताया है कि जब ऐसा हुआ तो मधुबाला हैरान रह गई थीं और खड़ी थीं। निर्देशक के. आसिफ दौड़कर उनके पास गए और उनसे कहा कि ये थप्पड़ इस बात का सबूत है कि दिलीप अभी भी उनसे प्यार करते हैं, भले ही उनका ब्रेकअप हो चुका हो। उन्होंने कथित तौर पर कहा, "मैं आज बहुत खुश हूं क्योंकि ये स्पष्ट है कि वे अभी भी आपसे प्यार करते हैं। प्यार में पड़े आदमी के अलावा और कौन ऐसा कर सकता है? ये केवल ये साबित करता है कि वो आपसे प्यार करते थे और अब भी आपसे प्यार करते हैं, चाहे आप कुछ भी सोचें।" हालांकि निर्देशक की इस बात से मधुबाला को कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि वो इस बात से हैरान थीं कि जिस आदमी ने कभी उनसे प्यार किया था, उसने एक्टिंग के बहाने उन्हें थप्पड़ मारा।

अपनी किताब में दिलीप कुमार ने लिखा है कि मधुबाला के पिता अताउल्लाह खान उनकी शादी को बिजनेस में बदलना चाहते थे। उन्होंने कहा था कि शादी के बाद दिलीप और मधुबाला दोनों ही उनकी प्रोडक्शन कंपनी के लिए काम करेंगे। दिलीप ने अपनी किताब में लिखा है, "मैंने उन दोनों को समझाया कि मेरे काम करने और प्रोजेक्ट चुनने का अपना तरीका है और मैं कोई ढिलाई नहीं दिखाऊंगा, भले ही वह मेरा खुद का प्रोडक्शन हाउस ही क्यों न हो। इससे उनके लिए स्थिति बदल गई होगी और उन्होंने मधु को सफलतापूर्वक यह समझा दिया कि मैं असभ्य और अहंकारी हो रहा हूं।"बता दें कि मधुबाला और दिलीप कुमार के बीच दुश्मनी इतनी बढ़ गई कि उन्होंने आखिरकार एक-दूसरे से बात करना ही बंद कर दिया। उन्हें आज भी सलीम और अनारकली के रूप में उनकी ऑन-स्क्रीन प्रेम कहानी के लिए याद किया जाता है, लेकिन उनकी असल ज़िंदगी की दुखद प्रेम कहानी किसी फ़िल्म से कम नहीं थी और इसी वजह से प्रशंसक उनकी ज़िंदगी में दिलचस्पी लेते हैं।

भले ही उस वक्त दोनों का रिश्ता टूट गया, लेकिन अपने आखिरी वक्त में मधुबाला ने दिलीप कुमार से मिलने की इच्छा जताई थी और वो उनसे मिलने गए भी थे। अपनी किताब में दिलीप कुमार ने इस बात का जिक्र किया था। उन्होंने सायरा बानो की खूबियों के बारे में भी बताया है। उन्होंने बताया कि सायरा को कभी उनके अतीत से परेशानी नहीं थी, वो आज में जीने वाली इंसान हैं। दिलीप ने बताया कि जब वो फिल्म 'राम और श्याम' की शूटिंग के लिए मदरास में थे, उन्हें मधुबाला का संदेश मिला था। उन्होंने कहा, "हमारे निकाह के बाद, जब हम मदरास में थे, मुझे मधुबाला का मैसेज मिला कि वो मुझे मिलना चाहती है। मैंने मुंबई आते ही सायरा को मैसेज के बारे में बताया, तभी सायरा ने कहा कि मुझे मधु से मिलना चाहिए।"

दिलीप कुमार ने मधुबाला से आखिरी मुलाकात के बारे में लिखा, "जब मैं मधु के घर गया तो मुझे यह देखकर दुख हुआ कि वह बहुत कमजोर लग रही थी। उसके चेहरे का पीलापन न केवल उसके खराब स्वास्थ्य के बारे में बता रहा था, बल्कि उसकी खूबसूरत मुस्कान भी एक प्रयास की तरह लग रही थी। वह मुझे देखकर खुश हुई और बोली, 'हमारे शहजादे को उनकी शहजादी मिल गई है, मैं बहुत खुश हूं!"

क्राइम-ड्रामा सीरीज से सौरव गांगुली करेंगे अपना एक्टिंग डेब्यू?

हाल ही में निर्देशक-निर्माता नीरज पांडे की नई वेब सीरीज खाकीः द बंगाल चैप्टर का ट्रेलर रिलीज किया गया। इस क्राइम ड्रामा की कहानी पश्चिम बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है। कई सितारों से सजी इस सीरीज में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बंगाल टाइगर के नाम से जाने जाने वाले क्रिकेटर सौरव गांगुली भी नजर आ सकते हैं। दरअसल, इस चर्चा को हवा खुद सीरीज के निर्माता नीरज पांडे ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान दी।

नीरज पांडे के जवाब ने बढ़ाई उत्सुकता

सीरीज के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मीडिया ने नीरज पांडे से खाकीः द बंगाल चैप्टर में क्रिकेटर सौरव गांगुली की गेस्ट अपीयरेंस को लेकर चल रही चर्चा के बारे में सवाल किया। इस पर नीरज पांडे ने जो जवाब दिया वो अब इन कयासों को और भी हवा दे गया है। हालांकि, नीरज पांडे ने इस बारे में ज्यादा कुछ तो नहीं बताया, लेकिन उन्होंने मुस्कुराते हुए सवाल का जवाब दिया और कहा कि जहां तक सौरव का सवाल है, देखते रहिए। नीरज का सिर्फ इतना कहना ही अब इन लोगों के जेहन में सौरव गांगुली की मौजूदगी को लेकर और भी उत्सुकता बढ़ा गया है, क्योंकि नीरज

ने गांगुली के होने की खबरों को सिरे से नहीं नकारा है।

नीरज ने बताया आखिर क्यों कोलकाता को ही चुना

ट्रेलर लॉन्च के दौरान नीरज पांडे ने कोलकाता से अपने लगाव और व्यक्तिगत संबंधों पर भी बात की। जिसकी वजह से उन्होंने अपने इस नए प्रोजेक्ट के लिए कोलकाता को ही चुना। नीरज ने कहा, "मैं कोलकाता में ही पैदा हुआ और यहां ही पला-बढ़ा हूं। यही वजह रही कि खाकी सीरीज के दूसरे चरण के लिए मैंने कोलकाता को ही चुना। ये मेरी व्यक्तिगत पसंद है।"

एक आईपीएस अफसर की कहानी को दिखाएगी सीरीज

देबात्मा मंडल और तुषार कांति रे द्वारा निर्देशित यह सीरीज नीरज पांडे की खाकीः द बिहार चैप्टर का दूसरा पार्ट है, जिसमें बंगाल पर आधारित कहानी दिखाई जाएगा और यहां की घटनाओं को दिखाया जाएगा। सीरीज की कहानी 2000 के शुरूआती दौर में कोलकाता पर आधारित है। सीरीज एक आईपीएस ऑफिसर के अपराध, भ्रष्टाचार और राजनीतिक ताकत के विरुद्ध संघर्ष को दिखाएगी। इस सीरीज को नीरज पांडे, देबात्मा मंडल और सम्राट चक्रवर्ती ने मिलकर लिखा है।

बंगाली कलाकारों से भरपूर है सीरीज

सीरीज में बंगाली कलाकारों की एक भारी संख्या मौजूद है। जिसमें प्रोसेनजीत चटर्जी, जीत, परमब्रत चट्टोपाध्याय और सास्वता चटर्जी जैसे सितारों के नाम शामिल हैं। यह श्रृंखला पूरी तरह से बंगाली कलाकारों वाला पहला हिंदी नाटक भी है।

परिणीति चोपड़ा के पापा के पास नहीं होते थे केक के पैसे तो बर्थडे पर रसगुल्ला काटती थीं एक्ट्रेस

मगर हर साल बिजनेस क्लास में जाती थीं केन्या

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने हाल ही में अपने बचपन के स्ट्रगल्स के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके माता-पिता को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से कई बार उनके पास जन्मदिन का केक खरीदने के पैसे नहीं होते थे। ऐसे में उनके पापा बाजार से एक पीस रसगुल्ला या रसमलाई लाते थे और परिवार उसी को केक की तरह काटकर खुशियां मनाता था।

बचपन में देखा माता-पिता का संघर्ष

परिणीति ने इंटरव्यू में कहा, "मैंने अपने माता-पिता का संघर्ष देखा है। कई बार वे मेरे जन्मदिन पर केक नहीं खरीद सकते थे। तब मेरे पापा बाजार से सिर्फ एक रसगुल्ला या रसमलाई का एक पीस लाते थे, और हम उसी को केक की तरह काटकर सेलिब्रेट करते थे।" परिणीति ने यह भी बताया कि उनके नाना-नानी केन्या के नैरोबी में रहते थे और वे बहुत अमीर थे। हर साल गर्मियों की छुट्टियों में उनके नाना-नानी उन्हें और उनके भाइयों को बिजनेस क्लास में केन्या बुलाते थे।

हर माहौल में खुद को ढालने की आदत-

परिणीति चोपड़ा

परिणीति का कहना है कि उनका बचपन इस तरह से रहा है कि हम किसी से भी आसानी से घुल-मिल लेते हैं और इसी वजह से मैं और मेरे दोनों भाई किसी भी माहौल में खुद को ढाल सकते हैं और किसी से भी दोस्ती कर सकते हैं।" परिणीति चोपड़ा आखिरी बार इम्तियाज अली की फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आई थीं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा के भाई और परिणीति के कजिन सिद्धार्थ चोपड़ा की शादी थी, जहां परिणीति अपने पति राघव चड्ढा के साथ पहुंची थीं।

चेक बाउंस मामले में राम गोपाल वर्मा पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, गैर-जमानती वारंट जारी

मशहूर फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा को चेक बाउंस मामले में तगड़ा झटका लगा है। मामले में निर्माता की तरफ से दाखिल जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। साथ ही गैर-जमानती वारंट जारी किया है। राम गोपाल वर्मा पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी है।

निर्माता की याचिका खारिज

मुंबई की एक सत्र अदालत ने चेक बाउंस मामले में जेल की सजा निलंबित करने की फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा की याचिका खारिज करते हुए उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। इससे पहले, 21 जनवरी को अंधेरी स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) वाई पी पुजारी ने राम गोपाल वर्मा को इस मामले में दोषी ठहराया था।

अदालत में पेश नहीं हुए राम गोपाल वर्मा

मजिस्ट्रेट ने फिल्म निर्माता को तीन महीने की जेल की सजा सुनाई थी। साथ ही तीन महीने के भीतर शिकायतकर्ता को करीब 3.72 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया था। इसके बाद फिल्म निर्माता ने सत्र न्यायालय में अपील दायर कर सजा को निलंबित करने की मांग की। हालांकि, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए ए कुलकर्णी ने 4 मार्च को उनकी याचिका खारिज कर दी और फिल्म निर्माता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। राम गोपाल वर्मा सुनवाई के दौरान अदालत में पेश नहीं हुए, इसके बाद अदालत ने यह फैसला लिया। अदालत ने निर्माता की जेल की सजा को निलंबित करने की याचिका खारिज कर दी।

कब होगी अगली सुनवाई?

राम गोपाल वर्मा की तरफ से उनके वकील, दुरेंद्र के.एच. शर्मा ने अदालत में जमानत के लिए आवेदन किया था। वकील ने दो अलग-अलग आवेदन पेश किए थे, एक जमानत के लिए और दूसरा सजा पर रोक लगाने के लिए। लेकिन वर्मा की गैरमौजूदगी के कारण इन दोनों ही याचिकाओं को अदालत ने खारिज कर दिया। अब इस मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। इसी दौरान निर्माता के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के निष्पादन की रिपोर्ट भी पेश की जाएगी।

क्या है पूरा मामला

यह मामला श्री नाम की कंपनी द्वारा महेशचंद्र मिश्रा के माध्यम से 2018 में राम गोपाल वर्मा की फर्म के खिलाफ दायर की गई शिकायत से शुरू हुआ है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राम गोपाल वर्मा द्वारा जारी किया गया चेक कम राशि के कारण बाउंस हो गया था। जून 2022 में निदेशक को व्यक्तिगत मुचलका और 5000 रुपये की सुरक्षा जमा राशि प्रदान करने के बाद जमानत दे दी गई थी। मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 428 के तहत कोई 'सेट-ऑफ' नहीं होगा, क्योंकि राम गोपाल वर्मा मुकदमे के दौरान हिरासत में नहीं थे। कई सुनवाई और कानूनी कार्यवाही के बाद अदालत ने फिल्म निर्माता के खिलाफ फैसला सुनाया और कहा कि आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं।

सिनमाघरों में दर्शकों की कमी को लेकर सुभाष घई ने जताई चिंता

टिकटों की कीमत सस्ती करने की मांग

हाल ही में फिल्म निर्माता सुभाष घई ने सिनेमाघरों से दर्शकों की दूरी बढ़ने को लेकर चिंता जताई है। इसे लेकर निर्माता ने टिकटों की कीमतों को भी दोषी ठहराया है। इससे निपटने के लिए उन्होंने कुछ समाधान भी सुझाए हैं। आइए जानते हैं कि निर्माता ने कौन से सुझाव दिए हैं।

बॉलीवुड क्यों बर्बाद हो रहा?

बॉलीवड फिल्मों को सिनेमाघरों में कम दर्शक मिलने के कारण फिल्म निर्माता सुभाष घई ने चिंता जताई है। इसे लेकर निर्माता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने एक खाली पड़े सिनेमाघर की तस्वीर लगाते हुए लिखा कि आजकल बॉलीवुड क्यों बर्बाद हो रहा है। इसका कारण उन्होंने बताया कि दर्शक टिकटों की ज्यादा कीमत

होने के कारण सिनेमाघरों से दूरी बना रहे हैं।

निर्माता ने सुझाया समाधान

सिनेमाघरों में दर्शकों की कमी को देखते हुए फिल्म निर्माता सुभाष घई ने समाधान सुझाते हुए कहा कि बॉलीवुड को राज्य सरकारों के साथ मिलकर सिनेमाघरों की 30% सीट को इकोनॉमी क्लास के लिए किफायती दामों पर तय कर देना चाहिए। इस वजह से अधिक-अधिक दर्शक सिनेमाघरों की ओर वापस आएंगे। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर तमिलनाडु में नियम बनाया गया है।

निर्देशक की यह प्रतिक्रिया उस वक्त आई, जब दर्शकों के पास फिल्में देखने के ढेर सारे तरीके हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसे कई माध्यम हैं, जिसने दर्शकों को सिनेमाघरों में जाने से बहुत हद तक रोकने का प्रयास किया है।

एक नजर सुभाष घई की ओर

बतौर अभिनेता अपने करियर की शुरुआत करने के बाद सुभाष घई ने निर्देशन करियर में हाथ आजमाया। घई ने कई फिल्मों का निर्देशन किया, जिसमें कुछ फिल्में सुपरहिट साबित हुईं। वो फिल्में इस प्रकार हैं, 'ऐतराज', 'इकबाल', 'चाइना टाउन', 'अपना अपना मनी मनी' आदि।

टाटा और महिंद्रा की धरती पर टिक नहीं पाएगी टेस्ला

एलन मस्क की कंपनी को किसने दी चुनौती?

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में एंट्री करने के लिए तैयार है। टेस्ला ने मुंबई में एक शोरूम के लिए जगह लीज पर ली है। साथ ही कंपनी ने कर्मचारियों की भर्ती भी शुरू कर दी है। लेकिन हर कोई टेस्ला की सफलता को लेकर आश्वस्त नहीं है। JSW ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने मस्क की भारतीय बाजार में सफलता पाने की क्षमता पर संदेह जताया है। उनका कहना है कि टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी स्थानीय दिग्गज कंपनियां इतनी मजबूत हैं कि टेस्ला उनसे मुकाबला नहीं कर पाएगी।

जिंदल ने अर्न्स्ट एंड यंग एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स में कहा, 'एलन मस्क यहां नहीं हैं। वह अमेरिका में हैं। हम भारतीय यहां हैं। वह वो नहीं बना सकते जो महिंद्रा बना सकती है, जो टाटा बना सकती है- यह संभव नहीं है। वह ट्रंप के साये में अमेरिका में ऐसा कर सकते हैं। वह बहुत बुद्धिमान हैं, इसमें कोई शक नहीं। वह एक मनमौजी व्यक्ति हैं। अंतरिक्ष यान और ये सब बना रहे हैं। उन्होंने अद्भुत काम किया है। इसलिए मैं उनसे कुछ भी छीनना नहीं चाहता। लेकिन भारत में सफल होना कोई आसान काम नहीं है।'

जिंदल भी पूरी तरह से स्वामित्व वाला EV ब्रांड लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। पिछले साल JSW ग्रुप ने एमजी मोटर के साथ मिलकर नया जॉइंट वेंचर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया शुरू किया है। एमजी मोटर इंडिया चीनी वाहन निर्माता कंपनी SAIC मोटर की सहायक कंपनी है। इसके बाद एमजी मोटर का फोकस इलेक्ट्रिक वाहनों पर बढ़ गया है।

भारतीय कंपनियों ने कसी कमर

टेस्ला की भारत में एंट्री को लेकर घरेलू EV कंपनियों ने भी पूरी तैयारी कर ली है। भारत की प्रमुख EV निर्माता टाटा मोटर्स ने हाल ही में 2 लाख EV बिक्री के आंकड़े को पार करने का जश्न मनाया। इसमें एक्सचेंज बोनस, 100% फाइनेंसिंग और मुफ्त चार्जिंग जैसे कई ग्राहक प्रोत्साहन शामिल हैं।

वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा ने प्रतिस्पर्धा करने की अपनी कंपनी की क्षमता पर विश्वास जताया है। महिंद्रा के नए लॉन्च किए गए EVs, XEV 9e और BE 6e को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिससे इसकी स्थिति और मजबूत हुई है।

ट्रेनों में टिकट नहीं बसों का ठिकाना नहीं

हवाई किराया आसमान पर... होली पर घर कैसे जाएंगे?

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। अगर आप घर से दूर रहते हैं और होली पर घर जाना चाहते हैं तो आपको अब टिकट के लिए जद्दोजहद करनी पड़ सकती है। ट्रेन से लेकर बस तक में लगभग सारी सीटें पूरी तरह भर चुकी हैं।

वहीं हवाई किराया आसमान पर पहुंच गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आम लोग होली मनाने अपने घर कैसे जा पाएंगे?

इस बार होली 14 मार्च की है। होली मनाने के लिए लोग एक-दो दिन पहले घर के लिए निकलते हैं। ऐसे में 12 और 13 मार्च के लिए ट्रेन और बसों में सीटें लगभग पूरी तरह फुल हैं।

जो लोग ट्रेन की टिकट बुक नहीं करा पाए हैं वे तत्काल टिकट पर निर्भर हैं। हालांकि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि तत्काल में कन्फर्म टिकट मिल ही जाएगी। वहीं बसों में टिकट के लिए काफी लोग जुगाड़ लगा रहे हैं।

क्या है ट्रेनों की स्थिति?

12 और 13 मार्च के लिए कई ट्रेनें पूरी तरह फुल हो गई हैं। दिल्ली से बिहार, यूपी, राजस्थान आदि जगह जाने वालों की संख्या काफी ज्यादा रहती है। ऐसे में इन राज्यों में जाने वाली लगभग सारी ट्रेनों में सीटें फुल हैं।

काफी ट्रेनों में तो 300 तक वेटिंग लिस्ट है।

दिल्ली से 12 मार्च को चलने वाली 12310 तेजस राजधानी, 12494 संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, 22406 गरीब रथ, 12230 लखनऊ मेल आदि ट्रेनें पूरी तरह भर चुकी हैं। यहां तक कि कई में 300 से ऊपर की वेटिंग चल रही है।

बसों को लेकर क्या है हाल?

दिल्ली के आनंद विहार, कश्मीरी गेट और दिल्ली से सटे गाजियाबाद के कौशांबी बस अड्डे से देश के कई शहरों के लिए सीधी कनेक्टिविटी है।

यहां से चलने वाली एसी और नॉन एसी बसों की लगभग सभी टिकट बुक हो चुकी हैं। हालांकि कुछ शहरों में लिए अभी सीटें खाली हैं। लेकिन हो सकता है वे भी जल्दी भर जाएं।

पाकिस्तान में महंगा हुआ चिकन, रमजान में आसमान में पहुंच गई कीमत

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। रमजान का महीना शुरू हो गया है। वहीं लोन के पैसों पर गुजारा कर रहे पाकिस्तान में महंगाई ने पैर पसार लिए हैं। यहां चिकन की कीमत आसमान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान में रमजान के मौके पर आम लोगों के लिए चिकन खरीदना मुश्किल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कई जगह कीमत में 50 फीसदी तक की तेजी आ गई है।

चिकन की कीमत पर कंट्रोल बनाए रखने के लिए पाकिस्तानी सरकार ने इसकी कीमत तय की है, लेकिन इसका असर नहीं दिख रहा है। पाकिस्तान के कई शहरों की फुटकर मार्केट में सरकारी आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। दुकानदार सरकारी कीमत के मुकाबले काफी महंगा चिकन बेच रहे हैं।

कहां पहुंची कीमत?

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान में चिकन की कीमत काफी बढ़ गई है। रमजान शुरू होते ही कराची में ब्रायलर चिकन की कीमत में 120 से 150 रुपये प्रति किलो का उछाल आया है। इसी के साथ ब्रायलर चिकन की कीमत बढ़कर 720 से 800 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलो हो गई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
सूर्योदय - 06-33
सूर्यास्त - 18-20

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- कुंभ	मे	कुंभ...	05-19 बजे
चंद्र- वृष	मे	मीन....	06-58 बजे
मंगल मिथुन	मे	मेष---	08-34 बजे
बुध- मीन	मे	वृष---	10-18 बजे
गुरु- वृष	मे	मिथुन...	12-18 बजे
शुक्र- मीन	मे	कर्क....	14-31 बजे
शनि- कुंभ	मे	सिंह---	16-44 बजे
राहु- मीन	मे	कन्या...	18-50 बजे
केतु- कन्या	मे	तुला....	20-56 बजे
		वृश्चिक..	23-05 बजे
		धनु......	01-19 बजे
		मकर...	03-24 बजे

दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी, 09-18 तक उपरान्त नवमीं
मास - फाल्गुन शुक्ल, शुक्रवार 07 March
नक्षत्र - मृगशिरा 23-31 तक उपरान्त आर्द्रा
योग - प्रीति 18-14 तक उप आयुष्मान
करण- बव 09-18 तक उप बालव
विशेष:- होलाष्टक प्रारंभ
व्रत -त्योहार - श्री दादूदयाल ज.

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:58 से 12:27 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:33 - 08:00	शुभ	रोग	18:20 - 19:54	अशुभ
लाभ	08:00 - 09:29	शुभ	काल.	19:54 - 21:25	अशुभ
अमृत	09:29 - 10:58	शुभ	लाभ	21:25 - 22:56	शुभ
काल.	10:58 - 12:27	अशुभ	उत्पात	22:56 - 00:27	अशुभ
शुभ.	12:27 - 13:56	शुभ	शुभ.	00:27 - 01:58	शुभ
रोग	13:56 - 15:25	अशुभ	अमृत	01:58 - 03:29	शुभ
उत्पात	15:25 - 16:54	अशुभ	चंचल	03:29 - 04:59	शुभ
चंचल.	16:54 - 18:20	शुभ	रोग.	04:59 - 06:33	अशुभ

आपका राशिफल

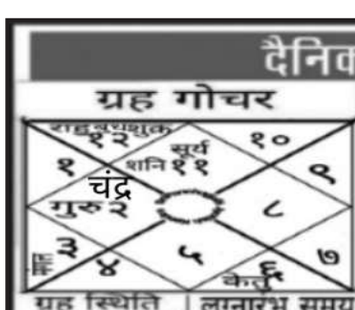

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशो के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो, सुझाव व उपायों में कोई खराबी नहीं है, परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं। तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है और चीजे धीरे-धीरे ठीक होनी शुरू हो जाएंगी।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं। आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए। यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी। आपका अपना आत्मविश्वास और ग्रहों का संयोग आज आपकी कैरियर सम्भंधी सभी बाधाओं को आसानी से दूर करेगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपके कार्यस्थल पर कोई अपने घमंड में अपनी उपलब्धियों को गिना सकता है, परन्तु आप बुरा न माने क्यों की वह आपको बुरा महसूस कराना चाहता है। आपने इस अनुपात में पहले ही इन उपलब्धियों को छुआ है। वित्तीय मोर्चे पर आप को पहले ही आपकी जरुरत या उससे ज्यादा ही मिला है जिसे आप संजोके रख सकते है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे। इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे। अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे। इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे। अपनी भावनाओं को खुल कर व्यक्त करें और घुमा फिराकर कहने से बचे।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे। पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे हालाँकि ये कदम कुछ मुशिकल हो सकता है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं, उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है, इसलिए निवेश की योजना को आज ठंडे बस्ते में डाल दे और शुभ समय का इंतजार करे।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है। अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है। विवेकपूर्ण तरीके से अपने कार्य क्षेत्र के बारे में सोचना समय की प्राथमिकता है।

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आज आप व्यवसायी की तरह सोचेंगे और धन पर नियंत्रण रखेंगे। इसका परिणाम यह होगा की धन तो संचित होगा पर आपके परिवार के खर्चे बढ़ेंगे जिसका उत्तर आपको ढूढ़ना होगा। असुरक्षा की भावना की वजह से आप जरुरत के खर्चों पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर सकते है। इस तरह की कृपणता की प्रवृत्ति से आपको बचना होगा क्यों की आपका धन प्रवाह सुचारू रहेगा।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे। नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे। ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए, न केवल अपने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित बल्कि अपने सहकर्मियों का समर्थन हासिल करना भी बहुत आवश्यक है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है। काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है। आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे। अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी करियर से सम्भंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है। आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है। आज आप अपने करियर के बारे में एक दिशा में सोच सकते है।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
व्यावहारिक स्थिति आज आपको काफी तीव्रता से काम करने के लिए मजबूर कर रही हैं, पर आपका मन अपने परिवार के साथ समय बिताने में अधिक रुचिकर दिखेगा। इसलिए, आपको दक्षता से अपनी दोनों प्रतिबद्धताओं को निभाना होगा। आप अपने काम को नजरअंदाज न करें, हालाँकि आपका मन इधर उधर भागेगा। आप उन दोनों के संतुलन के लिए अपने खाली समय या अपने दोपहर के भोजन के घंटे और अवकाश के समय के बाद का समय उपयोग कर सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कौड़ियों के भाव बिकेगा पेट्रोल-डीजल!

कच्चे तेल की कीमत में आई कमी, 3 संकेत जिनसे और गिर सकते हैं दाम

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमत में कमी आई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई है। यह अक्टूबर के बाद पहली बार हुआ है जब तेल की कीमतों में 2% से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। विदेशी बाजारों में कमजोर मांग को देखते हुए कच्चे तेल की कीमत में कमी आई है। अभी कई संकेत और ऐसे मिल रहे हैं जिनसे पता चलता है कि कच्चे तेल की कीमत में और कमी आ सकती है। इससे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत भी गिर सकती है।

बुधवार को तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। ब्रेंट क्रूड वायदा 0.3 फीसदी गिरकर 70.80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) क्रूड 0.9 फीसदी गिरकर 67.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज के मुताबिक कच्चे तेल की कीमत में गिरावट से भारत की तेल विपणन कंपनियों (OMCs) को फायदा हो सकता है।

और कम हो सकती है कच्चे तेल की कीमत

दुनियाभर में ऐसे कई संकेत मिल रहे हैं जिनके चलते आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमत और कम हो सकती है। तीन मुख्य संकेत इस प्रकार हैं:

1. रूस पर लगे बैन में ढील

इस समय अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने पर लगा है। ऐसे में अमेरिका ने रूस पर जो बैन लगाए हैं, उनमें वह कुछ ढील दे सकता है। अमेरिका ने विदेश और वित्त मंत्रालयों से उन बैन की लिस्ट तैयार करने को कहा है जिनमें रूस को ढील दी जा सकती है। ऐसा होने पर रूस की ओर से तेल की सप्लाई बढ़ सकती है। ऐसे में तेल की कीमत में कमी आ सकती है।

2. ओपेक+ ने बढ़ाया प्रोडक्शन

ओपेक+ ने अपने तेल प्रोडक्शन बढ़ाने का फैसला लिया है। रॉयटर्स की एक खबर के मुताबिक OPEC+ ने अप्रैल में तेल प्रोडक्शन को 138,000 बैरल प्रतिदिन बढ़ाने का फैसला किया है। ऑयल प्रोडक्शन में यह वृद्धि साल 2022 के बाद पहली बार हो रही है। OPEC+ ग्रुप का कहना है कि यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ओपेक और सऊदी अरब पर कीमतें कम करने के लिए दबाव बढ़ाने के बाद उठाया गया है।

एफएमसीजी कंपनियों में आयकर राहत व ब्याज दरों में कटौती से बढ़ सकती है मांग

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियों के लिए तीसरी तिमाही काफी मिली जुली रही। कंपनियों की आय तो बढ़ी लेकिन कच्चे माल की बढ़ती कीमतों की वजह से मार्जिन पर दबाव रहा। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियों ने महाकुंभ के दौरान अपनी बिक्री को बढ़ाने के लिए उस ओर भी खर्च को बढ़ाया, जिसका असर वित्तीय वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में देखने को मिलेगा साथ ही मांग में सुधार और शहरी क्षेत्रों में सुधार के संकेत की वजह से कंपनियों की परेशानी कम होने की संभावना है। मोतीलाला ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025 चौथी तिमाही में शहरी मांग में थोड़ा बहुत सुधार होने के संकेत है, तो दूसरी ओर केंद्रीय बजट 2025 में आयकर राहत तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती से शहरी मांग में सुधार होगा। जिसका असर कंपनियों की परिणामों दिखाई देगा। बावजूद इसके कंपनियों की मांग 10 तिमाही से कम बनी हुई है, हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में बिक्री में सुधार है, लेकिन शहरी क्षेत्रों में मांग सुस्त है।

मुद्रास्फीति और कच्चे माल की बढ़ती लागत आनंद राठी की रिपोर्ट के अनुसार कॉफी, चाय और कोको के साथ अन्य कमोडिटी की बढ़ती कीमतों की वजह से कंपनियों की लागत बढ़ रही है। पिछले कुछ महीनों में पॉम ऑयल के दाम और निर्यात भी चुनौती बना हुआ है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक साल से कॉफी की कीमतें दोगुनी से अधिक है। गेहूं और पाम ऑयल की कीमतों में 20 से 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इन सभी वजहों से ब्रिटानिया तथा नेस्ले जैसी अधिकतर कंपनियों ने कई कैटेगरी में उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी भी की है, जिसकी वजह से मांग सुस्त बनी हुई है। एफएमसीजी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी हिन्दुस्तान लिवर और डाबर जैसी कंपनियों ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में अपनी बिक्री में गिरावट देखी है।

बढ़ती लागत की वजह से कंपनियों ने विज्ञापन खर्च को कम किया

वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में एफएमसीजी कंपनियों ने अपने विज्ञापन खर्च को कम कर दिया है। यहां तक की आगामी आईपीएल को भी लेकर कंपनियों ने बजट पर विचार कर रही हैं। कंपनियों द्वारा हाल ही में वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के परिणामों के आंकड़ों से पता चलता है कि हिन्दुस्तान यूनिलिवर का पिछले साल की तुलना में विज्ञापन खर्च को 8 प्रतिशत घटकर 1,466 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि पिछली तिमाही में इसमें 15 प्रतिशत की कमी आई थी। डाबर इंडिया का विज्ञापन व्यय 7.3 प्रतिशत से घटकर 225.7करोड़ रुपये रह गया है, जबकि कोलगेट पामोलिव का भारतीय परिचालन में 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ यह 1,452 करोड़ रुपये रहा। विज्ञापन खर्च में कमी प्रमुख रूप से जरूरी वस्तुओं पर मुद्रास्फीति के दबाव के कारण देखने को मिल रही है। जिसकी वजह से कंपनियों के मार्जिन पर दबा बना हुआ। जबकि गोदरेज और मैरिको ने अपने विज्ञापन व्यय को बढ़ाया है।

प्रमोटर के पिता पर निवेशकों से 2,434 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

सीबीआई ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जाने-माने कारोबारी आनंद जयकुमार जैन और उनकी कंपनी जय कॉर्प लि., पराग शांतिलाल पारेख, कई कंपनियों और व्यक्तियों के खिलाफ रियल एस्टेट के नाम पर उगाहे गए 2,434 करोड़ रुपये और बैंकों से कर्ज के 3,938 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

आनंद जैन गेमिंग कंपनी ड्रीम11 के संस्थापक हर्ष जैन के पिता हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर एजेंसी ने केस दर्ज कर एसआईटी को जांच सौंपी है। मुंबई की आर्थिक अपराध शाखा को दिसंबर, 2021 व अप्रैल 2023 में मिली शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज किया। एफआईआर के अनुसार, मई 2006 और जून 2008 के दौरान आनंद जैन व अन्य आरोपियों ने दो कंपनियां बनाईं और लोगों से मुंबई व अन्य स्थानों पर रियल एस्टेट डेवलपमेंट के नाम पर 2,434 करोड़ एकत्र किए। बैंकों से नवी मुंबई सेज प्रा. लि. के नाम से 3,252 करोड़ रुपये कर्ज भी लिया। आरोपियों ने 2003-04 में मुंबई सेज लि. के लिए बैंकों से 686 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। आपराधिक साजिश रचकर आरोपियों ने निवेशकों व बैंकों की राशि मॉरिशस व जर्सी चैनल आइलैंड्स में कॉरपोरेट कंपनियां बनाने के लिए भेज दी। एफआईआर के अनुसार, एक नवंबर, 2007 से 29 नवंबर, 2007 के दौरान इस राशि का रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स की फ्यूचर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल हुआ। यह भी आरोप है कि उन्होंने बैंकों से लिए 98.83 करोड़ रुपये के विदेशी मुद्रा कर्ज को मॉरिशस में निवेश किया। जैन अंबानी परिवार के करीबी माने जाते हैं।

सोना 46 बढ़कर 86346 पर पहुंचा

चांदी 905 चढ़कर 96898 प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दामों में आज यानी 6 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 46 रुपए बढ़कर 86,346 रुपए पर पहुंच गया है। बुधवार को सोने का दाम 86,300 रुपए पर था। 19 फरवरी को गोल्ड ने 86,733 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 905 रुपए चढ़कर 96,898 रुपए प्रति किलो हो गई है। कल चांदी का भाव 95,993 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,640 रुपए है।

सेंसेक्स 609 अंक चढ़कर 74,340 पर बंद निफ्टी में 207 अंकों की बढ़त

मेटल, फार्मा और ऑयल एंड गैस के शेयर सबसे ज्यादा चढ़े

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन आज यानी गुरुवार (6 मार्च) को सेंसेक्स 609 अंक चढ़कर 74,340 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 207 अंकों की तेजी है, ये 22,544 के स्तर पर बंद हुआ। मेटल, फार्मा और ऑयल एंड गैस के शेयर सबसे ज्यादा चढ़े हैं।

निफ्टी मेटल और ऑयल एंड गैस इंडेक्स करीब 2.5% चढ़ा है। फार्मा और एफएमसीजी इंडेक्स करीब 1.50% ऊपर है। ऑटो और मीडिया इंडेक्स करीब 1% ऊपर बंद हुआ। एशियन पेंट, रिलायंस और एनटीपीसी सेंसेक्स के टॉप गेनर्स रहे।

एशियाई और अमेरिकी बाजारों में तेजी

एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 0.77% और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 3.29% की तेजी है। चीन के शंघाई कम्पोजिट में 1.17% की तेजी रही।

5 मार्च को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 2,895 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 3,370 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

5 मार्च को अमेरिका का डाओ जोंस 1.14% बढ़कर 43,006 के स्तर पर बंद हुआ। S&P 500 में 1.12% और नैस्डेक कंपोजिट में 1.46% की तेजी रही।

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार (5 मार्च) को सेंसेक्स 740 अंक चढ़कर 73,730 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 254 अंक की तेजी रही, ये 22,337 के स्तर पर बंद हुआ। मेटल और सरकारी बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

निफ्टी का मेटल इंडेक्स 4.04% चढ़कर बंद हुआ।

बजट सत्र, निधन सूचना में देरी, अफसरों पर होगा एक्शन

इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ सम्मेलन को महंत ने बताया बिना दूल्हे की बारात, चुनाव तारीख बढ़ाने पर वॉकआउट

रायपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के 8वें दिन की कार्यवाही के दौरान दिवंगत पूर्व सदस्यों की निधन की सूचना में देरी को लेकर हंगामा हुआ। स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रश्नकाल में इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ सम्मेलन का मुद्दा भी गूंजा। महंत ने इस सम्मेलन को दूल्हे के बिना बारात ले जाने वाली परंपरा बता दिया। इसके बाद शून्य काल में भी जिला और जनपद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष चुनाव की तारीख आगे बढ़ाने का मुद्दा उठा। इसे लेकर भी सदन में जमकर हंगामा हुआ और विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया।

विधानसभा में विधायक अजय चंद्राकर ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि, प्रशासन को स्पष्ट निर्देश है, इसके बावजूद दिवंगतों की सूचना समय पर नहीं दी जा रही है। उन्होंने आसंदी से इस पर कड़ा रुख अपनाने की मांग की।

स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने भी सहमति जताते हुए कहा कि, मैंने पहले भी शासन को निर्देश दिया था कि किसी भी पूर्व सदस्य की

डॉ. रमन सिंह

निधन सूचना में देरी न हो। यह बहुत आपत्तिजनक स्थिति है।

दरअसल, अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व विधायक डॉ. देवचरण मधुखर के निधन की सूचना सदन को 20 दिनों की देरी से मिली। वे 12 फरवरी को दिवंगत हुए थे, लेकिन विधानसभा को इसकी जानकारी 4 मार्च को मिली। इस पर स्पीकर ने नाराजगी जाहिर करते हुए सरकार को बिलासपुर जिले के दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने और इसकी रिपोर्ट सदन में इसी सत्र के दौरान पेश करने के निर्देश दिए। विधानसभा में गौण खनिज से प्राप्त राशि में अनियमितता को लेकर भी चर्चा हुई। प्रश्नकाल के दौरान विधायक राघवेंद्र कुमार ने इस मुद्दे को उठाया और सरकार से जांच की स्थिति स्पष्ट करने कहा। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि, अनियमितता की जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई है। इसके चलते 6 अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि गौण खनिज से 2 करोड़ 13 लाख 44 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई थी। जिसमें 26 में से 21 काम जल प्रदाय से जुड़े थे। जांच में भंडार नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई है। विधायक राघवेंद्र कुमार ने इस पर सवाल किया कि, क्या एक ही फर्म को 75 लाख रुपए का भुगतान किया गया है? इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, एक नहीं, बल्कि कई फर्मों को भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि, मामले की जांच के लिए मुख्य अभियंता के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई गई है, जिसकी रिपोर्ट जल्द ही पेश की जाएगी।

विधायक ने आगे पूछा कि, क्या दोषी फर्मों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा? इस पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, जिनके खिलाफ जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी साबित होगी, उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राजनांदगांव जिले में सामूहिक जलप्रदाय योजना को लेकर कांग्रेस विधायक दलेश्वर साहू ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव से जवाब मांगा। उन्होंने सवाल किया कि, योजना को लेकर जो जानकारी दी गई है, वो सही नहीं लग रही। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि योजना को शासकीय जमीन पर पंचायत प्रस्ताव के मुताबिक ही स्थापित किया गया है।

इस पर, विधायक ने दावा किया कि यह जमीन एक किसान के नाम पर है। उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी उपस्थिति में जांच की मांग भी की। इस पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने सहमति जताई और कहा कि, विधायक की उपस्थिति में जांच कराई जाएगी।

राशन-कार्ड फर्जीवाड़ा, एपीएल को बीपीएल बनाकर करोड़ों का घोटाला

2 साल तक 1355 कार्ड से निकाले चावल, राइस मिलर्स को बेचा, अब दूसरे अधिकारी करेंगे जांच

बिलासपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सरकारी चावल हड़पने के लिए खाद्य विभाग में एपीएल (अबोव पावर्टी लाइन) को बीपीएल (बिलो पावर्टी लाइन) राशन कार्ड बना दिया गया। 2 साल तक 1355 कार्ड से चावल का आवंटन कर करोड़ों की हेराफेरी की गई। इस मामले में फूड कंट्रोलर की भूमिका पर सवाल उठाए गए। लेकिन कोई एक्शन नहीं हुआ। बेलतरा से बीजेपी विधायक सुशांत शुक्ला ने मामला विधानसभा में उठाया, अधिकारियों के गोलमोल जानकारी देने और खाद्य मंत्री दयालदास बघेल के जवाब पर आपत्ति जताई। साथ ही कहा कि संबंधित विभाग के दोषी और जिम्मेदार अधिकारी के बजाए दूसरे अफसरों से जांच कराई जाए। जिस पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दूसरे अधिकारी से जांच कराने के निर्देश दिए। दरअसल, नगर निगम क्षेत्र के कई दुकानों में उचित मूल्य की दुकानों में चावल में गड़बड़ी हुई,

तब इस फर्जीवाड़ा का खुलासा हुआ। इस दौरान जिस दुकान में चावल में हेराफेरी की गई है, उसी दुकान में फूड विभाग के अफसरों ने दूसरी दुकानों को भी अटैच कर दिया, ताकि फर्जी राशन कार्ड से चावल उठाव किया जा सके। शुरुआती जांच में पता चला कि फर्जीवाड़ा कर बड़ी संख्या में कार्ड बनाए गए हैं। इसमें खास बात यह है कि जिनका कार्ड बनाया गया है, उन उपभोक्ताओं को इसकी जानकारी तक नहीं है। इस गड़बड़ी में विभाग के खाद्य नियंत्रक सहित अन्य अधिकारियों की मिलीभगत होने की आशंका है। खाद्य विभाग में एपीएल राशन कार्ड को बीपीएल राशन कार्ड बनाने का मामला तब सामने आया, जब वास्तविक कार्डधारियों को इसकी जानकारी हुई। पहले उन्हें पता ही नहीं था कि उनके नाम पर बीपीएल कार्ड बन गया है। इस तरह से एक नहीं। बल्कि सैकड़ों की संख्या में राशनकार्ड हैं, जिसे एपीएल से बदल कर बीपीएल राशन कार्ड बना दिया गया। विभाग के जानकारों का कहना है कि एपीएल से बीपीएल राशन कार्ड बनाना फूड कंट्रोलर की आईडी लॉगिन से ही संभव है। साल 2022 में एपीएल कार्ड को बीपीएल राशन कार्ड बनाने की बात कही जा रही है। सरकार बदलने के बाद ये फर्जीवाड़ा सामने आया है। अब मामला सामने आने पर विभाग के अफसर इसकी जांच कराने की बात कहते रहे। चूंकि, इस गड़बड़ी में खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया की मिलीभगत की आशंका थी। लिहाजा, जांच के नाम पर केवल लीपापोती की गई और किसी भी जिम्मेदार के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। राशन कार्ड बनाने में फर्जीवाड़ा करने वाले मास्टरमाइंड को खाद्य विभाग से आईडी आरसी 8841 जारी हुई थी। यह आईडी सिर्फ खाद्य विभाग से खाद्य अधिकारी के अनुमति से ही जारी हो सकता है।

इस आईडी से राशनकार्ड से जुड़े कोई भी काम खाद्य अधिकारी की आईडी में दर्ज हो जाता है। इसका सीधा मतलब है कि खाद्य अधिकारी को इस राशनकार्ड आईडी से जुड़ी हर बातें पता थी।

दो सड़क हादसे, आठ की मौत

डिवाइडर तोड़कर ट्रक से टकराई कार, 5 की गई जान, जेसीबी से निकालने पड़े शव

रायपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर में ट्रक और एक्सयूवी के बीच में भीषण टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, तेज रफ्तार कार डिवाइडर तोड़कर सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई।

फिलहाल मौके पर एडिशनल एसपी ग्रामीण समेत भारी पुलिस बल तैनात है। यह पूरा मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। वहीं, नारायणपुर जिले में सड़क के गड्ढों से ट्रैक्टर ट्रॉली बेकाबू होकर पलट गई। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 12 घायल हैं।

घायलों में 2 की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतकों में एक महिला और 2 पुरुष है। जानकारी के मुताबिक, हादसा बुधवार की देर रात हुआ है। नारायणपुर जिले के कोडोली ग्राम पंचायत के इरपानार के 16 ग्रामीण ओरछा राशन लेने गए थे। राशन लेकर देर रात घर लौट रहे थे। इसी बीच मढ़ोनार के पास ट्रैक्टर अनकंट्रोल होकर पलट गया। हादसे में ट्रॉली में सवार ग्रामीण काफी दूर तक फेंका गए। इनमें एक महिला और एक पुरुष ट्रॉली के नीचे दब गए। जिससे उनकी मौत हो गई। हादसे में 12 ग्रामीण घायल हुए हैं। इनमें 5 महिला, 6 पुरुष और 1 बच्ची शामिल है।

जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जिसके बाद ट्रॉली के नीचे दबे 3 ग्रामीणों को बाहर निकाला गया।

वहीं 12 ग्रामीणों को छोटे डोंगर के अस्पताल लाया गया। वहीं वन मंत्री केदार कश्यप ने स्थानीय प्रशासन से बात कर तत्काल सहायता करने और घायलों के इलाज के निर्देश दिए हैं।

झारखंड भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए बाबूलाल

अब नेता प्रतिपक्ष बनेंगे, कहा- सदन के भीतर और बाहर दोनों जगह करेंगे काम

रांची, 6 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को गुरुवार को झारखंड भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। भाजपा कार्यालय में बीजेपी संसदीय बोर्ड ने दो केंद्रीय पर्यवेक्षकों भूपेंद्र यादव और के. लक्ष्मण के साथ विधायकों की बैठक हुई। इसमें बाबूलाल मरांडी के नाम पर मुहर लगी। इसके साथ ही बाबूलाल मरांडी का अब नेता प्रतिपक्ष बनना तय हो गया। बाबूलाल मरांडी धनवार विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं।

भाजपा की ओर से विधायक दल का नेता चुने जाने की जानकारी देते हुए स्पीकर से नेता प्रतिपक्ष के रूप में बाबूलाल मरांडी को मान्यता देने के लिए पत्र लिखा जाएगा। इसके आधार पर स्पीकर उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की मान्यता देंगे। बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता चुने जाने पर पार्टी के विधायकों एवं

पदाधिकारियों ने बधाई दी।

केंद्रीय पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में सभी विधायकों ने नेता पद के लिए अपनी-अपनी राय दी। इसके बाद सर्वसम्मति से बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता चुना गया। नेता चुने जाते ही बैठक में मौजूद भाजपा के सभी विधायकों ने उन्हें बारी-बारी से बधाई दी। पार्टी पदाधिकारियों ने माला पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वे पार्टी और संगठन के लिए 24 घंटे काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सदन के अंदर और बाहर दोनों जगहों पर काम करेंगे। पार्टी के सभी विधायक और पदाधिकारियों के साथ पार्टी को कैसे मजबूत किया जाए, इस पर काम करेंगे। अपनी पूरी क्षमता और अपने पूरे ताकत का उपयोग करेंगे। सबको साथ लेकर चलने का प्रयास करेंगे। सदन में हमारे सभी वरिष्ट विधायक हैं। स्पीकर ने पिछली बार पूरे समय तक नेता प्रतिपक्ष के मामले को लटका कर रखा था। तब भी भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष के बिना ही सदन के भीतर और बाहर अपनी लड़ाई लड़ी। नेता चुने जाने को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत पार्टी के अन्य नेताओं के प्रति अभार व्यक्त किया।

ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद के. लक्ष्मण ने कहा कि झारखंड के लोगों का ख्याल रखते हुए ही विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी का चयन किया गया है। आदिवासी वर्ग को भी देखते हुए उनका चयन हुआ है। कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हम पूरे देश में सदन के बाहर और भीतर अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। भाजपा हर वर्ग के लोगों का ख्याल रखती है।

हिट एंड रन केस में युवक की मौत

थाने के सामने कार ने मारी टक्कर, 10 फीट उछलकर दीवार से टकराया, मॉर्निंग-वॉक पर निकला था

रायपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर में पुलिस स्टेशन के सामने हिट एंड रन केस का मामला सामने आया है। तेज रफ्तार कार ने मॉर्निंग वॉक पर निकले ऑटो ड्राइवर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे युवक करीब 10 फीट उछलकर दीवार से जा टकराया। सिर फटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का है। थाना प्रभारी योगेश कश्यप ने बताया कि, घटना आज (गुरुवार) सुबह करीब साढ़े 4 बजे की है। मृतक की पहचान मनोज पंसारी (43) निवासी शीतला मंदिर के पास पुरानी बस्ती के रूप में हुई है।

दरअसल, बूढ़ातालाब की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने युवक को टक्कर मार दी। दीवार से टकराते ही युवक का सिर बुरी तरह फट गया। जिससे तेजी से खून बहने लगा। कुछ ही मिनट में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सीसीटीवी वीडियो में साफ दिख रहा है कि, कार ड्राइवर ने एक्सीडेंट के बाद तेज रफ्तार में गाड़ी को ब्रेक भी मारा। लेकिन वो घायल युवक को उसी हालत में छोड़कर भाग गया।

पुलिस को आशंका है कि, कार ड्राइवर ने शराब पी रखी होगी। मृतक मनोज पंसारी मॉर्निंग के दो बच्चे भी हैं।

घटना के बाद परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। मनोज ऑटो चलाने का काम करता था। उस पर घर की जिम्मेदारी थी।

फिलहाल, पुरानी बस्ती पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से कार चालक की तलाश में जुट गई है।

झारखंड की महिला नक्सली दिल्ली से अरेस्ट

3 बड़े मुठभेड़ में शामिल रही है, हथियार चलाने में माहिर, हाउस क्लिनर का काम कर रही थी

चाईबासा, 6 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने झारखंड की एक बड़ी महिला नक्सली को पीतमपुरा के महाराणा प्रताप इनक्लेव से अरेस्ट किया है। 23 साल की यह महिला नक्सली वहां अपनी पहचान छिपाकर रह रही थी। वह घर में हाउस क्लिनिंग का काम करती थी। महिला नक्सली मूल रूप से पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुदाबुरु गांव की रहने वाली है। पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह के अनुसार, कई महीनों की निगरानी के बाद टीम को एनसीआर में माओवादी की मौजूदगी की जानकारी मिली थी। जिसके बाद महाराणा प्रताप एन्क्लेव में छापेमारी कर महिला नक्सली को पकड़ा गया है। आरोपी के खिलाफ आईपीसी, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। झारखंड की अदालत ने 26 मार्च

2023 को उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। पुलिस जांच में पता चला कि महिला 2020 में दिल्ली आई थी। वह फर्जी आधार कार्ड से नोएडा और दिल्ली में घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी। बाद में वह पीतमपुरा में रहने लगी थी। पूछताछ में महिला ने खुलासा किया कि उसने 5 साल तक हथियार चलाने की ट्रेनिंग ली है। वह 303 रायफल, एसएलआर, इंसास राइफल और हथगोले जैसे देसी व स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल करना जानती है। संभावना जताई जा रही है कि महिला नक्सली को आज चाईबासा लाया जा सकता है।इससे अन्य महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। गिरफ्तार महिला नक्सली कई बड़े एनकाउंटर में शामिल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार साल 2018 में कोल्हान में झारखंड पुलिस के साथ भी मुठभेड़ में वह शामिल थी। इसके अतिरिक्त 2019 में पोड़ाहाट और 2020 में सोनुआ में भी उसके कंपनी कमांडर जीवन कंडूला के साथ इसी तरह की मुठभेड़ हुई थी।

डीएमएफ घोटाला, रानू-सौम्या और सूर्यकांत की बढ़ी रिमांड

10 मार्च तक तीनों ईओडब्ल्यू की रिमांड पर रहेंगे टीम करेगी पूछताछ, माया-मनोज भी हिरासत में

रायपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पिछली सरकार में हुए डीएमएफ घोटाला मामले में गुरुवार को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई है। कोर्ट ने सौम्या चौरसिया, निलंबित आईएएस रानू साहू और कारोबारी सूर्यकांत तिवारी की 5 दिन की कस्टोडियल रिमांड बढ़ा दी है। दरअसल, कोर्ट में ईओडब्ल्यू की टीम ने तीनों की रिमांड बढ़ाने की मांग की। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने 10 मार्च के लिए कस्टोडियल रिमांड पर भेज दिया है। इससे पहले, बुधवार को ईओडब्ल्यू ने माया और मनोज द्विवेदी को रिमांड पर लिया था।

डीएमएफ घोटाले में ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई तेज कर दी है। जेल में बंद माया वारियर और मनोज द्विवेदी को एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने रिमांड पर लिया है। गुरुवार को कोर्ट की अनुमति के बाद 10 मार्च तक एजेंसी ने इन्हें रिमांड पर लिया है। अगले 5 दिन तक पूछताछ की जाएगी। 3 मार्च

सोमवार को कोल घोटाले में रानू साहू, सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी समेत 12 लोगों को को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी थी। लेकिन जमानत मिलने से पहले ही ईओडब्ल्यू ने डीएमएफ मामले में प्रोडक्शन वारंट में तीनों को गिरफ्तार कर लिया। ऐसे में अंतरिम राहत मिलने के बाद भी तीनों की रिहाई नहीं हो पाई है।

अवैध कोल परिवहन केस में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत के बाद खनिज अधिकारी शिवशंकर नाग समेत 6 आरोपी रायपुर केंद्रीय जेल से बाहर आ गए हैं। मंगलवार देर शाम सभी को छोड़ दिया गया है। पिछले ढाई साल से नाग जेल में बंद थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई। उनके साथ रोशन सिंह, हेमंत जायसवाल, चंद्रप्रकाश जायसवाल और मोइनुद्दीन कुरैशी भी जेल से छूट गए हैं। इस मामले में निलंबित आईएएस रानू साहू, सौम्या चौरसिया और कारोबारी सूर्यकांत को अंतरिम राहत मिली है, लेकिन तीनों को ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार डीएमएफ मामले में गिरफ्तार किया है। ऐसे में उनकी मुश्किलें कम नहीं हुई है।

प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने धारा 120 बी 420 के तहत केस दर्ज किया है। केस में यह तथ्य निकाल कर सामने आए हैं कि डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर आर्थिक अनियमितता पाई गई। टेंडर भरने वालों को अवैध लाभ पहुंचाया गया। ईडी की जांच के बाद अब ईओडब्ल्यू की टीम अपनी जांच तेज कर दी है। ईडी की जांच ने डीएमएफ घोटाले के तौर-तरीकों का खुलासा किया है।

गिरिडीह पहुंचा 32 हाथियों कर झुंड ग्रामीणों में दहशत

गिरिडीह, 6 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह जिले में 32 हाथियों का झुंड पहुंचने से दहशत का माहौल बन गया है। हाथियों का यह झुंड पीरटांड और मुफस्सिल थाना क्षेत्र में विचरण कर रहा है। इनकी मौजूदगी से गिरिडीह, पीरटांड, डुमरी, सरिया और बिरनी प्रखंड के कई गांवों के लोग भयभीत हैं। हाथियों का झुंड मुफस्सिल क्षेत्र के जसपुर से होते हुए पीरटांड के चम्पानगर पहुंचा। देर रात को जब झुंड ने नेशनल हाइवे 114ए को पार किया, तो वाहनों की आवाजाही रुक गई। रेंजर एसके रवि के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही। हाथियों के कुम्हरगड़िया जंगल में प्रवेश करने के बाद ही यातायात सामान्य हुआ। दिन में जंगल में रहने वाला यह झुंड रात में भोजन की तलाश में बाहर निकल रहा है। पिछले दो दिनों में जसपुर पंचायत के तेरखा और बलहो गांव में हाथियों ने गेहूं की फसल और चहारदीवारी को नुकसान पहुंचाया है।

अफीम की खेती करने वालों ने दो किडनैपर्स को मारा

डर से चार ने किया सरेंडर, दो फरार, डबल मर्डर का खुलासा

पलामू, 6 मार्च (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने मनातू के जंगल में हुए डबल मर्डर केस को सुलझा लिया है। मामले में चार आरोपियों ने थाना में सरेंडर कर दिया है। दो अभी भी फरार हैं। घटना 17 फरवरी की है। बिपिन यादव, दिनेश यादव और चार अन्य अपराधियों ने छह लोगों को अफीम के खेत से अगवा कर लिया था। अपहरण किए गए लोगों में रामलाल यादव, विकास गंझू, राजगीर गंझू, बसंत सिंह और ईश्वरी सिंह शामिल थे। किडनैपर्स ने अपहृत लोगों से फिरौती मांगी। पैसे नहीं मिलने पर उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। इस पर अपहृत लोगों ने मौका देखकर दो किडनैपर्स पर हमला कर दिया। दोनों की हत्या कर गई। इसके बाद सभी अपहृत लोग वहां से भाग निकले। 19 फरवरी को राजखेता टोला के अमवातरी जंगल में दो शव मिले। एक की पहचान चुनका गांव के दिनेश यादव के रूप में हुई। दूसरे की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने बताया कि किडनैपर्स की हत्या करने वाले चार लोगों को बिपिन यादव और उसके साथियों ने जान से मारने की धमकी दी। इस डर से रामलाल यादव, विकास गंझू, राजगीर गंझू और विसम्बर यादव ने बुधवार को थाना में सरेंडर कर दिया।

आठ परिवार को नक्सलियों ने गांव से निकाला

जनअदालत में कहा- इन्हीं के कारण थुलथुली में 38 साथी मारे गए, जाओ वरना मार देंगे

दंतेवाड़ा, 6 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर-नारायणपुर जिले की सरहद पर बसे 2 गांव के 8 परिवार के 17 से ज्यादा लोगों को नक्सलियों ने गांव से बेदखल कर दिया है। इनपर आरोप लगाया कि ये पुलिस के मुखबिर हैं, इन्हीं की वजह से थुलथुली मुठभेड़ में 38 साथियों को फोर्स ने मारा है। गांव से निकाले जाने के बाद सभी ग्रामीण अपना घर, खेती, पशु छोड़कर शहर आ गए हैं।

दरअसल, इंद्रावती नदी के पार अबूझमाड़ में दंतेवाड़ा, बीजापुर और नारायणपुर जिले की सरहद पर कोहकवाड़ा और तोड़मा गांव है। ये दोनों गांव अंदरूनी और नक्सल प्रभावित है। 2 दिन पहले इन दोनों गांव में करीब 40 से 50

की संख्या में हथियारबंद नक्सली पहुंचे थे। फिर जनअदालत लगाई। वहीं कोहकवाड़ा के 6 और तोड़मा के 2 परिवार पर पुलिस की मुखबिरी का आरोप लगाया। जिसके बाद सैकड़ों ग्रामीणों के सामने कहा कि ये हमारी खबर पुलिस को देते हैं, पुलिस के लिए काम करते हैं। इन्हीं की वजह से थुलथुली में 38 साथियों को खोया है। इस आरोप के बाद नक्सलियों ने 8 परिवार को तत्काल गांव छोड़ने का फरमान दे दिया। गांव नहीं छोड़ने पर जान से मारने की धमकी दी। गांव से बेदखल करने के बाद सभी ग्रामीण अपने जरूरत का सामान लेकर बारसूर पहुंचे। घर, खेत, पशु को छोड़ दिए। बताया जा रहा है कि ये सभी बस्तर और दंतेवाड़ा जिले के गांव में अपने रिश्तेदारों के घर चले गए हैं। परिवार के सदस्य काफी डरे हुए हैं। दूसरी ओर पीड़ित ग्रामीण ने कहा कि नक्सलियों ने हम पर जो आरोप लगाया है वो गलत है। उन्होंने हमसे कहा कि हम उनकी सूचना पुलिस को देते हैं, पुलिस के लिए काम करते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। हम सिर्फ खेती-किसानी कर अपना परिवार चलाते हैं। नक्सली झूठा आरोप लगाकर हमें परिवार समेत गांव से निकाल दिए हैं। अब कहां जाएं ये सोच रहे हैं। फिलहाल रिश्तेदार ही सहारा है। दंतेवाड़ा के एएसपी आरके बर्मन ने कहा कि, 8 परिवार गांव छोड़कर आए हैं।

एसडीपीआई के ऑफिस में ईडी की रेड

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष की गिरफ्तारी से जुड़ रहे तार, सुरक्षा सख्त

पाकुड़, 6 मार्च (एजेंसियां)। पाकुड़ के मौलाना चौक स्थित सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के कार्यालय में ईडी ने छापेमारी की है। दो इनोवा में पहुंची अधिकारियों की टीम कार्यालय में मौजूद कई दस्तावेजों की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई एसडीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी की हाल में हुई गिरफ्तारी से जुड़ी है। बुधवार को एसडीपीआई ने फैजी की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन किया था। पार्टी ने उनकी गिरफ्तारी को अनुचित करार दिया था। छापेमारी के लिए पहुंची ईडी टीम के साथ कई अधिकारी और बड़ी संख्या में सुरक्षा बल के जवान मौजूद हैं। सुरक्षाकर्मियों ने शुरुआत में मीडिया को फोटो लेने से रोका, लेकिन बाद में दूर से फोटोग्राफी की अनुमति दी गई। स्थानीय लोग मौके पर जमा हुए और जानकारी लेने की कोशिश की। पर ईडी की टीम ने कोई जानकारी साझा नहीं की।

पाकुड़ के नगर थाना क्षेत्र में ईडी की यह तीसरी छापेमारी है। इससे पहले भी दो बार विभाग यहां छापेमारी कर चुका है।

जयशंकर बोले- पीओके मिलते ही कश्मीर मुद्दा खत्म होगा

ज्यादातर मामला सुलझ चुका है, ट्रम्प के एक्शन से भारत को फायदा पहुंचेगा

लंदन, 6 मार्च (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कश्मीर को लेकर कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को खाली करने से यह मुद्दा पूरी तरह से हल हो जाएगा। जयशंकर ब्रिटेन के दौरे पर हैं। वे 5 मार्च को लंदन के चैथम हाउस थिंक टैंक के एक कार्यक्रम में अपनी बात रख रहे थे।

जयशंकर से सवाल पूछा गया था कि क्या प्रधानमंत्री मोदी कश्मीर मुद्दे का हल निकालने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि अमेरिकी विदेश नीति में बदलाव का भारत को फायदा मिलेगा।

जयशंकर ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति में बदलाव उम्मीद के मुताबिक है। यह कई मायनों में भारत के अनुकूल है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के एक्शन से दुनिया नई व्यवस्था की तरफ बढ़ रही है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमने कश्मीर के ज्यादातर मुद्दों का हल निकाल लिया है। अनुच्छेद 370 को हटाना पहला कदम था। फिर कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक न्याय को बहाल करना दूसरा कदम था। चुनाव कराना, जिसमें काफी वोटिंग हुई, तीसरा कदम था।

जयशंकर ने आगे कहा, "मुझे लगता है कि हम जिस हिस्से का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के उस हिस्से की वापसी है, जिसे चोरी से पाकिस्तान ने अपने पास रखा है। जब यह हो जाएगा तो मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि कश्मीर का मसला हल हो जाएगा।" भारत चीन के साथ किस तरह का रिश्ता चाहता है? इस सवाल पर जयशंकर ने कहा कि हमारे बीच बहुत ही अनोखा रिश्ता है। हम दुनिया के दो ऐसे

देश हैं जिनकी आबादी एक अरब से ज्यादा है। हम दोनों का इतिहास बहुत पुराना है, जिसमें समय के साथ उतार-चढ़ाव आए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि आज दोनों देश आगे बढ़ रहे हैं और हम पड़ोसी भी हैं। चुनौती यह है कि जैसे-जैसे कोई देश आगे बढ़ता है, दुनिया और उसके पड़ोसियों के साथ उसका संतुलन बदलता जाता है। मुख्य मुद्दा यह है कि कैसे एक स्थिर संतुलन बनाया जाए। जयशंकर ने कहा कि हम एक स्थिर संबंध चाहते हैं, जहां हमारे हितों का सम्मान किया जाए। वास्तव में हमारे रिश्ते में यही मुख्य चुनौती है। जयशंकर ने कहा कि भारत के लिए सीमा एक अहम पहलू है। पिछले 40 साल में यह धारणा रही है कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता रिश्ते को बढ़ाने के लिए जरूरी है। यदि सीमा अस्थिर है या उसमें शांति का अभाव है, तो यह निश्चित रूप से हमारे संबंधों को प्रभावित करेगा।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 3 मार्च को ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड लैमी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं में भारत-ब्रिटेन संबंधों पर चर्चा हुई। इस बातचीत में यूक्रेन, बांग्लादेश, पश्चिम एशिया और राष्ट्रमंडल के साथ व्यापार समझौते और रणनीतिक सहयोग पर भी बात हुई।

दोनों नेताओं यह बैठक इंग्लैंड के केंट में स्थित शेवेनिंग हाउस में हुई। इस दौरान भारतीय विदेश मंत्री की पत्नी क्योको जयशंकर और ब्रिटिश विदेश मंत्री की पत्नी निकोला ग्रीन भी मौजूद थीं।

दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए आगे की रूपरेखा पर सहमति जताई। जयशंकर 6 दिन की यात्रा पर ब्रिटेन और आयरलैंड पहुंचे हैं। वे यहां कई हाईलेवल मीटिंग कर रह रहे हैं।

तेलंगाना के छात्र की गोली मारकर हत्या

डकैती की कोशिश में फायरिंग की आशंका

वाशिंगटन, 6 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना के रहने वाले छात्र प्रवीण कुमार (27) की बुधवार को अमेरिका के विस्कॉन्सिन में गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रणीण बीटेक की पढ़ाई करने के बाद 2023 में अमेरिका गए थे। प्रवीण के कुछ दोस्तों ने बताया कि उसका शव गोलियों से छलनी मिला है।

हालांकि उनकी मौत के हालात स्पष्ट नहीं हैं। आशंका जताई जा रही है कि डकैती के प्रयास के दौरान उनकी हत्या हुई। प्रवीण विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में एमएस की पढ़ाई कर रहे थे। बुधवार सुबह अमेरिकी अधिकारियों ने उनके परिवार को उसके मरने की जानकारी दी।

ट्रम्प की समझ पर सवाल न्यूजीलैंड के हाईकमिश्नर बर्खास्त

कहा था- यूक्रेन जंग खत्म करने का तरीका विश्वयुद्ध की वजह बने म्यूनिख समझौते जैसा

वेलिंग्टन, 6 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने ब्रिटेन में उच्चायुक्त फिल गॉफ को बर्खास्त कर दिया है। गॉफ ने लंदन में एक कार्यक्रम में कहा कि ट्रम्प का रूस-यूक्रेन जंग को खत्म करने का तरीका 1938 के म्यूनिख समझौते जैसा है। म्यूनिख समझौते ने हिटलर को चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा करने की अनुमति दी थी। अब ट्रम्प फिर से वही गलती करने जा रहे हैं। उन्हें इतिहास की समझ नहीं है।

गॉफ की इन टिप्पणियों के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने कहा कि हाई कमिश्नर की टिप्पणियां सही नहीं थीं। पीटर्स ने कहा कि ये न्यूजीलैंड का आधिकारिक रुख नहीं है। गॉफ ने याद दिलाया कि कैसे चर्चिल ने यूके के तत्कालीन पीएम नेविल चेम्बरलेन को फटकार लगाई थी। चर्चिल ने तब कहा था- आपको जंग और अपमान में से किसी एक को चुनना था। आपने अपमान चुना, लेकिन इसके बाद भी आपको जंग लड़नी पड़ी। गॉफ ने ओवल ऑफिस में चर्चिल की प्रतिमा लगवाने पर भी सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने चर्चिल की प्रतिमा को ओवल ऑफिस में दोबारा लगवा दिया है। क्या आपको लगता है कि उन्हें वास्तव में इतिहास की समझ है? 2020 में ट्रम्प को हराने के जो बाइडेन ने चर्चिल की कांस्य प्रतिमा को हटा दिया था और इसकी जगह हिस्पैनिक यूनियन नेता सीजर शावेज की प्रतिमा लगा दी गई थी। दोबारा राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने फिर से ओवल ऑफिस में चर्चिल की प्रतिमा लगवा दी। पीटर्स ने कहा कि जब आप उस पद पर होते हैं तो आप सरकार और उस समय की नीतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, आप न्यूजीलैंड का चेहरा होते हैं।

खालिस्तान समर्थकों ने लंदन में जयशंकर की कार घेरी

खालिस्तान समर्थक पहले भी भारत विरोधी गतिविधियां करते रहे हैं

अमृतसर, 6 मार्च (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर की गाड़ी को लंदन में खालिस्तानी समर्थकों ने घेर लिया। उनमें से एक ने उनकी गाड़ी के सामने आकर तिरंगा भी फाड़ा। विदेश मंत्री इस समय लंदन में हैं। उन्होंने यहां चैथम हाउस थिंक टैंक के एक विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम के खत्म होने के बाद जैसे ही वे अपनी कार की तरफ बढ़े। वहां पहले से विरोध कर रहे खालिस्तान समर्थकों ने उन्हें देखकर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद एक शख्स तिरंगा लेकर उनकी कार के आगे खड़ा हो गया और रास्ता रोक लिया। इस दौरान उसने भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फाड़ने जैसी शर्मनाक हरकत भी की। खालिस्तान समर्थक की तिरंगा फाड़ने की हरकत को देखते ही सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और गाड़ी से दूर ले गए। ये पूरी घटना विदेश मंत्री की सुरक्षा में चूक के तौर पर देखी जा रही है। जब जयशंकर चैथम हाउस में पहुंचे थे, उससे पहले ही खालिस्तानी समर्थक वहां मौजूद थे

और सड़क के दूसरी तरफ खालिस्तानी झंडे लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बावजूद जयशंकर के बाहर आते समय सुरक्षा घेरा नहीं बढ़ाया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना से भारतीय समुदाय में आक्रोश है।

इस घटना के बाद लंदन में भारतीयों ने विरोध जताया। लोग ब्रिटिश सरकार से मांग कर रहे हैं कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। भारत सरकार से भी इस मुद्दे को कूटनीतिक स्तर पर उठाने की उम्मीद है। भारत ने जयशंकर की सुरक्षा में चूक की निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा- हमने विदेश मंत्री की यूके यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन की फुटेज देखी है। हम अलगाववादियों और चरमपंथियों के इस छोटे समूह की भड़काऊ गतिविधियों की निंदा करते हैं।

विदेशों में खालिस्तान समर्थक पहले भी भारत विरोधी गतिविधियां करते रहे हैं। ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में भारतीय दूतावासों के बाहर ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, जिन पर भारत सरकार पहले ही विरोध जता चुकी है।

आतंकी तहव्वुर राणा ने की प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग

कहा- भारत में प्रताड़ित किया जाएगा

वॉशिंगटन, 6 मार्च (एजेंसियां)। 2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने एक बार फिर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। राणा ने अपनी अपील में भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग की है। राणा ने कहा है कि उसे भारत में प्रताड़ित किया जा सकता है। क्योंकि वह पाकिस्तान मूल का है। हाल ही में पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के दौरान ट्रंप प्रशासन ने तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण की आखिरी मंजूरी दे दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया था कि उनके प्रशासन ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में अपनी भूमिका के लिए भारतीय जांच एजेंसियों की ओर से वांछित तहव्वुर राणा को भारत में न्याय का सामना करने के लिए प्रत्यर्पित करने की मंजूरी दे दी है। राणा ने अपने आवेदन में कहा है कि वह कई बीमारियों से पीड़ित है। वह हृदय धमनी विकार, पार्किंसंस और यूरिनल कैंसर का रोगी है। राणा के वकीलों का तर्क है कि वह मुकदमे का सामना करने के लिए लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकता है।

तहव्वुर हुसैन राणा (63 वर्षीय) पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। राणा, पाकिस्तानी सेना में भी काम कर चुका है और सेना में डॉक्टर रहा। हालांकि 90 के दशक में राणा कनाडा चला गया और फिर उसने वहीं की नागरिकता ले ली थी। कनाडा से तहव्वुर राणा अमेरिका पहुंचा और वहां उसने शिकागो में एक इमिग्रेशन कंसल्टेंसी फर्म खोली।

मुंबई हमले का दोषी डेविड हेडली, तहव्वुर राणा का दोस्त था। दावा है कि तहव्वुर राणा ने ही डेविड हेडली को अपराध की दुनिया में धकेला। हेडली ने ही 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के लिए रेकी की। हेडली को बाद में अमेरिका से गिरफ्तार किया गया था। हेडली से पूछताछ में ही तहव्वुर राणा की मुंबई हमले में संलिप्तता का खुलासा हुआ था।

महंगी पड़ रही लागत, अमेरिका ने अप्रवासियों को भेजने के लिए सैन्य विमानों के इस्तेमाल पर लगाई रोक

वॉशिंगटन, 6 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका ने अवैध अप्रवासियों को भेजने के लिए सैन्य विमानों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अप्रवासियों को सैन्य विमानों से भेजने की महंगी लागत को देखते हुए यह कदम उठाया है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ अप्रवासियों को उनके देश या क्यूबा के ग्वांतानामो बे स्थित सैन्य अड्डे तक पहुंचाने के लिए अमेरिकी सैन्य विमानों का उपयोग महंगा साबित हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि इसलिए आने वाले दिनों कोई उड़ान निर्धारित नहीं की गई है। अंतिम सैन्य निर्वासन उड़ान एक मार्च को हुई थी। उन्होंने कहा कि इस रोक को बढ़ाया जा सकता है या स्थायी किया जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिकी और ग्वाटेमाला के अधिकारियों ने जो आंकड़े मुहैया कराए हैं, उसके मुताबिक ग्वाटेमाला के लिए अमेरिकी सैन्य

निर्वासन उड़ान की लागत प्रति अप्रवासी कम से कम 4675 डॉलर पड़ रही है। यह एक अमेरिकन एयरलाइंस के प्रथम श्रेणी के एकतरफा टिकट की कीमत 853 डॉलर का पांच गुना से अधिक है। साथ ही यह लागत अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) द्वारा संचालित वाणिज्यिक चार्टर उड़ान की लागत से भी काफी अधिक है।

राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ही डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका से करीब 1.1 करोड़ अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करने की बात कही थी। इसके बाद अमेरिकी सेना ने लैटिन अमेरिकी देशों में अवैध अप्रवासियों को लेकर छह उड़ानें भरी हैं।

ट्रंप अवैध अप्रवासियों पर शिकंजा कसने के लिए सेना का भरपूर इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने मेक्सिको सीमा पर सेना के जवानों की तैनाती की है। वहीं अवैध अप्रवासियों को रखने के लिए सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल किया जा रहा है और सेना के विमानों से ही अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किया जा रहा है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि सेना के विमानों से अवैध अप्रवासियों को भेजने की लागत नागरिक विमानों की तुलना में बहुत ज्यादा है।

अमेरिका अब तक तीन सैन्य विमानों के जरिए 332 भारतीयों को भारत भेजा है। अमेरिका से अवैध प्रवासियों को लाने वाली पहली फ्लाइट 5 फरवरी को भारत के अमृतसर में लैंड हुई। तब इसमें 104 लोग सवार थे, जिनमें 30 पंजाबी थे।

इसके अलावा 15 फरवरी को 116 और 16 फरवरी को 112 भारतीयों को लेकर भी अमेरिकी सैन्य उड़ानें भारत पहुंची थीं।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान की बड़ी साजिश

इस्लामाबाद, 6 मार्च (एजेंसियां)। क्या पाकिस्तान ने चीन को नौसेना बेस और हवाई अड्डा बनाने के लिए 5 हजार एकड़ जमीन दे दिए हैं? ये दावा किया है पाकिस्तान के पूर्व सैन्य अधिकारी आदिल रजा ने। उन्होंने पाकिस्तानी खुफिया समुदाय के सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि दक्षिणी बलूचिस्तान में चीनी नौसेना और हवाई अड्डे की स्थापना के लिए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को 5,000 एकड़ से ज्यादा अनुमानित जमीन आवंटित किया गया है। ये काफी सनसनीखेज खुलासा है क्योंकि इससे सीधे भारत के ऊपर बड़ा खतरा बनता है। चीन पहले से ही ग्वादर में एक बंदरगाह बना चुका है, जो भारत की सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक है। लेकिन अगर वाकई पाकिस्तान ने चीन को जमीन दिया है, तो इसका मतलब है कि नया नौसैनिक बंदरगाह भारत को ध्यान में रखकर ही बनाया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक जिस जगह पाकिस्तान ने चीन को 5 हजार एकड़ जमीन दी है, वो जगह ग्वादर से करीब 65 से 70 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम दूर तुर्बत के पास स्थित है। आदिल रजा ने खुलासा किया है कि करीब सात साल पहले चीनी राज्य टेलीविजन ने बलूचिस्तान के जिवानी क्षेत्र में इसी तरह के डेवलपमेंट पर पाकिस्तान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की जानकारी दी थी। ग्वादर में चीन द्वारा निर्मित और नियंत्रित एक मौजूदा गहरे समुद्र के बंदरगाह और हवाई अड्डे के साथ, यह डेवलपमेंट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण चोकपॉइंट्स में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य पर चीन को महत्वपूर्ण कंट्रोल देगा।

समाज में अभी भी लैंगिक भेदभाव और महिलाओं पर हमलों की घटनाएं आम

यूएन की रिपोर्ट में दावा

न्यूयॉर्क, 6 मार्च (एजेंसियां)। तीस साल पहले दुनियाभर के नेताओं ने एक ऐतिहासिक ब्लूप्रिंट को स्वीकार किया था, जिसमें लैंगिक समानता के लक्ष्य को हासिल करने की बात थी। हालांकि तीन दशक बीत जाने के बाद भी समाज में महिलाओं की स्थिति में बहुत ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, समाज में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हमले की घटनाएं अभी भी लगातार जारी हैं। इसका समाज और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र की यह रिपोर्ट गुरुवार को जारी हुई, जिसमें कहा गया है कि दुनिया के एक तिहाई देशों में तो बीते साल महिलाओं अधिकारों के खिलाफ विरोध भी हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ मामलों में तरक्की हुई है, जिसमें लड़कियों की शिक्षा और परिवार नियोजन आदि हैं, लेकिन महिलाओं के खिलाफ हिंसा अभी भी चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में हर 10 मिनट में एक लड़की की उसके ही परिजनों या रिश्तेदारों द्वारा हत्या की जा रही है।

महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाएं साल 2022 की तुलना में 50 फीसदी तक बढ़ गई हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय जारी की गई है, जब 8 मार्च को दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाने वाला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सिर्फ 87 देश ऐसे हैं, जिनका नेतृत्व महिला नेता द्वारा किया जा रहा है या किया गया।

उल्लेखनीय है कि साल 1995 में बीजिंग में महिला सम्मेलन का आयोजन हुआ था, जिसमें 189 देश शामिल हुए थे। उस सम्मेलन में 150 पन्नों का घोषणा पत्र पारित किया गया था, जिसमें दुनिया में लैंगिक समानता की दिशा में कदम उठाने की बात कही गई थी। इसके लिए गरीबी से लड़ने, लिंग के आधार पर हिंसा को रोकने और व्यापार, सरकार और शांति वार्ता आयोजनों में महिलाओं को शीर्ष भूमिका देने की वकालत की गई थी। इस सम्मेलन में जननांग संबंधी स्वास्थ्य और प्रजनन संबंधी अधिकार महिलाओं को देने की बात कही गई थी। अब उस घोषणा पत्र की समीक्षा में पाया गया है कि लैंगिक समानता और महिला अधिकारों की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, लेकिन अभी भी दुनियाभर में महिलाओं को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

यूक्रेन से खुफिया जानकारी शेयर नहीं करेगा अमेरिका

यूएस एनएसए बोले- हम इस मामले के सभी पहलुओं पर विचार कर रहे हैं

वॉशिंगटन, 6 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका ने बुधवार से यूक्रेन के साथ सीक्रेट जानकारी शेयर करके पर रोक लगा दी है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) माइक वाल्ट्ज का कहना है कि हमने यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करने के मामले में एक कदम पीछे ले लिया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम इस मामले के सभी पहलुओं पर विचार कर रहे हैं और इसकी समीक्षा कर रहे हैं। वाल्ट्ज ने यूक्रेन के एनएसए से फोन पर बात की। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने आज यूएस संसद को संबोधित करते हुए कहा था कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की जल्द से जल्द यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए बातचीत को तैयार हैं।

मंगलवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा था

कि ट्रम्प के साथ पिछले हफ्ते उनकी बैठक उस तरह नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी। जेलेंस्की ने इसे अफसोसजनक बताया और कहा कि यूक्रेन खनिज समझौते के लिए तैयार है।

जेलेंस्की का बयान तब आया, जब ट्रम्प ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य मदद रोकने का ऐलान किया। इसमें ऐसी मदद जो अमेरिका से अभी तक यूक्रेन नहीं पहुंची है, उसे भी रोक दिया गया है। इसमें पोलैंड तक पहुंच चुका सामान भी शामिल है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है। जेलेंस्की ने कहा शुक्रवार को व्हाइट हाउस में हमारी बैठक उस तरह नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी। यह अफसोस की बात है कि यह इस तरह हुआ। अब समय आ गया है कि हम सब कुछ ठीक करें। हममें से कोई भी अंतहीन युद्ध नहीं चाहता।

हॉन्गकॉन्ग की अदालत का अहम फैसला

तियानमेन चौक पर कार्यक्रम आयोजित करने वाले तीन लोगों की सजा माफ

हॉन्गकॉन्ग, 6 मार्च (एजेंसियां)। हॉन्गकॉन्ग की एक शीर्ष अदालत ने तियानमेन चौक पर कार्यक्रम आयोजित करने वाले तीन आयोजकों की सजा माफ कर दी। यह हॉन्गकॉन्ग में लोकतंत्र समर्थकों की बड़ी जीत माना जा रहा है। जिन लोगों की सजा माफ की गई है, उनमें जो हांग तुंग, तांग नॉक क्वान और सुइ होन कॉन्ग का नाम शामिल है। ये तीनों हॉन्गकॉन्ग अलायंस के सदस्य है। तीनों को साल 1989 में हुए तियानमेन चौक कांड की याद में हर साल तियानमेन चौक पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए साल 2023 में दोषी ठहराया गया था। तीनों को साढ़े चार महीने जेल की सजा हुई थी। बता दें कि हॉन्गकॉन्ग अलायंस नाम का यह संगठन तियानमेन चौक पर साल 1989 में हुए लोकतंत्र समर्थकों के नरसंहार की वर्षगांठ पर हर साल शहर में मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकालने के लिए जाना जाता है। तीनों को साढ़े चार महीने जेल की सजा हुई थी। बता दें कि हॉन्गकॉन्ग अलायंस नाम का यह संगठन तियानमेन चौक पर साल 1989 में हुए लोकतंत्र समर्थकों के नरसंहार की वर्षगांठ पर हर साल शहर में मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकालने के लिए जाना जाता है। लेकिन साल 2021 में चीन द्वारा लगाए गए व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत इसे भंग कर दिया गया था। आलोचकों का आरोप है कि हॉन्गकॉन्ग में लगातार नागरिक स्वतंत्रता का दमन किया जा रहा है। इसी के तहत हॉन्गकॉन्ग अलायंस के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की गई और संगठन के सदस्यों को विदेशी एजेंट बताया गया था। अदालत ने इन आरोपों को साबित करने को कहा और आखिरकार तीनों को रिहा कर दिया।

तियानमेन चौक नरसंहार क्या था?

4 जून 1989 को चीन के तियानमेन चौक में नरसंहार हुआ था। इस दौरान चीन के कम्युनिस्ट शासन ने लोकतंत्र की बहाली के लिए उठाई गई आवाजों को दबाने का काम किया। दरअसल हजारों छात्रों ने चीन में लोकतंत्र की बहाली के लिए आवाज उठाई थी। उस दौरान चीन की सरकार ने निहत्थे छात्रों के आंदोलन का दमन करने के लिए उनके ऊपर टैंक चढ़वा दिए और अंधाधुंध गोलीबारी कर हजारों लोगों को मौत के घाट उतार दिया।

फ्रांस बनाने जा रहा राफेल फाइटर जेट का नया अवतार

पेरिस, 6 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के खरीदने के बाद राफेल फाइटर जेट के दिन बदल गये। कई देशों की वायुसेना उसके बाद से राफेल खरीद चुकी है। जिनमें संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल है, जिसने फ्रांस के साथ राफेल फाइटर जेट खरीदने का सौदा किया है। वहीं ताजा रिपोर्ट के मुताबिक राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन, राफेल फाइटर जेट का नेक्स्ट वैरिएंट जल्द ही बनाने वाली है, जो और भी ज्यादा ताकतवर, विध्वंशक, खतरनाक और खूंखार होगा। फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी के मुख्य अधिकारी एरिक ट्रैपियर के मुताबिक डसॉल्ट एविएशन का प्लान एफ5-स्टैंडर्ड राफेल लड़ाकू विमान बनाना है। इसमें ज्यादा शक्तिशाली इंजन, और बेहतरीन उत्तरजीविता और डेटा लिंक होंगे। उन्होंने खुलासा किया है कि इसके अलावा नये स्टैंडर्ड राफेल में इन खासियतों के साथ साथ 10 टन से ज्यादा वजन वाला एक मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहन (यूसीएवी) भी शामिल होगा।

एरिक ट्रैपियर के मुताबिक नया राफेल फाइटर जेट स्टेल्थी यूसीएवी न्यूरॉन के आकार का दोगुना होगा, जो पिछले दशक में कंपनी और भागीदारों की तरफ से विकसित एक मानव रहित स्ट्राइकर विमान था।

पांच मार्च को पेरिस में फ्लाइटग्लोबल से बात करते हुए एरिक ट्रैपियर ने कहा कि उन्हें आने वाले महीनों में फ्रांसीसी सरकार से एफ5 राफेल के डेवलपमेंट के लिए कॉन्ट्रैक्ट मिलने की उम्मीद है। उन्होंने संभावना जताई है कि साल 2030 तक राफेल-5 बनकर तैयार हो

जाएगा।

कितना घातक होगा राफेल का नया अवतार?

फ्लाइटग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक नये राफेल फाइटर जेट को खास तौर पर परमाणु हमलों के खिलाफ प्रतिरोध हासिल करने के लिए डिजाइन किया जाएगा। इसके अलावा एफ5 को नए एएसएन4जी युद्ध सामग्री को ले जाने के लिए डिजाइन किया जाएगा। इसके अलावा नये राफेल में स्क्रैमजेट-ऑपरेटेड हाइपरसोनिक मिसाइल भी लगाया जा सकेगा, जो इस फाइटर जेट को विनाशक बना देगी। हालांकि एफ5 राफेल में और क्या-क्या चाहिए इसके बारे में फ्रांसीसी एयरफोर्स से जानकारी मांगी जाएगी, लेकिन ट्रैपियर का कहना है कि परमाणु मिशन के लिए कनेक्टिविटी इस फाइटर जेट के लिए महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इन सबके अलावा राफेल में कई अन्य सिस्टम में सुधार किया जाएगा, जैसे रडार सिस्टम, सेंसर और काउंटरमेशर्स सूट को और बेहतर बनाया जाएगा। ट्रैपियर का कहना है कि फाइटर जेट का पहला लक्ष्य हर हाल में जिंदा रहना होगा ताकि लगातार वो अपने हथियार दाग सके। आपको बता दें कि पिछले साल राफेल-एफ5 के स्टडी को शुरू करने की घोषणा की गई थी। उस दौरान फ्रांसीसी रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने कहा था कि राफेल को एक स्टील्थ लड़ाकू ड्रोन से लैस किया जाएगा। वहीं ट्रैपियर ने कहा कि हमारा मानना है कि राफेल के साथ एक यूसीएवी को जोड़ने से हवा से जमीन और हवा से हवा, दोनों में मार करने की क्षमताओं के साथ मिशन के प्रदर्शन में भी सुधार हो सकता है ट्रैपियर कहते हैं।

विधानसभा में गूंजा 'चौथ वसूली' का मुद्दा

कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष ने किया हंगामा; चंबल में बनेगा घड़ियाल संरक्षण केंद्र

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान प्रदेश की कानून व्यवस्था, नशा तस्करी, प्रदूषण और सरकारी योजनाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। कांग्रेस विधायकों ने कानून-व्यवस्था, जेलों में हो रही चौथ वसूली, पुलिस-तस्कर गठजोड़ और जयपुर के एक बिजनेसमैन से गैंगस्टर रोहित गोदारा द्वारा 2 करोड़ की रंगदारी को लेकर सदन में हंगामा किया, जिसके चलते विधानसभा की कार्रवाई दोपहर 1 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

व्यापारी को धमकी देने का मामला उठा

दरअसल, विधानसभा में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने खराब कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जेल से माफिया व्यापारियों को धमकी दे रहे हैं। एक व्यापारी ने सुरक्षा की गुहार की तो तीन बार के बाद तो बात सुनी। एसपी तक बात गई तो व्यापारी को सुरक्षा तो

दी गई, लेकिन बदले में 76 लाख का बिल भेज दिया। यह तो कानून व्यवस्था के हालत हैं। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कानून-व्यवस्था का हाल खराब है। जूली ने कहा कि 5 मार्च को भरतपुर सांसद संजना जाटव ने भी वीडियो जारी कर पुलिस द्वारा खुले में रिश्वत मांगने का खुलासा किया है। इस पर आगे बोलने की अनुमति नहीं मिली तो कांग्रेस विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया।

नशे और तस्करी का छाया मुद्दा छाया

सदन में प्रदेश में बढ़ते नशे और मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर जोरदार चर्चा हुई। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि राज्य सरकार नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 404 मामलों में 894 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 354 मामलों में न्यायालय में चालान पेश किए गए हैं। अवैध नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर अपराधियों की संपत्ति जब्त की जा रही है। वहीं, विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि नशा तस्करों और पुलिस के गठजोड़ की शिकायतें मिल रही हैं। इस पर गृह राज्य मंत्री ने कहा कि अभी तक उनके संज्ञान में ऐसा कोई मामला नहीं आया है। लेकिन अगर कोई शिकायत मिलती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बहरोड़-नीमराना में प्रदूषण का मामला उठा

विधायक जसवंत यादव ने सदन में बहरोड़ औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण और उससे होने वाली बीमारियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वहां के प्रदूषण के कारण कैंसर और टीबी जैसी गंभीर बीमारियां फैल रही हैं। नीमराना की एक फैक्ट्री के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं। क्या सरकार किसानों को मुआवजा देगी और इन कंपनियों पर कार्रवाई करेगी? इस पर वन मंत्री संजय शर्मा ने जवाब दिया कि मुख्य प्रदूषण अभियंता की अगुवाई में एक कमेटी बनाई जाएगी। एक माह के भीतर यह कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी। रिपोर्ट के आधार पर इन कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। नीमराना फैक्ट्री के कारण फसल बर्बाद होने की जांच की जाएगी। यदि मिट्टी परीक्षण में फैक्ट्री को दोषी पाया गया तो किसानों को मुआवजा देने की सिफारिश की जाएगी।

घड़ियाल संरक्षण केंद्र की होगी स्थापना

विधायक जितेंद्र कुमार गोठवाल ने रणथंभौर बाघ परियोजना प्रथम के रेंज चंबल पालीघाट में घड़ियाल संरक्षण केंद्र स्थापित करने की मांग की। इस पर वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि घड़ियाल संरक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा। वर्ष 2025-26 में इस पर काम शुरू किया जाएगा। पालीघाट क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए चंबल नदी के किनारे चारदीवारी भी बनाई जाएगी। घड़ियाल के बच्चों को 2 साल तक अलग-अलग कुंडों में रखा जाएगा और फिर नदी में छोड़ा जाएगा।

मावली विधायक के भानजे नांदवेल सरपंच पर फायरिंग, एक आरोपी पकड़ा गया

उदयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। दो युवकों ने मावली विधायक के भानजे नांदवेल सरपंच देवीलाल डांगी पर फायरिंग कर दी। गोली सरपंच की जांघ पर लगती हुई आर-पार हो गई। फायरिंग के बाद आरोपी बेखौफ होकर बाइक से गांवों की गलियों में ही घूमते रहे। उन्होंने चंदेसरा गांव में भी कुछ लोगों द्वारा रोकने पर वहां भी एक हवाई फायर कर दिया। मौके पर एक आरोपी को ग्रामीणों ने पकड़ लिया, जबकि एक फरार हो गया। डबोक थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पकड़े गए आरोपी से पुलिस पूछताछ में जुटी है। फायरिंग के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन प्रॉपर्टी विवाद माना जा रहा है।

नांदवेल सरपंच देवीलाल उर्फ पिंटू (32 वर्ष) पुत्र धनराज डांगी ने बताया कि वे रात करीब 10.30 बजे कार से घर पहुंचे थे। कार खड़ी कर वे घर के बाहर ही लगी टंकी पर पानी पीने लगे। इसी

दौरान एक युवक भी वहां पानी पीने आया। सरपंच का कहना है कि वे घर की फाटक खोल ही रहे थे तभी पानी पी रहे युवक ने पीछे से उन पर फायर कर दिया। गोली उनकी जांघ पर लगती हुई आर-पार हो गई। चिल्लाने पर परिजन वहां पहुंचे तब तक आरोपी दूर खड़े साथी के साथ बाइक से फरार हो गया। घायल देवीलाल को उनके पिता धनराज डांगी गाड़ी से खेमली चिकित्सालय ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया। घायल सरपंच मावली सरपंच संघ के अध्यक्ष व मावली विधायक पुष्करलाल डांगी के भानजे हैं।

रासरपंच ने बताया कि जब वे पिता के साथ कार से अस्पताल जा रहे थे तभी नांदवेल चौराहे पर दोनों बाइक सवार आरोपी मिल गए। पीछे बैठे युवक ने रिवाल्वर तानते हुए फिर से फायर का प्रयास किया, लेकिन गाड़ी आगे-पीछे होने से वह सफल नहीं हो पाया। उदयपुर में मावली विधायक के भानजे व नांदवेल सरपंच देवीलाल डांगी पर फायरिंग प्रॉपर्टी विवाद में की गई थी। हालांकि सरपंच ने इस बात को नकारा है लेकिन पुलिस की प्रारंभिक तफ्तीश व पकड़ में आए आरोपी से पूछताछ में पूरा खुलासा हो गया। पुलिस ने बताया कि सरपंच देवीलाल डांगी ने नांदवेल के पास ही किसी अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति की जमीन अपने खातेदार के नाम खरीदी। उस जमीन को लेकर बिहार निवासी मिथलेश से कोई विवाद चल रहा है।

लव जिहाद और लैंड जिहाद रोकने के लिए बनाया जाए कठोर कानून

विश्व हिंदू परिषद की मांग

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने राजस्थान में लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग की है। जयपुर में प्रेस वार्ता के दौरान विहिप के क्षेत्र मंत्री सुरेश उपाध्याय ने कहा कि यह केवल राज्य की नहीं, बल्कि देशव्यापी समस्या है, जिसे संगठित षड्यंत्र के तहत अंजाम दिया जा रहा है।

सुरेश उपाध्याय ने कहा कि लव जिहाद के तहत हिंदू लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया जाता है और फिर उन्हें धर्मांतरण के लिए मजबूर किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस काम में विशेष समाज के युवकों को उनके समाज की लड़कियों का भी समर्थन भी मिलता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के हर शहर और गांव में लव जिहाद के मामले सामने आ रहे हैं। भीलवाड़ा जिले में पिछले दो साल में 24 से अधिक लव जिहाद के मामले दर्ज हुए हैं, लेकिन पुलिस इन्हें प्रेम-प्रसंग बताकर गंभीरता से जांच नहीं करती।

लैंड जिहाद: धार्मिक स्थलों की आड़ में अवैध कब्जे

विहिप ने आरोप लगाया कि लैंड जिहाद के तहत विशेष समाज के लोग पहले सरकारी भूमि पर मजार बनाते हैं, फिर उसे धार्मिक स्थल घोषित कर वहां अवैध कब्जा कर लेते हैं। राजस्थान के कई शहरों और गांवों में ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जहां प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। जहाजपुर और भीलवाड़ा की घटना का हवाला देते हुए विहिप ने कहा कि 14 सितंबर 2024 को हिंदू समाज द्वारा पारंपरिक शोभायात्रा निकाले जाने पर मस्जिद के पास नारेबाजी और ढोल बजाने पर रोक लगाई गई। पुलिस सुरक्षा में शोभायात्रा मस्जिद के सामने पहुंची, तो मस्जिद की छत से पत्थरबाजी की गई।

राज्य सरकार से सख्त कानून की मांग

विहिप ने राजस्थान सरकार से लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ कठोर कानून बनाने की मांग की, जिससे हिंदू समाज को इस षड्यंत्र से बचाया जा सके। साथ ही, उन्होंने हिंदू परिवारों से भी आह्वान किया कि वे अपनी बेटियों को अच्छे संस्कार दें, ताकि वे इस तरह के षड्यंत्र का शिकार न हों। विहिप ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने इन मामलों पर ठोस कदम नहीं उठाए, तो हिंदू समाज बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

टोंक दौरे पर रहे सचिन पायलट बोले- भाजपा का डबल इंजन फेल, प्रदेश की घोर उपेक्षा

टोंक, 6 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार में असमंजस की स्थिति बनी हुई है, प्रशासन पर अधिकारियों का वर्चस्व बढ़ रहा है और सत्ता के अलग-अलग केंद्र बन गए हैं। मंत्रिमंडल में समन्वय की कमी का खामियाजा प्रदेश की जनता भुगत रही है।

टोंक में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पायलट ने कहा कि भाजपा सरकार को बने एक साल से अधिक हो गया है, लेकिन अब तक कोई उल्लेखनीय उपलब्धि नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दो बजट पेश कर चुकी है, जिसमें लाखों नौकरियां देने की घोषणाएं हुईं, लेकिन धरातल पर कोई क्रियान्वयन नहीं हुआ।

पायलट ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 25 में से 11 सीटों पर हार का बदला भाजपा राजस्थान की जनता से ले रही है। केंद्रीय बजट में राजस्थान का नाम तक नहीं लिया गया, जबकि यह देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां बुनियादी ढांचे, रेल और पुलों की सख्त जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि डबल इंजन की सरकार का दावा करने वाली भाजपा के दोनों इंजन फेल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार रेल के विकास पर ध्यान देने के बजाय फिल्म इंडस्ट्री में अधिक रुचि ले रही है। भाजपा की प्राथमिकताएं जनता की जरूरतों से हटकर मनोरंजन तक सीमित रह गई हैं।

सचिन पायलट ने टोंक में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली, जिनमें मेडिकल कॉलेज, न्यू हॉस्पिटल, नर्सिंग कॉलेज, बनास नदी पर गहलोत पुल, मिनी फूड पार्क, इंडोर स्टेडियम, सिटी पार्क, धन्ना तलाई ड्रेनेज सिस्टम और रनिंग ट्रैक शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को इन परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, पायलट ने लक्ष्मीपुरा (छानबाससूर्या), सेंतीवास (खरेड़ा) और संवारिया (मालपुरा) जैसे गांवों में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत कर स्थानीय समस्याओं को सुना और जनता से संवाद किया।

पायलट ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता के हितों को केंद्र में रखकर काम करने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की उपेक्षा अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कांग्रेस जनता के मुद्दों को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

भाई को लेने मां के सात गई थी तीन साल की पीहू, बस से कुचलने से मौत

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर के करणी विहार थाना क्षेत्र में एक दिलदहला देने वाली घटना सामने आई है। निजी स्कूल बस की चपेट में आने से तीन साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। हादसा 1 मार्च को दोपहर करीब 2.10 बजे हीरापुरा इलाके में हुआ। आरोपी बस चालक बस लेकर मौके से फरार हो गया। बेटी की मौत के बाद परिवार सदमे में है। पुलिस को अब रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। विकास नगर सी, हीरापुरा निवासी विष्णुप्रताप त्यागी का छह वर्षीय बेटा देवांश एक निजी स्कूल हीरापुरा में पढ़ता है। रोजाना की तरह विष्णुप्रताप की पत्नी सुमन अपने बेटे देवांश को लेने गईं। इस दौरान उसकी तीन वर्षीय बेटी पूर्वीका त्यागी उर्फ पिहू भी अपनी मां के साथ थी। जब मां अपने बेटे को बस से लेकर सड़क से गुजर रही थी तो बस चालक धानू सिंह ने लापरवाही से बस चला दी। इस दौरान पूर्वीका त्यागी बस के अगले पहिए के नीचे आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद बस चालक धानू सिंह बस को लेकर भाग गया।

तालाब में मिला लापता पूर्व सैनिक का शव

ब्यावर, 6 मार्च (एजेंसियां)। शादी समारोह में कावरा गए पूर्व सैनिक मोहन सिंह का शव तालाब में मिला। अचानक मिली दुखद खबर से परिजन पहले से परेशान थे, जैसे ही पत्नी गीता देवी को इसका पता चला तो वे सदमे में आ गई और प्राण-पखेरू उड़ गए। गमगीन माहौल के बीच दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। जवाजा थाना पुलिस के अनुसार शाहपुरा ग्राम के निवासी मोहन सिंह (62) सीआरपीएफ से सेवानिवृत्त थे। वे परिचित रिश्तेदार के शादी समारोह में हिस्सा लेने के लिए कावरा गए थे। मंगलवार शाम परिजन के फोन नहीं उठाने पर सभी चिंतित हो गए। लगातार संपर्क नहीं होने पर परिजन समारोह स्थल पहुंच गए। पहले तालाब के किनारे फोन मिला। आसपास तलाशने पर कुछ देर बाद शव तालाब में दिखा। शव को निकालने का प्रयास किया गया। जवाजा थाना पुलिस को सूचना मिलने पर थानाधिकारी महादेव प्रसाद मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और शव को जवाजा अस्पताल पहुंचाया गया।

ओम बिरला बोले- अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन लाना हमारा लक्ष्य है

बूंदी, 6 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बूंदी के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में सुपोषित मां अभियान के तृतीय चरण का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान मातृ शक्ति के सशक्तिकरण और गर्भवती माताओं व नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए समर्पित है। अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन लाना हमारा संकल्प है और इसी भावना के साथ सुपोषित मां अभियान को जन आंदोलन का रूप दिया गया है।

बिरला ने कहा कि मां स्वस्थ होगी तो शिशु स्वस्थ होगा और स्वस्थ शिशु ही सशक्त समाज की नींव रखेगा। समाज में मां का स्थान सबसे सम्माननीय है और माताओं के सशक्त व आत्मनिर्भर

बनने से भारत भी आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने बताया कि 2020 में कोटा में कुपोषण के कारण हुई बच्चों की मृत्यु के बाद यह अभियान प्रारंभ किया गया। जब बच्चों की माताओं की पोषण स्थिति देखी गई तो स्पष्ट हुआ कि उन्हें पर्याप्त पोषण नहीं मिल पा रहा। इसी सोच से सुपोषित मां अभियान की शुरुआत हुई, ताकि माताओं को पोषणयुक्त आहार मिले और स्वस्थ मां, स्वस्थ शिशु, स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि हंस फाउंडेशन के सहयोग से कोटा-बूंदी के दूरदराज के इलाकों में जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क दवाइयां, जांच और परामर्श की सुविधा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने हंस फाउंडेशन द्वारा देशभर में किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था जरूरतमंदों की सेवा में निरंतर कार्यरत है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आने वाले समय में बूंदी मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर बून्दी तथा आस-पास के निवासियों को इलाज के लिए कोटा या जयपुर जाने की आवश्यकता नहीं पडेगी। एक ही छत के नीचे कई गंभीर बीमारियों का इलाज उपलब्ध होगा। साथ ही मरीजों की देखभाल के लिए आने वाले अटेंडेंट के लिए राम आश्रय की सुविधा भी विकसित की जाएगी।

बिरला ने कहा कि सुपोषित मां अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत जन्म के बाद तीन महीने तक जच्चा-बच्चा के पोषण और स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग की जाएगी। साथ ही वेलकम बेबी अभियान के माध्यम से 18 वर्ष की आयु तक हर बेटी के खाते में आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने संस्थाओं से आग्रह किया कि सर्वजातीय विवाह सम्मेलनों का आयोजन किया जाए ताकि गरीब और वंचित परिवारों को सामाजिक सम्बल मिल सके।

कार-ट्रॉले की टक्कर में पति-पत्नी और बेटे समेत छह की मौत, एक घायल, कार को तोड़कर निकाले गए शव

सिरोही, 6 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया। नेशनल हाईवे-27 पर एक कार और ट्रॉले की टक्कर हो गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, इनमें दंपति और उनका बेटा भी शामिल हैं। कार सवार सभी सात लोग गुजरात के अहमदाबाद से जालोर लौट रहे थे। एक महिला का गंभीर हालत में अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कार सवार सभी सात लोग राजस्थान के जालोर जिले के रहने वाले हैं। सभी गुजरात के अहमदाबाद से जालोर लौट रहे थे, इस दौरान गुरुवार तड़के करीब तीन बजे आबूरोड क्षेत्र के किवरली में कार और ट्रॉले की टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को आबूरोड अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां, दो गंभीर घायलों ने दम तोड़ दिया। एक महिला को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में सिरोही रेफर कर दिया गया।

दर्दनाक हादसे की सूचना पर माउंट आबू डीएसपी गोमाराम चौधरी, सदर थानाधिकारी दर्शन सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। रात्रि गश्त के दौरान नेशनल हाईवे पर मौजूद हेड कांस्टेबल विनोद लांबा हादसे की आवाज सुनकर तुरंत मौके पर पहुंचे और तत्काल एंबुलेंस व अधिकारियों को सूचना दी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी और लोग उसमें फंसे हुए थे। इसके बाद पुलिस टीम ने क्रेन की मदद से ट्रॉले में फंसी कार को बाहर निकाला और फिर शवों व घायलों को बाहर निकालने के लिए क्रेन से कार के दरवाजे तोड़े और उसके अन्य हिस्सों को भी अलग किया। करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद चार शव कार से बाहर निकाले गए, जिन्हें आबूरोड़ राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। वहीं, तीन घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जिनमें से दो और की मौत हो गई।

पति-पत्नी और बेटे की मौत

दर्दनाक हादसे में नारायण प्रजापत (58) उनकी पत्नी पोशी देवी (55) और बेटे दुष्यंत (24) निवासी कुम्हारों का बास की मौत हो गई। साथ ही कार चालक कालूराम (40), यशराम (4) और जयदीप पुत्र पुखराज प्रजापत की भी जान चली गई, जबकि दरिया देवी (35) पत्नी पुखराज का सिरोही में उपचार चल रहा है। कार में जालोर निवासी कुल सात लोग सवार थे। जिनमें से 6 की मौत हो गई है।

15 जिलों में उत्तरी हवाओं से लुढ़का पारा: 4 डिग्री सेल्सियस पहुंचा तापमान

जयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर भारत से चल रही सर्द हवाओं से राजस्थान में रात में पारा कई शहरों में गिरकर 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया। इससे इन शहरों में एक बार फिर सुबह-शाम की सर्दी तेज हो गई। दिन में आसमान साफ और तेज धूप रहने से लोगों को सर्दी से राहत रही। सुबह-शाम की तेज सर्द हवाओं का दौर आज भी जारी रहेगा। 7 मार्च से उत्तरी हवाएं कमजोर होने लगेगी और तापमान फिर से बढ़ने लगेगा।

पिछले 24 घंटे के दौरान मौसम देखे तो कल पूरे दिन आसमान साफ रहा और दिनभर सर्द हवाएं राजस्थान के कई शहरों में चली। इससे पहले पाली, झुंझुनूं, दौसा, माउंट आबू, करौली, फतेहपुर, सिरोही, हनुमानगढ़, बारां, नागौर, चूरू, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, सीकर, टोंक और भीलवाड़ा में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। कल सबसे कम तापमान सीकर के पास फतेहपुर में 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

दिन में आसमान साफ, तापमान में मामूली बढ़ोतरी

सुबह-शाम सर्द हवाएं चलने और तापमान गिरने से बढ़ी सर्दी से लोगों को दिन में राहत रही। दिन में कल राज्य के सभी शहरों में आसमान साफ रहा और तेज धूप निकली। बाड़मेर, जैसलमेर, डूंगरपुर में कल अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। सबसे अधिक तापमान कल बाड़मेर में 31.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

रहेगी सर्द हवाएं

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राजस्थान में सर्द हवाओं का असर आज भी रहने की संभावना जताई है। इन हवाओं के कमजोर होने और तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। 8 मार्च के बाद राजस्थान के शहरों में दिन गर्म होने लगेंगे और रात में भी सर्दी कम होने लगेगी। अगले एक सप्ताह तक राज्य में मौसम बिल्कुल साफ रहने की संभावना है।

उदयपुर के जंगल में लगी भीषण आग: सज्जनगढ़ सेंचुरी और बायोलॉजिकल पार्क में पर्यटकों की एंट्री बंद; मकान खाली करवाए

उदयपुर, 6 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर के सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में पिछले 3 तीन से लगी आग ने गुरुवार सुबह विकराल रूप धारण कर लिया। हवा तेज चलने के कारण आग 7 हेक्टेयर क्षेत्र में फैल गई। आग फैलने की सूचना के बाद उदयपुर से दमकल की 10 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंची। कई फेरे करते हुए आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस के, वन विभाग और दमकल कर्मचारी मौके पर डटे हुए हैं।

जहां आग लगी उससे लगता हुआ आबादी क्षेत्र है। प्रशासन ने 6 घरों को खाली कराया है और उन घरों से गैस सिलेंडर को बाहर निकलवाया है। आग की सूचना के बाद लोगों की भीड़ भी मौके पर जमा हो गई है। । प्रशासन ने मवेशियों को भी बाहर निकालने की अपील की है।

आग को देखते हुए अभयारण्य और बायोलॉजिकल पार्क दोनों में टूरिस्ट का प्रवेश बंद कर दिया गया है। सज्जनगढ़ सेंचुरी में लगी आग की लपटें सज्जनगढ़ बायो पार्क तक पहुंच गई है। आग को अंदर की तरफ बढ़ने से रोकने के लिए वन विभाग और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। यहां आग को पार्क की तरफ बढ़ने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। डीएफओ सुनील सिंह ने बताया- सुबह 10 बजे के करीब आग लगने की सूचना मिली। उस समय मानसून पैलेस और बायोलॉजिकल पार्क में लगभग 50 पर्यटक मौजूद थे। सुरक्षा को देखते हुए सबसे पहले टिकट खिड़की को बंद करवाया गया। इसके बाद सभी पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला और पार्क की एंट्री बंद कर दी गई।

किसी तरह का कोई नुकसान नहीं

उदयपुर कलेक्टर नमित मेहता, एसपी योगेश गोयल और डीएफओ अजय चित्तौड़ा मौके पर मौजूद हैं। धुआं पहाड़ी इलाके से सड़क तक पहुंचने लगा है। अधिकारी मास्क लगाए नजर आ रहे हैं। कलेक्टर नमित मेहता ने बताया- 2 दिन से आग को कंट्रोल कर लिया गया था। सुबह तेज हवा की वजह से आग फैलती गई।

वैश्विक औद्योगिक केंद्र के रूप में तेलंगाना की स्थिति मजबूत : श्रीधर बाबू

> मंत्री ने दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर उत्पादन इकाई की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईवियर निर्माण में वैश्विक अग्रणी लेंसकार्ट, 1,500 करोड़ रुपये के निवेश के साथ तेलंगाना में दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर उत्पादन सुविधाओं में से एक स्थापित कर रहा है। यह सुविधा तुक्कुगुडा के नॉन-एसईजेड जनरल पार्क में स्थित है, जो लगभग 1,600 रोजगार के अवसर पैदा करेगी। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने गुरुवार को यहां परियोजना की आधारशिला रखी। उत्पादन दो साल के भीतर शुरू होने वाला है, और चार साल में पूर्ण पैमाने पर संचालन की उम्मीद है। तेलंगाना सरकार और लेंसकार्ट ने पिछले साल 8 दिसंबर को इस पहल के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। यह सुविधा जापान, सिंगापुर, थाईलैंड, ताइवान, इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलेशिया, वियतनाम, यूएई और सऊदी अरब सहित बाजारों में निर्यात के लिए आईवियर उत्पादों का निर्माण करेगी।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना हमारे युवाओं के लिए सार्थक रोजगार के अवसर पैदा करते हुए औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह पहल आर्थिक प्रगति और समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, हमारा राज्य निवेश के लिए एक अत्यधिक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है, जिसे एक सक्रिय और उद्योग-अनुकूल सरकार का समर्थन प्राप्त है। हम 'तेलंगाना राइजिंग' का हिस्सा बनने और इस परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने के लिए व्यापारिक नेताओं का स्वागत करते हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है कि स्थानीय प्रतिभाओं को नए उद्योगों द्वारा बनाए गए रोजगार के अवसरों से लाभ मिले।

स्थायी रोजगार सृजन के माध्यम से हमारे युवाओं को सशक्त बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा, यह गर्व का क्षण है कि लेंसकार्ट ने दुनिया की सबसे बड़ी आईवियर विनिर्माण सुविधाओं में से एक स्थापित करने के लिए तेलंगाना को चुना है। यह मील का पत्थर वैश्विक औद्योगिक केंद्र के रूप में हमारी स्थिति को और मजबूत करता है। मंत्री ने आगे बताया कि पिछले साल दिसंबर में, तेलंगाना सरकार ने इस अत्याधुनिक सुविधा की स्थापना की सुविधा के लिए लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

भाजपा और बीआरएस के बीच गुप्त समझौते सामने आ रहे हैं : कांग्रेस

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने आरोप लगाया है कि भाजपा और बीआरएस के बीच गुप्त समझौते धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं और तेलंगाना के लोगों को उनके काले समझौते का एहसास हो रहा है। यहां गांधी भवन में गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि भाजपा और बीआरएस ने एमएलसी चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवार को हराने के लिए एक गुप्त गठबंधन की साजिश रची और दोनों पार्टियों ने अपनी अघोषित साझेदारी को मजबूत करने के लिए सावधानीपूर्वक काम किया था। सत्तारूढ़ कांग्रेस को झटका देते हुए, भाजपा ने करीमनगर स्नातक की सीट पर कब्जा कर लिया और विधान परिषद चुनाव में मेडक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर शिक्षक सीट भी जीत ली। मंत्री श्रीधर बाबू ने दावा किया कि एमएलसी चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवार को कमजोर करने के उद्देश्य से बीआरएस और भाजपा के बीच मिलीभगत का एक और उदाहरण प्रतीत होता है, उन्होंने जोर देकर कहा कि बीआरएस नेताओं ने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर सवाल उठाने के लिए अपनी नैतिक स्थिति खो दी है।

टीजीसीएसबी ने साइबर धोखाधड़ी रैकेट पर शिकंजा कसा

> 63 कॉल सेंटर कर्मचारियों की हुई गिरफ्तारी

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने हैदराबाद के हाई-टेक सिटी के पत्रिका नगर में एक फर्जी कॉल सेंटर से चल रहे एक बड़े साइबर धोखाधड़ी ऑपरेशन का भंडाफोड़ किया है। कुल 63 व्यक्ति, मुख्य रूप से भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों से, एनआरआई और अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर साइबर अपराध करने वाले इस फर्जी प्रतिष्ठान में काम करते पाए गए। टीजीसीएसबी द्वारा किए गए इस ऑपरेशन में 63 प्रमुख संदिग्धों की गिरफ़्तारी हुई, और आगे के लिंक की पहचान करने के लिए जाँच जारी है। फर्जी कॉल सेंटर, एक्सिटो सॉल्यूशंस में काम करने वाले आरोपी, पीड़ितों को धोखा देने के लिए पे पाल के ग्राहक सेवा प्रतिनिधियों का रूप धारण करते थे। उन्नत सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके, उन्होंने धोखाधड़ी वाले कॉल किए और फ़िशिंग ईमेल भेजे, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित पे पाल ग्राहकों को लक्षित करते हुए, झूठा दावा किया कि पीड़ित के खाते से अनधिकृत लेनदेन किए गए थे। पीड़ितों को ईमेल में सूचीबद्ध एक फर्जी "धोखाधड़ी रोकथाम टीम" को कॉल करने के लिए धोखा दिया गया था, जहां घोटालेबाजों ने उन्हें रिफंड हासिल करने या धोखाधड़ी गतिविधि को रोकने के बहाने संवेदनशील बैंकिंग विवरण साझा करने के लिए दबाव डाला। कुछ मामलों में, पीड़ितों को आगे के अनधिकृत लेनदेन को रोकने के लिए "सुरक्षित खातों" में धन हस्तांतरित करने के लिए राजी किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी की गई थी। इस साइबर धोखाधड़ी ऑपरेशन के पीछे के मास्टरमाइंड की पहचान कैवन पटेल रूपेश कुमार उर्फ जद्दू/जादू भाई, निवासी गुजरात के रूप में हुई है। वह अपने बड़े भाई विक्की, जो दुबई में रहता है, और अजाद के साथ मिलकर इस रैकेट को संचालित कर रहा था। ये व्यक्ति पे पाल से चुराए गए ग्राहक डेटा प्रदान करने और यूएसए में खच्चर बैंक खातों की व्यवस्था करने के लिए जिम्मेदार थे, जिनका उपयोग धोखाधड़ी से प्राप्त धन प्राप्त करने के लिए किया जाता था। उन्होंने अवैध धन को क्रिप्टो करेंसी में बदल दिया है, जिससे धन का पता नहीं चल पाता है। जांच से पता चला है कि पूरा नेटवर्क जद्दू भाई उर्फ ला भाई और राहुल उर्फ प्रतीक द्वारा नियंत्रित किया जाता था, जो एक्सिटो सॉल्यूशंस के प्रबंध निदेशक चंदा मनसावानी, निवासी हैदराबाद की देखरेख में थे। संगठन टीम के नेताओं संजू, जेम्स और प्रवीण के समन्वय में संचालित होता था, जो पीड़ितों को धोखाधड़ी से भुगतान करने के लिए हेरफेर करने में माहिर थे।

सीईओ ने मार्केट यार्ड का जायजा लिया

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बोइनपल्ली मार्केट यार्ड पर लोगों को पीने के पानी की समस्या काफी दिनों से थी। इसके अलावा भी मार्केट के लोग अन्य मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे थे। गत दिनों व्यापार संघ के अध्यक्ष गौतम जैन ने सीईओ मधुकर नायक से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराया था। उसके बाद गुरुवार को सीईओ ने समस्याओं का जायजा लेकर व्यापारियों व पदाधिकारियों से चर्चा की। गौतम जैन, जनरल सेक्रेटरी हरिकिशन बंग, ज्वाइंट सेक्रेटरी आनंद बंग, सी. रविचंद्र, राजाराम चौधरी, राजकुमार आदि ने सीईओ का स्वागत कर धन्यवाद दिया।

सीरवी समाज करमनघाट मे ढूंढोत्सव 14 को

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी ट्रस्ट समाज बन्धुओं के सानिध्य में होली महोत्सव के पावन अवसर पर 2 दिवसीय होली महोत्सव का कार्यक्रम 13 व 14 मार्च पूजा-अर्चनाकर, होली दहन, बच्चों की ढूंढ, रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम के साथ आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा व गैर संचालक हिरालाल सैंणचा से बताया कि हर वर्ष के भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में 2 दिवसीय होली महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मंदिर प्रांगण में प्रतिदिन गैर नृत्य का आयोजन रात्रि 9 बजे से 11.30 बजे तक किया जाएगा। गुरुवार 13 मार्च रात्रि 8 बजे पुजा-अर्चनाकर होली दहन एवं शुक्रवार 14 मार्च को प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर 9.15 बजे से बच्चों की ढूंढ का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

समाज बन्धुओं को बच्चों की ढूंढ करानी हो वे अपना नाम सहसचिव गजाराम सैंणचा व गैर संचालक हिरालाल सैंणचा के पास सम्पर्ककर दे सकते है। मध्यान 12.15 बजे से समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में रहेगी। समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम में राजस्थानी वेष-भूषा मे सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

टीजीएसपीडीसीएल के एडीई को एसीबी ने पकड़ा

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आरोपी गजुला श्याम प्रसाद, एडीई, संचालन, टीजीएसपीडीसीएल, चौटुप्पल, यदाद्री भुवनगिरी जिला को आज एसीबी, नलगोंडा इकाई ने उस समय पकड़ा। आरोपी शिकायतकर्ता से 70,000 रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की, ताकि वह आधिकारिक पक्षपात दिखा सके यानी मेसर्स एक्रीट फार्मास्यूटिकल्स, थंगाडापल्ली (वी), चौटुप्पल (एम) (वाईडीडी564) में स्थापित नेट मीटर के सिंक्रोनाइजेशन के लिए निरीक्षण डीई (ऑप्स), चौटुप्पल के माध्यम से टीजीएसपीडीसीएल पोर्टल पर करवा सके ताकि शिकायतकर्ता के लंबित बिल एक्रीट फार्मा कंपनी से प्राप्त किए जा सकें। इस प्रकार आरोपी ने अपने सार्वजनिक कर्तव्य का अनुचित और बेईमानी से पालन किया। आरोपी से रिश्वत की राशि बरामद की गई। आरोपी गजुला श्याम प्रसाद, एडीई, संचालन, टीजीएसपीडीसीएल, चौटुप्पल को गिरफ्तार किया गया और द्वितीय एसपीई और एसीबी मामले, नामपल्ली, हैदराबाद अतिरिक्त न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

मंत्री ने विभिन्न भवनों के निर्माण की आधारशिला रखीं

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्तालय के अंतर्गत महेश्वरम जोन के संबंध में पुलिस विभाग के विभिन्न पुलिस भवनों के निर्माण के लिए भूमि आवंटन का कार्यक्रम आज आयोजित किया गया। तेलंगाना राज्य के आईटी उद्योग और विधायी मामलों के मंत्री डुडिल्ला श्रीधर बाबू ने मुख्य अतिथि के रूप में नए भवन निर्माण स्थल के आवंटन के हिस्से के रूप में विभिन्न भवनों के निर्माण परिसर की आधारशिला रखी। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि हम राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने और अपराध पर नियंत्रण के लिए कड़े कदम उठा रहे हैं और पुलिस विभाग को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

वारंगल-खम्मम-नलगोंडा टीचर्स एमएलसी श्रीपाल रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से उनके जुबली हिल्स आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की।

जनता हमारी पार्टी की ओर देख रही है : राकेश रेड्डी

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा विधायक राकेश रेड्डी ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की जनता भाजपा की ओर देख रही है। भाजपा के राज्य कार्यालय से बोलते हुए उन्होंने बीआरएस पार्टी की एमएलसी कविता की आलोचना की कि उनका अहंकार अभी भी कम नहीं हुआ है और कहा कि कविता जैसी उच्च जाति की नेता अब लोकतंत्र की बात कर रही हैं। उन्होंने कविता से कहा कि वह अपना अहंकार दिखाना बंद करें। पूर्व सीएम केसीआर और सीएम रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों नेता हिंदू धर्म के गद्दार हैं और उनसे पूछा कि वे कुंभ मेले में क्यों नहीं गए।

टीटीडी चेयरमैन ने अन्ना प्रसादम के बीच 'वड़ा' प्रसादम वितरित किया

तिरुमला, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी चेयरमैन बीआर नायुडू ने टीटीडी ईओ जे. श्यामला राव और अतिरिक्त ईओ सीएच वेंकैया चौधरी के साथ गुरुवार सुबह तिरुमाला में तारिगोंडा वेंगाम्बा अन्ना प्रसादम भवन में भक्तों के लिए स्वादिष्ट वड़ा प्रसादम परोसने का कार्यक्रम शुरू किया। इस अवसर पर बोलते हुए चेयरमैन ने कहा कि पदभार संभालने के बाद उनके मन में अन्न प्रसादम मेनू में भक्तों को एक अतिरिक्त आइटम परोसने का विचार आया। जब यह मामला सीएम श्री नारा चंद्रबाबू नायुडू के संज्ञान में लाया गया, तो उन्होंने सहमति जताई और आज वड़ा परोसने का कार्यक्रम शुरू किया गया। बी.आर. नायुडू ने बताया कि वे पहले से ही मानक गुणवत्ता वाली सामग्री से बने स्वादिष्ट अन्न प्रसादम भक्तों को परोस रहे हैं। भक्तों को परोसे जाने वाले वड़ों में दाल, हरी मिर्च, अदरक, करी पत्ता, धनिया, पोदीना और सौंफ का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अब से अन्न प्रसाद केंद्र में प्रतिदिन सुबह 10.30 बजे से शाम 4 बजे तक भक्तों को 35 हजार वड़े परोसे जाएंगे। उन्होंने बताया कि भविष्य में यह संख्या और बढ़ाई जाएगी और भक्तों को स्वादिष्ट भोजन परोसा जाएगा। टीटीडी बोर्ड के सदस्य शांताराम, डिप्टी ईओ लोकनाथम, राजेंद्र, खानपान विशेष अधिकारी शास्त्री और अन्य अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अग्रसेन बैंक की हिमायत नगर में नई शाखा का भव्य उद्घाटन

> हैदराबाद में ग्राहकों को उत्तम सुविधाएं प्रदान करने में अग्रणी-मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री जी.किशन रेड्डी

> बंजारा हिल्स व कुकटपल्ली में दो और नई शाखाओं का उद्घाटन जल्द : चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर हैदराबाद में सभी ग्राहकों को उत्तम सुविधाएं प्रदान करने में अग्रसर, दि अग्रसेन को-आपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की हिमायत नगर में नई शाखा का उद्घाटन किया गया।

इस संदर्भ में, अग्रसेन बैंक के सिद्धअंबर बाजार हैदराबाद स्थित मुख्यालय के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, गुरुवार 6 मार्च 2025 की सुबह 11.00 बजे अग्रसेन बैंक की हिमायत नगर में नई शाखा का उद्घाटन किया गया। बैंक की यह नई शाखा जोकि, हैदराबाद के हिमायत नगर स्थित हिमायत नगर क्रास रोड के युनिट नं.1 व 2 के के पहली मंजिल पर बसा हुवा है। जिसमें यह भी बताया गया कि, अबतक हैदराबाद में अग्रसेन बैंक की 5 शाखाएं हैं पर हिमायत नगर की शाखा को मिलाकर, इस बैंक की शाखाओं की संख्या 6 हुई है। फिलहाल अग्रसेन बैंक की हैदराबाद में मुख्यालय को मिलाकर जो शाखाएं निरंतर कार्यरत हैं, उनमें मुख्यालय सिद्धअंबर बाजार, मलकपेट, रिकाबगंज, सिकंदराबाद, अत्तापुर, हिमायत नगर आदि। इस मामले में तत्संबंधित अधिकारियों ने आगे बताया कि, इस नई शाखा के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय खान एवं कोयला मंत्री व सिकंदराबाद सांसद जी.किशन रेड्डी उपस्थित हुए। जिसमें अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि, अग्रसेन बैंक, हैदराबाद में ग्राहकों को उत्तम सुविधाएं प्रदान करने में अग्रणी है। साथ ही सम्माननीय अतिथियों के रूप में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विशेष सुरक्षा बल, तेलंगाना सरकार अनिल कुमार आईपीएस, अध्यक्ष एफटीसीसीआई सुरेश सिंघल, वरिष्ठ वकील व पूर्व चेयरमैन बार काउंसिल आं.प्र. व पब्लिक प्रासेक्युटर तेलंगाना एम. राजेन्दर रेड्डी, वरिष्ठ वकील सुनिल गणु उपस्थित हुए। इस उद्घाटन कार्यक्रम में चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने हिमायतनगर की नई शाखा के उद्घाटन पर खुशी जतायी एवं बताया कि, बंजारा हिल्स व कुकटपल्ली में दो और नई शाखाओं का उद्घाटन जल्द हो रहा है। ताकि अग्रसेन बैंक द्वारा असंख्य ग्राहकों को अधिकाधिक उत्तम बैंकिंग सेवाएं देने में हमेशा सजग रह सके।

इस उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित बैंक के बोर्ड आफ डैरेक्टर्स में चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया, सीनि. वाइस चेयरमैन सी.ए. नवीन कुमार अगरवाल, वाइस चेयरमैन सुरेश कुमार अगरवाल, चेयरमैन बीओएम नारायण दत्त उपस्थित हुए एवं निदेशकों में नरसिंग दास, महेश कुमार अगरवाल, अपूर्वा अगरवाल, मोहन अगरवाल, राजेश कुमार अगरवाल, बंजरंग प्रसाद गुप्ता, गोपाल चंद अगरवाल, अन्जु केडिया, सीए पंकज कुमार अगरवाल सहित महा प्रबंधक व सीइओ सी.वी. राव, उप महा प्रबंधक आनंद अगरवाल, शाखा प्रमुख दीपक यादव तथा अग्रसेन बैंक के संबंधित कर्मचारियों व अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in
ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/एसजी/36/322, दि.5/3/2025
PUB/0233/25
अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.28-03-2025 के दोप.12.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।
आईडी नं. 322, कार्य विवरण: 1) रोड नं. 4 तथा 5 के लिए रिसेप्शन एण्ड डिसपैच सुविधाओं का प्रावधान के मध्देनजर, रेड्डीपालेम स्टेशन पर इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिंग (हाट स्टैण्डबाय) सहित एमएसीएलएसटी इण्डूर एवं आउटडोर का प्रावधान 2) दक्षिण मध्य रेलवे के गुंटूर डिवीजन पर, अनुकूल क्रासओवर्स की व्यवस्था करते हुए तथा आर एण्ड डी के रुप में मौजूद शन्टिंग नेक को कन्वर्ट या परिवर्तित करते हुए, गुंटूर से रेड्डीपालेम तक डैरेक्ट रिसेप्शन एवम् रेड्डीपालेम से गुंटूर तक डैरेक्ट डिसपैच की व्यवस्था। विज्ञापित निविदा मूल्य: रु. 8,88,45,388.93, पूधरा/बोली- सुरक्षा राशि: रु.5,94,200.00, निविदा दस्तावेज मूल्य: रु.शून्य
1. ई-बोली की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 28-03-2025 के दोप. 12.00 बजे तक है। विस्तृत जानकारी के लिए हमारे वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर लागआन करें।
2. अधिक सचार/शुध्दिपत्रों को, केवल ई-पोर्टल: www.ireps.gov.in द्वारा ही सूचित किया जायेगा।
ए0297 वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता/गुंटूर
निविदा नियम शर्तों/ अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स:https://www.ireps.gov.in अथवाwww.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

अमिताभ मुखर्जी ने एनएमडीसी के सीएमडी का पदभार संभाला

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमिताव मुखर्जी ने 6 मार्च 2025 से एनएमडीसी के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के पद पर कार्यभार संभाल लिया है। भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के 1996 बैच के अनुभवी अधिकारी मुखर्जी ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचने से पहले भारत सरकार में विभिन्न पदों पर सेवाएं दी हैं। अपने दूरदर्शी नेतृत्व के साथ, मुखर्जी मार्च 2023 से सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) और नवंबर 2018 से निदेशक (वित्त) के रूप में एनएमडीसी का मार्गदर्शन कर रहे हैं। वे एनएमडीसी स्टील लिमिटेड तथा लिगेसी आयरन ओर लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर रहे हैं।

उनके नेतृत्व में, एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2024 में 45 मिलियन टन उत्पादन को पार करने वाली भारत की पहली लौह अयस्क खनन कंपनी बनकर ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। उन्होंने एनएमडीसी को कंपनी के इतिहास में अब तक के सबसे अधिक टर्नओवर और नेटवर्थ तक पहुंचाया है। अत्याधुनिक डिजिटल और तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाया और देश की एकमात्र मशीनीकृत हीरा खदान में प्रचालन फिर से प्रारंभ किया। मुखर्जी ने एनएमडीसी स्टील प्लांट के चालू होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो अब बस्तर का गौरव बन चुका है। उनके नेतृत्व में कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया में स्वर्ण खनन में प्रगति की है और ग्लोबल खनन महाशक्ति बनने की दिशा में कार्ययोजना बनाकर आगे बढ़ चुकी है।

मुखर्जी ने प्रमुख निवेश रणनीतियों को क्रियान्वित करने, वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने तथा एनएमडीसी को जिम्मेदार खनन के भविष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में नवरत्न कंपनी 2030 तक 100 मिलियन टन की खनन क्षमता बनाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। यह नियुक्ति बहुआयामी अनुभव और दृढ़ आकांक्षाओं के साथ खनन क्षेत्र में अग्रणी व्यक्ति के रूप में भारत के औद्योगिक और आर्थिक परिदृश्य पर उनके प्रभाव को रेखांकित करती है।

यूओएच के प्रो.पी. प्रकाश बाबू को पांडिचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो.पी. प्रकाश बाबू को पांच साल की अवधि के लिए पांडिचेरी विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. बाबू की शैक्षणिक यात्रा में नागार्जुन विश्वविद्यालय से जूलॉजी में बीएससी, आंध्र विश्वविद्यालय से जूलॉजी में एमएससी और हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज से पीएचडी शामिल है। उनका शोध क्षेत्र न्यूरोसाइंसेज; न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग है। हाल ही में प्रो. प्रकाश बाबू को योगी वेमना विश्वविद्यालय, कडप्पा, आंध्र प्रदेश का कुलपति नियुक्त किया गया था।

विश्व शांति एवं गरीब कल्याण के लिए

श्रीललिता सहस्त्रनाम स्त्रोत का पारायण

हैदराबाद, 6 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीनिवास नगर स्थित श्रीगिरी प्रसन्ना वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के प्रांगण में देश की प्रगति, विश्व शांति और गरीब कल्याण के ध्येय से वरिष्ठ संत स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी की अध्यक्षता में श्री ललिता सहस्त्रनाम स्त्रोत पारायण हज़ारों सुहासिनी महिलाओं के द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने उपस्थित सभी सुहासिनी महिलाओं का पूजन किया और सभी के बीच साड़ी का वितरण किया। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने उपस्थित लोगों से कहा की हमारा देश सनातन भूमि है यहां धर्म की रक्षा होगी। दक्षिण और काशी का पुराना रिश्ता है हमें इसको हर क्षण जीवंत रखना है। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की भारत ऋषियों की भूमि है यहां हमेसा समृद्धि रहेगी। माता ललिता से भारत के प्रत्येक नागरिक के संरक्षण और प्रगति हेतु प्रार्थना करता हूं। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की भारत विश्व शक्ति के रूप में उभरे यही प्रत्येक नागरिक की आकांक्षा है। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की सनातन का ध्वज हिमालय से ऊँचा रहे और भारत माता के वैभव का डंका दुनिया भर में बजता रहे इसके लिए सभी लोगों को खूब मेहनत करना होगा। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की आज भारत की प्रतिष्ठा पूरी दुनिया में बढ़ी है। इस अवसर पर युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह, डॉ. अनंत लक्ष्मी, सुधाकर शर्मा, कराटे कल्याणी, श्रीदेवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में रचिन-कोहली में टॉप बैटर बनने की जंग

फाइनल 9 मार्च को दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा

खेल डेस्क, 6 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमें 25 साल बाद इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। साल 2000 के फाइनल में न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर खिताब जीता था।

फाइनल 9 मार्च को दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने अपने सभी मैच इसी मैदान पर खेले और सभी जीते। दूसरी ओर न्यूजीलैंड को टूर्नामेंट में इकलौती हार भारत के खिलाफ ही मिली। यह हार दुबई के मैदान पर ही ग्रुप स्टेज में मिली थी।

टीम इंडिया ने 20 फरवरी को अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ मैच से की। बांग्लादेश पहले खेलते हुए 228 रन ही बना सका। भारत ने शुभमन गिल की सेंचुरी के दम पर 47वें ओवर में मैच जीत लिया।

भारत ने दूसरा मैच 23 मार्च को पाकिस्तान के खिलाफ खेला। पाकिस्तान पहले खेलते हुए 241 रन ही बना सका। भारत ने विराट

कोहली के शतक के दम पर 43वें ओवर में ही मैच जीत लिया। कोहली ही प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

4 मार्च को भारत का सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया से हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बैटिंग करते हुए 264 रन बनाए। स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी ने फिफ्टी लगाई। भारत ने पावरप्ले में ही 2 विकेट गंवा दिए, यहां विराट कोहली ने श्रेयस अय्यर के साथ पारी संभाल ली।

विराट ने संभलकर बैटिंग की, 56 सिंगल और 5 चौके लगाकर 84 रन बनाए। उन्होंने श्रेयस के साथ 91 रन की पार्टनरशिप की। आखिर में अक्षर पटेल, केएल राहुल और हार्दिक पंड्या ने अहम पारियां खेलकर टीम को 49वें ओवर में जीत दिला दी।

न्यूजीलैंड ने अपने अभियान की शुरुआत मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ ओपनिंग मैच में ही की। टॉम लैथम के शतक के दम पर टीम ने 5 विकेट खोकर 320 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान 260 रन बनाकर ऑलआउट हो गया।

कीवी टीम का दूसरा मैच रावलपिंडी में बांग्लादेश से हुआ। बांग्लादेश ने 9 विकेट खोकर 236 रन बनाए। माइकल ब्रेसवेल ने महज 26 रन देकर 4 विकेट लिए। न्यूजीलैंड ने रचिन रवींद्र के शतक के दम पर 47वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। टीम ने 5 विकेट ही गंवाए।

न्यूजीलैंड का सेमीफाइनल लाहौर में साउथ अफ्रीका से हुआ। टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की। रचिन रवींद्र और केन विलियमसन के शतक के दम पर टीम ने 6 विकेट खोकर 362 रन बना दिए। आखिर में ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल ने 49-49 रन की पारियां खेलीं।

बड़े टारगेट के सामने साउथ अफ्रीका ने संभलकर शुरुआत की। कप्तान टेम्बा बावुमा और रासी वान डर डसन ने फिफ्टी लगाई। दोनों के आउट होते ही टीम बिखर गई। डेविड मिलर ने एक एंड संभाला, लेकिन उन्हें दूसरे एंड से साथ नहीं मिला। उन्होंने सेंचुरी लगाई, लेकिन टीम 312 रन ही बना सकी।

भारत और न्यूजीलैंड दूसरी बार इस चैंपियंस ट्रॉफी में भिड़ेंगे। इससे पहले 2 मार्च को दुबई में दोनों का सामना हुआ। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 249 रन बनाए। श्रेयस अय्यर ने 79 और हार्दिक पंड्या ने 45 रन बनाए। मैट हेनरी को 5 विकेट लिए।

250 रन के टारगेट के सामने धीमी पिच पर न्यूजीलैंड से केन विलियमसन ने 81 रन बनाए। उन्हें दूसरे एंड से किसी भी बैटर का साथ नहीं मिला। वरुण चक्रवर्ती ने 5 विकेट लिए और टीम 45.3 ओवर में 205 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अब दोनों टीमें फिर एक बार दुबई में ही खिताब के लिए भिड़ेंगी।

टॉप-3 विकेट टेकर में भारत के 2 बॉलर्स

न्यूजीलैंड के मैट हेनरी टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में 2 विकेट लिए। उन्होंने भारत के खिलाफ 5 विकेट लिए थे। भारत के मोहम्मद शमी 8 विकेट लेकर दूसरे और वरुण चक्रवर्ती 7 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

इंग्लैंड के बेन डकेट 227 रन बनाकर टॉप पर हैं। न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र 2 शतक लगाकर 226 रन बना चुके हैं। वे दूसरे नंबर पर हैं। भारत के विराट कोहली 217 रन बनाकर चौथे नंबर पर हैं। फाइनल में इन्हीं 2 बैटर्स के बीच टॉप बैटर बनने की जंग होगी।

मैट हेनरी को कंधे में इंजरी, फाइनल से हो सकते हैं बाहर

दुबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल से पहले बड़ी खबर आ रही है. खबर न्यूजीलैंड के एक स्टार खिलाड़ी से जुड़ी है. खबर है कि कीवी टीम के तेज गेंदबाज मैट हेनरी चोट के चलते फाइनल मुकाबले से बाहर हो सकते हैं. अगर ऐसा होता है तो ये न्यूजीलैंड के लिए एक ओर जहां झटका है वहीं भारत के नजरिए से राहत वाली बात है. राहत इसलिए क्योंकि मैट हेनरी ना सिर्फ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सबसे सफल गेंदबाज हैं. बल्कि टीम इंडिया के खिलाफ भी वनडे में उनका रिकॉर्ड उतना ही तगड़ा है. इसका ट्रेलर भी वो ग्रुप स्टेज पर भारत के खिलाफ मुकाबले में दिखा चुके हैं.

मैट हेनरी को कंधे की इंजरी है. ये इंजरी उन्हें लाहोर में साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच खेले दूसरे सेमीफाइनल में हुई. हेनरी को चोट एक कैच लेने के दौरान लगी थी, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था. मैट हेनरी की इंजरी फिलहाल कैसी है, उसका अभी पता नहीं. मैच खत्म होने के बाद कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी बस इतना ही अपडेट दिया कि वो सीरियस हो सकता है. सूजन है. लेकिन, हम अगले दो दिन इंतजार करने के बाद ही किसी फैसले पर पहुंचेंगे.

सीटी 2025 का सबसे सफल गेंदबाज, भारत के खिलाफ खोला 'पंजा'

बहरहाल, मैट हेनरी अगर बाहर होते हैं तो उससे टीम इंडिया को फाइनल में राहत मिल सकती है. मैट हेनरी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सबसे सफल गेंदबाज है. उन्होंने अब तक खेले 4 मैचों में 10 विकेट झटके हैं. इन 10 विकेटों में से 5 विकेट उन्होंने भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज पर 8 ओवर में 42 रन देते हुए झटके थे.

भारत के खिलाफ वनडे में मैट हेनरी

बात अगर भारत के खिलाफ वनडे में किए हेनरी के प्रदर्शन की करें तो उन्होंने अब तक खेले 11 मैचों में 21 विकेट अपने नाम किए हैं. मैट हेनरी ने ये विकेट 4.48 की इकॉनमी और 21 की औसत के साथ लिए. इस दौरान उनका बॉलिंग स्ट्राइक रेट 28 से नीचे का रहा है.

हेनरी नहीं खेलते हैं तो मौका अच्छा है

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच होना है. किसी आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में ये तीसरी बार होगा जब दोनों टीमें आमने सामने होंगी. इससे पहले दोनों मौको पर फाइनल न्यूजीलैंड ने जीता था. आंकड़े भले ही कीवियों के साथ हैं, मगर भारतीय टीम इतिहास बदलने की सोचेगी. और, अगर मैट हेनरी नाम का खतरा फाइनल से बाहर हुआ तो फिर टीम इंडिया के इतिहास बदलने की सोच सच भी हो सकती है.

भारत-पाकिस्तान के बीच होगी सीरीज!

लाहौर गए बीसीसीआई अधिकारी ने क्या जवाब दिया?

लाहौर, 6 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला पाकिस्तान के शहर लाहौर में खेला गया, जिसे देखने के लिए बीसीसीआई के अधिकारी राजीव शुक्ला वहां गए. इसी के साथ भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट सीरीज के एक बार फिर से शुरू होने को लेकर सवाल भी उठे. लाहौर में मीडिया से मुखातिब होते हुए बीसीसीआई अधिकारी राजीव शुक्ला से इस बारे में सवाल हुआ, जिसका उन्होंने बिना सीधा-सीधा जवाब दिया. इतना ही नहीं राजीव शुक्ला ने पाकिस्तानी मीडिया के उस सवाल का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने पूछा कि क्या दुबई की जगह लाहौर में फाइनल नहीं होना चाहिए था?

आईसीसी इवेंट की मेजबानी के लिए पाकिस्तान की सराहना

सबसे पहले आते हैं भारत-

पाकिस्तान के बीच सीरीज के सवाल पर. पाकिस्तानी मीडिया ने ये बताते हुए कि उनका मुल्क अब इंटरनेशनल क्रिकेट, आईसीसी इवेंट की मेजबानी कर रहा है, राजीव शुक्ला से पूछा कि क्या उन्हें नहीं लगता कि भारत-पाकिस्तान के बीच जमी बर्फ अब पिघलनी चाहिए और दोनों देशों के बीच सीरीज की शुरुआत होनी चाहिए? राजीव शुक्ला ने इस सवाल को सुनने के बाद पहले तो आईसीसी इवेंट और इंटरनेशनल टीमों की मेजबानी के लिए पाकिस्तान की सराहना की. फिर उन्होंने भारत-पाकिस्तान सीरीज को लेकर जवाब दिया.

भारत-पाकिस्तान के बीच सीरीज पर दिया राजीव शुक्ला का जवाब

राजीव शुक्ला ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीरीज की शुरुआत को लेकर फंडा बिल्कुल क्लियर है. ये तभी हो सकता है जब सरकार चाहेगी. इस पर फैसला भारत सरकार के हाथ में है. भारत सरकार जो कहेगी, BCCI उस हिसाब से चलेगी. पाकिस्तान को भारत के खिलाफ सीरीज के शुरू होने के सवाल का जवाब तो मिल गया. लेकिन उसका क्या जो उसने लाहौर में फाइनल मुकाबला होने को लेकर सवाल पूछा? पाकिस्तानी मीडिया के लाहौर में फाइनल होने के सवाल पर राजीव शुक्ला ने कहा कि ऐसा तभी संभव हो सकता था जब ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत को हरा देती. यानी, दुबई में खेला चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल जीत लेती. लेकिन, ऐसा तो हुआ नहीं.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत-पाक के प्रदर्शन का फर्क

पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान देश है. मगर इस बार के एडिशन में उसका सफर ग्रुप स्टेज पर ही थम गया. पाकिस्तान की टीम एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी. उसे पहले न्यूजीलैंड ने हराया, फिर भारत ने. वहीं बांग्लादेश से आखिरी ग्रुप मैच बारिश की भेंट चढ़ गया. जबकि, भारत ने टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए फाइनल का टिकट कटाया है.

12 छक्के नॉन-स्टॉप, अभिषेक शर्मा ने दिखाया आईपीएल 2025 का ट्रेलर

इशान किशन ने भी एसआरएच में भरा जोश

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के दिन भी अब ज्यादा दूर नहीं. इधर चैंपियंस ट्रॉफी का रोमांच थमेगा और उधर आईपीएल के नए सीजन का मेला लगना शुरू हो जाएगा. या यूं कहें कि लगना शुरू भी हो गया है. क्योंकि, जो खिलाड़ी चैंपियंस ट्रॉफी का हिस्सा नहीं है, उन्होंने अपनी-अपनी टीमों को जॉइन करना शुरू कर दिया. अभिषेक शर्मा, इशान किशन IPL 2025 में साथ-साथ खेलेंगे. इन दोनों खिलाड़ियों ने SRH के कैंप को जॉइन कर लिया है. अभिषेक ने तो खैर हद ही कर दी है. उन्होंने नेट्स पर उतरकर जिस अंदाज में एक के बाद एक 12 छक्के लगाए हैं, उससे ना सिर्फ IPL 2025 का ट्रेलर देखने को मिला है बल्कि SRH के विरोधियों को एक संदेश भी चला गया है.

12 छक्केनॉन-स्टॉप... कमाल है अभिषेक शर्मा!

सनराइजर्स हैदराबाद ने अभिषेक शर्मा के नेट्स पर

दनादन छक्के लगाने वाला वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर किया है. उन्होंने एक, दो या तीन नहीं कुल 12 छक्के लगाए हैं.

इस वीडियो में अभिषेक कभी दाएं हाथ तो कभी बाएं हाथ के गेंदबाज की गेंद को उड़ाते दिख रहे हैं. बाएं हाथ के विस्फोटक ओपनर का ये बेखौफ मिजाज एसआरएच का जोश जगा देने वाला है. इससे पता चलता है कि क्यों एसआरएच ने अभिषेक शर्मा को खुद से दूर नहीं होने दिया. उम्मीद है कि नेट्स पर दिखाए इस अवतार को अभिषेक आईपीएल 2025 की पिच पर भी उतारने में कामयाब रहेंगे.

इशान किशन भी एसआरएच से जुड़े

सनराइजर्स हैदराबाद के जोश के बढ़ने की एक वजह इशान किशन भी हैं. मुंबई इंडियंस से खेलने वाले इशान आईपीएल 2025 में सनराइजर्स का हिस्सा हैं. इस फ्रेंचाइजी ने उन्हें 11.25 करोड़ रुपये में खरीदा है. मतलब उन्हें अपनी बेस प्राइस से करीब 6 गुणा ज्यादा रकम मिली है. इशान किशन एसआरएच के कैंप से जुड़ चुके हैं. आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद को अपना पहला मुकाबला 23 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है. ये मुकाबला सनराइजर्स के होम ग्राउंड यानी हैदराबाद में ही होगा. सनराइजर्स हैदराबाद ने अब तक सिर्फ एक बार आईपीएल का खिताब जीता है.

प्लेऑफ की रेस हुई रोमांचक, 2 टीमों पर मंडराया बाहर होने का खतरा

मुंबई, 6 मार्च (एजेंसियां)। महिला प्रीमियर लीग 2025 अब अपने आखिरी चरण में आ गया है। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ रहा है वैसे-वैसे प्लेफ की रेस काफी रोमांचक होती जा रही है। टूर्नामेंट की पांच टीमों में से अभी तक एक टीम ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर पाई है। जी हां दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल 2025 के प्लेऑफ में क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई है। पॉइंट्स टेबल में दिल्ली कैपिटल्स की टीम पहले पायदान पर बनी हुई है। वहीं, अब 2 टीमों पर प्लेऑफ की रेस बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

आरसीबी और यूपी वॉरियर्स की बढ़ी टेंशन

डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलुरु ने डब्ल्यूपीएल 2025 में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन वे अपनी इस शानदार लय को टूर्नामेंट में जारी नहीं रख पाए। आरसीबी ने अपने पहले मैच में जीत हासिल की थी। अभी तक आरसीबी ने इस टूर्नामेंट में 6 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम को 2 में जीत और 4 में हार का सामना करना पड़ा है। फिलहाल पॉइंट्स टेबल में आरसीबी 4 अंक के साथ चौथे पायदान पर है। आरसीबी की नेट रनरेट -0.244 का है। ऐसे में अगले मैचों में आरसीबी को हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

दूसरी तरफ यूपी वॉरियर्स के लिए भी आगे राह काफी कठिन दिखाई दे रही है। यूपी वॉरियर्स को अगर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना है तो उसको लगभग हर मैच में जीत हासिल करनी होगी। अभी तक डब्ल्यूपीएल 2025 में यूपी वॉरियर्स ने 5 मैच खेले हैं, जिसमें टीम ने 2 मैचों में जीत और 3 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। फिलहाल 4 अंक के साथ यूपी वॉरियर्स पॉइंट्स टेबल में आखिरी पायदान पर बनी हुई है। यूपी वॉरियर्स का नेट रनरेट -0.450 का है।

'विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में भारत की पदक तालिका बेहतर होगी'

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भरोसा जताया कि भारत सात से 17 मार्च तक इटली के तूरिन में होने वाले विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में अपने स्वर्ण पदकों की संख्या में सुधार करेगा। भारत विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों के लिये 49 सदस्यीय टीम भेज रहा है जिसका आयोजिन पिछली बार 2017 में ऑस्ट्रिया में किया गया था जिसमें देश ने 37 स्वर्ण सहित 73 पदक जीते थे।

एथलीट छह स्पर्धाओं अल्पाइन स्कीइंग, क्रॉसकंट्री स्कीइंग, फ्लोरबॉल, शॉर्ट स्पीड

स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और स्नोशूइंग में भाग लेंगे। भारतीय दल में 30 खिलाड़ी, तीन अधिकारी और 16 सहयोगी स्टाफ हैं। मांडविया ने ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में कहा- मुझे इन खिलाड़ियों में काफी उत्साह दिख रहा है। पिछले चरण में भारत ने 37 स्वर्ण पदक जीते थे और इस बार मुझे भरोसा है कि हम बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

खेलो इंडिया पैरा खेल की शुरुआत 20 मार्च से

नई दिल्ली करेगा मेजबानी; 1230 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 6 मार्च (एजेंसियां)। खेलो इंडिया पैरा खेलों (केआईपीजी) के दूसरे चरण की शुरुआत 20 से 27 मार्च तक नई दिल्ली में होगी। इन खेलों में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों सहित करीब 1230 पैरा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनमें से कई पैरा एथलीट 2024 पेरिस पैरालंपिक और चीन के हांग्झोउ में 2022 एशियाई पैरा खेलों के पदक विजेता हैं। ये छह स्पर्धाओं पैरा तीरंदाजी, पैरा एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, पैरा पावरलिफ्टिंग, पैरा निशानेबाजी और पैरा टेबल टेनिस में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

पैरा एथलेटिक्स, पैरा तीरंदाजी और पैरा पावरलिफ्टिंग की मेजबानी जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम करेगा, जबकि आईजी स्टेडियम परिसर में पैरा बैडमिंटन और पैरा टेबल टेनिस स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। केआईपीजी 2025 में प्रतिस्पर्धा करने वाले प्रमुख पैरा खिलाड़ियों में पेरिस पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता हरविंदर सिंह (तीरंदाजी), धरमबीर (क्लब थ्रो) और प्रवीण कुमार (ऊंची कूद) शामिल हैं।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, हमारे पैरा खिलाड़ियों की उन्नति बड़े पैमाने पर खिलाड़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा है। 'हम कर सकते हैं' का रवैया वास्तव में प्रेरक है और मुझे यकीन है कि हम आगामी खेलो इंडिया पैरा खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन देखेंगे।

'जुबान पर लगाम रखें, बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'

बेटे बाबर आजम की लगातार आलोचना पर भड़के आजम सिद्दीकी

इस्लामाबाद, 6 मार्च (एजेंसियां)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवर सीरीज के लिए एक बार फिर से टीम में काफी फेरबदल किए हैं। पीसीबी ने कड़ा फैसला लेते हुए सीनियर बल्लेबाज बाबर आजम और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान को टी-20 टीम से बाहर कर दिया गया, जबकि सलमान अली आगा को सबसे छोटे फॉर्मेट में नया कप्तान बनाया गया है।

सवालों के घेरे में बाबर आजम

बाबर पिछले कुछ समय से सभी फॉर्मेट में अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचनाओं के घेरे में हैं। मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में भी उनका बल्ला कुछ खास नहीं चला, जहां उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 90 गेंदों पर 64 जबकि भारत के खिलाफ 26 गेंदों पर 23 रनों की पारी खेली। बेटे की लगातार आलोचना पर अब उनके पिता आजम सिद्दीकी उनके सपोर्ट में उतर गए हैं।

सिद्दीकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने

बाबर को टी-20 इंटरनेशनल टीम में अपनी जगह फिर से हासिल करने का सपोर्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'बॉस हमेशा सही होता है। आईसीसी की ट्वेंटी-20 की बेस्ट टीम का सदस्य और कैप मिलने के बाद भी वह बाहर हो जाएगा। यह ठीक है। वह नेशनल टी-20 और पीएसएल में अच्छा प्रदर्शन करेगा। इंशाअल्लाह, वह टीम में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद जल्द ही वापस आ जाएगा। यही एकमात्र सम्मान है। उनको लेकर काफी पूर्व खिलाड़ियों ने काफी कुछ कहा है। उनसे मेरा अनुरोध है कि वे अपनी बात सही रखें। अगर कोई जवाब मिलेगा तो वे बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे।'

बाबर आजम का वनडे रिकॉर्ड

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर ने 31 मई 2015 को जिम्बाब्वे के खिलाफ लाहौर में वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने पहली ही पारी से दुनिया को अपने टैलेंट साबित कर दिया था और थोड़े ही समय में नेशनल टीम में जगह बना ली। बाबर ने अब तक 128 वनडे मैचों की 125 पारियों में 19 शतक और 35 फिफ्टी जड़ी हैं, जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 158 रन है। उनका वनडे बल्लेबाजी औसत 55.50 है, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है। उनके भारत के खिलाफ प्रदर्शन को देखा जाए तो उन्होंने भारत के खिलाफ 9 वनडे मैचों की 8 पारियों में 30.12 की औसत से 241 रन बनाए हैं।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना

भारत सरकार

प्रधानमंत्री जन-औषधि केन्द्र से

सस्ती दवाई, अच्छी दवाई

तब

₹5000.00

अब

जन औषधि केन्द्र

PAID

₹1000.00

6 साल में गरीबों और जरुरतमंदों के

30 हजार करोड़ रुपये बचे

- देश में 15,000+ जन-औषधि केंद्र
- 50%-90% तक सस्ती दवाएं
- 2000 से ज्यादा जेनरिक दवाएं
- कैंसर की सस्ती दवाएं
- ₹1 में सैनेटरी पैड
- उच्च गुणवत्ता की WHO और NABL सर्टिफाइड दवाएं

2027 तक देश में 25 हजार जन-औषधि केंद्र

cbc 02107/13/0006/2425

7वें जन-औषधि दिवस की शुभकामनाएं

नजदीकी जन-औषधि स्टोर लोकेट करने के लिए QR कोड स्कैन करें

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.